राष्ट्रीय संस्करण

साल के अंत तक 4जी नेटवर्क से जुड़ जाएंगे सीमावर्ती गांव >> 3

वर्ष 8 अंक 34

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, रविवार, 14 जुलाई, 2024

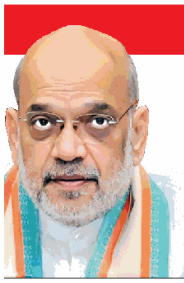

www.jagran.com

पृष्ठ 14

रविवार विशेष

कौशल से विकास • पेज-7

संपादकीय

रोजगार के सवाल का समाधान : यह झूठ ही है कि रोजगार के मोर्चे पर विपक्ष शासित राज्यों में चुनौती नहीं और सारी समस्या केंद्र सरकार के स्तर पर एवं भाजपा शासित राज्यों में है। **संजय गुप्त** का आलेख।

गठबंधन के खूंटे से बंधी राजनीति : दलों के गठबंधन टिकाऊ भले ही न हों, उनके बिकाऊ होने का खतरा बराबर बना रहता है। **सूर्यकुमार पांडेय** का व्यंग्य। • पेज-8

विमर्श

हिटलर से बड़ा तानाशाह स्टालिन : हिंदी साहित्य से जुड़े कुछ लोगों ने लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद फेसबुक पर स्तरहीन विवाद छेड़ दिया है। तमाम साहित्यसेवी एवं लेखक अपनी व्यक्तिगत कुंठा का सार्वजनिक प्रदर्शन करते हुए स्तरहीन टिप्पणियां कर रहे हैं। **अनंत विजय** का आलेख। • पेज-9

बजट 2024-25 बिगुल

जागरण अभियान की छठी किस्त में आज पढ़िए देश की खेल उत्पाद बनाने वाली इंडस्ट्री से जुड़े छोटे, मझोले व बड़े उद्योगों की आम बजट को लेकर आशाओं और उम्मीदों पर खास रिपोर्ट... • पेज-10

सप्ताह का साक्षात्कार

आने वाले समय में और तेजी से बढ़ेगा जलवायु परिवर्तन का असर : सुनीता नारायण

देश-दुनिया से लेकर स्थानीय स्तर पर लोग इन दिनों चरम पर मौसमी घटनाओं को करीब से महसूस कर रहे हैं। पद्मश्री से सम्मानित पर्यावरणविद् व सेंटर फार साइंस एंड एन्वायरमेंट (सीएसई) की महानिदेशक सुनीता नारायण का कहना है कि आने वाले समय में जलवायु परिवर्तन का यह असर और तेजी से बढ़ेगा। मौसम की चुनौतियों से कैसे निपटा जाए, भविष्य को लेकर क्या प्लानिंग की जाए, इन्हीं बिंदुओं पर जागरण के दिल्ली राज्य ब्यूरो के प्रमुख संवाददाता संजीव गुप्ता ने उनसे बातचीत की है। • पेज-13

युवाओं की परीक्षा

आज का मैच (पांचवां टी-20)

भारत vs जिंबाब्वे

शाम 4:30 बजे | स्थान : हरारे

प्रसारण : सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क

इटली में गुलामी से मुक्त कराए गए 33 भारतीय

रोम : इटली में पुलिस ने वेरोना प्रांत में 33 भारतीय खेतिहर मजदूरों को मुक्त करवाया है, जिनसे वहां गुलामों जैसा बर्ताव किया जा रहा था। पुलिस ने शनिवार को कहा कि भारतीयों से गुलाम जैसा काम करवाने वाले दो लोगों से लगभग पांच लाख यूरो जब्त किए हैं। (पेज-11)

तीन-चार वर्षों में देश में आठ करोड़ नए रोजगार उपलब्ध हुए : मोदी

कहा, आरबीआइ की रिपोर्ट ने बेरोजगारी पर फर्जी नैरेटिव फैलाने वालों की बोलती बंद की

राज्य ब्यूरो, जागरण • मुंबई

- झूठे नैरेटिव गढ़ने वाले निवेश, बुनियादी ढांचे और विकास के दुश्मन
- भारत की समझदार जनता इनके झूठ और प्रपंच को नकार रही है
- लोग जानते हैं कि राजग सरकार ही दे सकती है स्थिरता और स्थायित्व

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेरोजगारी को लेकर विपक्ष द्वारा किए जाने वाले दुष्प्रचार पर शनिवार को जमकर प्रहार किया। कहा कि आरबीआइ की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन से चार वर्षों में देश में आठ करोड़ नए रोजगार उपलब्ध हुए हैं। इससे बेरोजगारी के बारे में फर्जी नैरेटिव फैलाने वालों की बोलती बंद हो गई है। पीएम मोदी ने कहा कि इस तरह के झूठे नैरेटिव गढ़ने वाले निवेश के दुश्मन हैं। बुनियादी ढांचे के निर्माण के दुश्मन हैं और विकास के दुश्मन हैं। इनकी हर नीति युवाओं से विश्वासघात एवं रोजगार रोकने की रहती है। लेकिन अब इनकी पोल खुल रही है। भारत की समझदार जनता इनके झूठ और प्रपंच को नकार रही है।

लोकसभा चुनाव के बाद अपनी पहली मुंबई यात्रा में प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक माह में छोटे-बड़े हर निवेशक ने हमारे तीसरे कार्यकाल का उत्साह से स्वागत किया है। लोग जानते हैं कि राजग सरकार ही स्थिरता और स्थायित्व दे सकती है। हमने चुनाव के दौरान तीन गुना तेजी से काम करने का वादा किया था। आज हम इसे पूरा होते देख रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने गोरेगांव स्थित नेस्को ग्राउंड में आयोजित एक समारोह में मुंबई और आसपास की 29,400 करोड़ रुपये मूल्य की परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं मुंबई के अंदर एवं यहां से अन्य शहरों का संपर्क सुगम करेंगी। मुंबई में तेजी से विकसित हो रहे बुनियादी ढांचे के कारण यह देश-विदेश के निवेशकों के आकर्षण का केंद्र बन रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां रेल ट्रैक, पुल, रेल के डिब्बों जैसा कोई भी निर्माण कार्य होता है, वहां रोजगार पैदा होता ही है।

मुंबई में शनिवार को विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन करते महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा अजीत पवार। प्रेट्र

विकसित भारत की यात्रा में अखबारों की अहम भूमिका

प्रेट्र के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को मुंबई में इंडियन न्यूजपेपर सोसायटी के सचिवालय आइएनएस टावर्स का उद्घाटन करते हुए कहा कि मीडिया की स्वाभाविक भूमिका गंभीर मुद्दों पर चर्चा करके संवाद स्थापित करना है। अगले 25 वर्षों में विकसित भारत की यात्रा में अखबारों की भूमिका अहम है। उन्होंने भारतीय प्रकाशनों से वैश्विक उपस्थिति बढ़ाने की अपील की। साथ ही विश्वास जताया कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

पीएम ने कहा, तेजी से हो रहे बुनियादी ढांचे के निर्माण से रोजगार में भी वृद्धि पेज>>3

सीआइसी को पीठ गठित करने और नियम बनाने का अधिकार

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा-प्रभावी कामकाज के लिए स्वायत्तता जरूरी
- दिल्ली हाई कोर्ट के 2010 के आदेश को खारिज करते हुए दी यह व्यवस्था

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआइसी) के प्रभावी कामकाज के लिए उसकी स्वायत्तता को सर्वाधिक महत्वपूर्ण करार देते हुए कहा है कि आयोग के पास पीठ गठित करने और नियम बनाने की शक्तियां हैं। जस्टिस विक्रम नाथ और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि प्रशासनिक निकायों की स्वायत्तता और स्वतंत्रता उनके निर्धारित कार्यों को प्रभावी ढंग से करने के लिए महत्वपूर्ण है।

पीठ ने कहा, आयोग की पीठों के गठन से संबंधित नियम बनाने की मुख्य सूचना आयुक्त की शक्तियों को बरकरार रखा जाता है, क्योंकि ऐसी शक्तियां आरटीआइ अधिनियम की धारा 12(4) के दायरे में हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि सीआइसी जैसी संस्थाएं विशिष्ट कार्य करने के लिए स्थापित की जाती हैं। इसके लिए एक स्तर की निष्पक्षता और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है और ऐसा तभी हो सकता है जब इनमें अनुचित हस्तक्षेप नहीं हो। ये नियम आयोग के कुशल प्रशासन और संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपकरण हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट के 2010 के निर्णय को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में मुख्य सूचना आयुक्त द्वारा तैयार किए गए केंद्रीय सूचना आयोग (प्रबंधन) विनियम, 2007 को रद कर दिया था और कहा था कि सीआइसी को आयोग की पीठ गठित करने का कोई अधिकार नहीं है।

शीर्ष अदालत ने की महत्वपूर्ण टिप्पणी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि प्रशासनिक प्रणाली की प्रभावशीलता को बनाए रखने के लिए इन निकायों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना आवश्यक है। इन निकायों के कामकाज में हस्तक्षेप करना नुकसानदायक हो सकता है, क्योंकि इससे उनकी कुशलतापूर्वक और निष्पक्ष रूप से काम करने की क्षमता प्रभावित होती है। आरटीआइ अधिनियम का उद्देश्य सार्वजनिक प्राधिकरणों के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना तथा नागरिकों के सूचना के अधिकार को सुनिश्चित करना है।

जम्मू-कश्मीर के एलजी को अधिक शक्ति देने पर सियासी घमासान

नीलू रंजन • जागरण

- विपक्ष ने लगाया जम्मू-कश्मीर की जनता को शक्तिहीन करने और लोकतंत्र की हत्या का आरोप
- गृह मंत्रालय के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में ही उपराज्यपाल की शक्तियां स्पष्ट
- कहा- नए नियमों का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश के कामकाज में अधिक स्पष्टता लाना

नई दिल्ली : जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले उपराज्यपाल (एलजी) को अधिक शक्ति देने की गृह मंत्रालय की अधिसूचना पर सियासी घमासान शुरू हो गया है। कांग्रेस समेत जम्मू-कश्मीर की सभी विपक्षी पार्टियों ने इसका विरोध करते हुए इसे चुने हुए मुख्यमंत्री को अधिकारों से वंचित करने की साजिश करार दिया है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्रालय के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार 2019 के जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में ही उपराज्यपाल की शक्तियों को स्पष्ट कर दिया गया है और इसी के अनुसार नए नियमों को अधिसूचित किया गया है ताकि केंद्र शासित प्रदेश का कामकाज सुचारू रूप से चल सके।

गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में कोई बदलाव नहीं किया गया है इस अधिनियम के खंड 32 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर की विधानसभा पुलिस और कानून-व्यवस्था और संविधान की सातवीं अनुसूची में शामिल समवर्ती सूची को छोड़कर कोई भी कानून बना सकती है। इसी तरह अधिनियम के खंड 53 में साफ किया गया है कि उपराज्यपाल अखिल भारतीय सेवाओं और एंटी करप्शन ब्यूरो जैसे मुद्दों पर अपना निर्णय ले सकता है, जो विधानसभा के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

नियमों में नए संशोधनों का विरोध करते हुए पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस ने इसे जम्मू-कश्मीर के लोगों को अधिकार विहीन करने की कोशिश और कांग्रेस ने लोकतंत्र की हत्या करार दिया है। नेकां के उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के अनुसार जम्मू-कश्मीर की जनता को एक शक्तिहीन और रबर स्टांप मुख्यमंत्री नहीं चाहिए, जिसे एक चपरासी की नियुक्ति के लिए भी उपराज्यपाल से भीख मांगनी पड़े। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए।

अधिसूचना नियमानुसार होने का दावा।

पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि एक समय सबसे शक्तिशाली रही जम्मू-कश्मीर विधानसभा को केंद्र सरकार एक नगर निकाय में तब्दील करना चाहती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर की जनता पर भरोसा नहीं है और वह एक बाहरी व्यक्ति यानी उपराज्यपाल को शक्ति दे रही है, जोकि जम्मू-कश्मीर के बारे में कुछ नहीं जानते हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और महासचिव जयराम रमेश ने भी इसका विरोध करते हुए इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया।

उधर, विपक्षी दलों के इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि मोदी सरकार के दौरान जम्मू-कश्मीर में पंचायत से लेकर नगर निकायों का चुनाव कराकर लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने का काम किया गया है।

उपचुनाव की 13 में 10 सीटों पर विपक्ष को मिली जीत

जागरण टीम, नई दिल्ली

- भाजपा को मप्र और हिमाचल में मिली एक-एक सीट, बिहार के रुपौली में जीता निर्दलीय
- उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस को मिलीं दो-दो सीटें
- बंगाल की चारों विस सीटों पर तृणमूल कांग्रेस को मिली विजय

सात राज्यों में 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए को 10 सीटें मिली हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने जालंधर पश्चिम सीट पर जीत हासिल की है तो बंगाल में सभी चार सीटें तृणमूल कांग्रेस के खाते में गई हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा ने अमरवाड़ा सीट कांग्रेस से छीनी है, लेकिन उत्तराखंड में उसे झटका लगा है, जहां कांग्रेस ने दोनों सीटें जीत ली हैं। हिमाचल प्रदेश में तीन सीटों पर हुए उपचुनाव में दो पर कांग्रेस को विजय मिली है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पत्नी कमलेश ठाकुर देवरा सीट से चुनाव जीत गई हैं। चौंकाने वाले नतीजे में बिहार की रुपौली सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी विजयी हुआ है। यहां जदयू दूसरे और राजद तीसरे स्थान पर रहा है। तमिलनाडु में विक्रवंडी सीट पर डीएमके ने जीत हासिल की है। इन सीटों पर 10 जुलाई को मतदान हुआ था।

उत्तराखंड में दो विधानसभा सीटों बदरीनाथ तथा मंगलौर पर उपचुनाव में कांग्रेस की विजय पर शनिवार को चमोली में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जमकर खुशी मनाई। प्रेट्र

शनिवार को आए चुनाव नतीजों ने पंजाब और हिमाचल के मुख्यमंत्रियों को बड़ी राहत दी है। पंजाब में सत्तारूढ़ आप को लोकसभा चुनाव में राज्य में सिर्फ तीन सीटें मिली थीं, जिसके बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान सवालों के घेरे में थे। इसके चालीस दिन बाद उपचुनाव का परिणाम आया तो आप ने सीट पर कब्जा बरकरार रखा। उपचुनाव को मुख्यमंत्री ने प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया था। इसके लिए उन्होंने जालंधर में घर भी किराये पर ले लिया था। जालंधर पश्चिम सीट पर आप प्रत्याशी मोहिंदर भगत को रिकार्ड 37,325 मतों से विजय मिली। कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशियों की जमानतें जब्त होते-होते बची हैं। भाजपा के शीतल अंगुराल को 17,921 व कांग्रेस की सुरिंदर कौर को 16,757 मत मिले। सबसे बुरी स्थिति शिअद की हुई। एक बड़ा धड़ा पार्टी की उम्मीदवार सुरजीत कौर का समर्थन कर रहा था जबकि पार्टी ने अपना समर्थन बसपा के बिंदर कुमार को दे दिया। सुरजीत को 1,242, जबकि बिंदर कुमार को मात्र 734 मत मिले हैं।

हिमाचल में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पत्नी को मिली है जीत पेज>>4

विंबलडन की नई क्वीन बनीं बारबोरा क्रेजीकोवा

लंदन : चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजीकोवा ने इटली की जैस्मीन पाओलिनी को हराकर विंबलडन 2024 का महिला सिंगल्स का खिताब जीता। क्रेजीकोवा ने शनिवार को सेंटर कोर्ट पर तीन घंटे से ज्यादा चले मुकाबले में पाओलिनी को 6-2, 2-6, 6-4 से पराजित कर अपना दूसरा ग्रैंडस्लैम खिताब जीता। क्रेजीकोवा ने इससे पहले 2021 में फ्रेंच ओपन का खिताब अपने नाम किया था। यह लगातार आठवां अवसर है, जब आल इंग्लैंड क्लब को नई महिला चैंपियन मिली है। यह लगातार दूसरा वर्ष है, जब चेक गणराज्य की खिलाड़ी ने महिला सिंगल्स का खिताब अपने नाम किया है। (पेज-12)

बारबोरा क्रेजीकोवा।

ओडिशा के राज्यपाल के बेटे पर मारपीट करने का आरोप

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर

- एएसओ प्रधान ने पुरी थाना और मानवाधिकार आयोग में की शिकायत
- राज्यपाल ने पीड़ित व उनकी पत्नी से मुलाकात कर न्याय का दिया भरोसा

ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास के बेटे ललित कुमार पर ओडिशा सचिवालय में कार्यरत सहायक अनुभाग अधिकारी (एएसओ) बैकुंठनाथ प्रधान ने अपनी पिटाई करने का आरोप लगाया है। प्रधान ने राज्यपाल के प्रधान सचिव को मामले की पूरी जानकारी दी है। साथ ही ओडिशा पुलिस और मानवाधिकार आयोग से भी मामले की शिकायत की। मामला चर्चा में आने के बाद शनिवार को राज्यपाल रघुवर दास ने पीड़ित अधिकारी और उनकी पत्नी से राजभवन में बात कर उन्हें समझाया और उचित कार्रवाई तथा न्याय का आश्वासन दिया। शनिवार शाम को पीड़ित अधिकारी की पत्नी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्यपाल से बात करने के बाद वह संतुष्ट हैं और उन्हें न्याय मिलने का भरोसा है। प्रधान वायुसेना से सेवानिवृत्त हुए हैं और वर्तमान में वह राजभवन के घरेलू अनुभाग में एएसओ के रूप में तैनात हैं। प्रधान की इस शिकायत के बारे में राज्यपाल के बेटे ललित कुमार का पक्ष नहीं मिल सका है। उधर, राज्यपाल के पीआरओ संजीव कुमार बारीक ने कहा है कि उनके पास इस संदर्भ में कोई जानकारी नहीं है।

ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास के पुत्र ललित। फाइल/इंटरनेट मीडिया

प्रधान ने पुलिस और मानवाधिकार आयोग को आनलाइन भेजे गए शिकायत में लिखा है कि सात जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के ओडिशा आगमन और रथयात्रा के दिन ललित दास भी पुरी पहुंचे थे। ललित ने स्टेशन से राजभवन तक आने के लिए लग्जरी गाड़ी के बजाय सामान्य गाड़ी भेजने पर अपने पांच सहयोगियों के साथ मिलकर राजभवन में उन्हें बुरी तरह मारा-पीटा। उन्होंने घटना के दूसरे दिन आठ जुलाई को राज्यपाल के प्रधान सचिव शाश्वत मिश्रा को मौखिक रूप से सूचित किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसके बाद उन्होंने 10 जुलाई को पुरी सी बीच थाना में लिखित शिकायत की। राज्य सचिवालय कर्मचारी संघ ने भी मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से मामले में आपत्ति जताई है।

पारदर्शिता पर पर्दा

10 जुलाई को दोबारा कराई गई एनसीईटी परीक्षा की नहीं दी जानकारी, परीक्षा में गड़बड़ियों के चलते पहले इसे कर दिया गया था रद

एनटीए का बदला रवैया, छुपाने लगी सूचनाएं

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- एनटीए अभी तक प्रत्येक परीक्षा के बाद सार्वजनिक करती थी जानकारी
- जानकारी साझा न करने से परीक्षा को लेकर उठने लगे हैं सवाल

यूजीसी नेट, नीट-यूजी जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सामने आई गड़बड़ियों के बाद विवादों में घिरी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने अपने कामकाज में सुधार व अधिक पारदर्शिता बरतने की जगह अब चीजों को छुपाना शुरू कर दिया है। इसकी शुरुआत 10 जुलाई को शिक्षकों के प्रवेश से जुड़ी परीक्षा एनसीईटी (नेशनल कामन एंट्रेंस टेस्ट) से कर दी है। इस परीक्षा में कितने छात्रों ने हिस्सा लिया, कितने केंद्रों यह परीक्षा आयोजित की गई और ठीक तरीके से संपन्न हुई या फिर कोई गड़बड़ी पाई गई है, जैसी जानकारियां उसकी ओर से नहीं दी गईं।

एनटीए ही राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं आयोजित कराती है। खास बात यह है कि यह वही परीक्षा थी, जो इससे पहले 12 जून को आयोजित की गई थी। इसे बाद में कुछ गड़बड़ियों के चलते रद कर दिया गया था। पूर्व में एनटीए की ओर से आयोजित की जाने वाली सभी परीक्षाओं की जानकारी उसी दिन शाम तक या अगले दिन तक दे दी जाती थी। इस बीच एनटीए की ओर से परीक्षा से जुड़ी जानकारी साझा न करने से परीक्षा को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। एनटीए का यह रवैया तब है, जब परीक्षाओं की गड़बड़ियों के बाद उसके कामकाज में सुधार व पूरी प्रक्रिया को और ज्यादा पारदर्शी बनाने की पहल शुरू की गई है। शिक्षा मंत्रालय ने इसे लेकर एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित है, जिसे दो महीने में इससे जुड़ी रिपोर्ट देनी है। इस बीच सीएसआइआर-यूजीसी नेट 25 से 27 जुलाई को और यूजीसी नेट 21 अगस्त से चार सितंबर के बीच होना प्रस्तावित है।

परीक्षा की पारदर्शिता जरूरी। प्रतीकात्मक

सूत्रों की मानें तो एनटीए के रवैये में यह बदलाव उसकी सोची-समझी रणनीति का हिस्सा हो सकता है, क्योंकि नीट-यूजी मामले में उसे नोटिफिकेशन के आधार पर ही घेरा गया। एनटीए ने अपने नोटिफिकेशन में परिणाम जारी करने की संभावित तिथि 14 जून दी थी जबकि परिमाण चार जून को ही आम चुनावों के परिणामों की गहमा-गहमी के बीच जारी कर दिया था। इसके साथ ही रजिस्ट्रेशन विंडो को बीच में खोलने जैसी जानकारियां उसे कठघरे में खड़ा कर रही हैं। छात्रों ने इसे सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश किया है। यही वजह है कि अब वह ऐसी जानकारियों को देकर फंसना नहीं चाहती है।

दुख में पैरोल दे सकते हैं तो खुशी में क्यों नहीं : बांबे हाई कोर्ट

मुंबई : बांबे हाई कोर्ट ने एक व्यक्ति को पढ़ाई के लिए आस्ट्रेलिया जा रहेउसके बेटे को विदा करने के लिए पैरोल प्रदान की है और साथ ही कहा कि यदि दुख बांटने के लिए पैरोल दी जा सकती है तो खुशी के अवसर पर भी यह मिलनी चाहिए। अदालत ने कहा कि दोषियों को थोड़े समय के लिए सशर्त रिहाई दी जाती है ताकि वे बाहरी दुनिया से संपर्क में रह सकें। (पेज-3)

प्रशिक्षु आइएएस पूजा की मां के खिलाफ एफआइआर

पुणे : महाराष्ट्र की विवादित प्रशिक्षु आइएएस अधिकारी पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर के खिलाफ किसान को पिस्तौल से धमकाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। इंटरनेट मीडिया में वीडियो प्रसारित हो रहा है, जिसमें मनोरमा पिस्तौल लेकर किसानों को धमकाते नजर आ रही हैं। यह वीडियो 2023 का है। (पेज-6)

'गैर मुस्लिम बच्चों को मदरसों में रखना उनके मौलिक अधिकारों का हनन'

जेएनएन, नई दिल्ली

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने कहा है कि मदरसा इस्लामिक मजहबी शिक्षा सिखाने का केंद्र होता है और शिक्षा के अधिकार कानून के दायरे के बाहर होता है। ऐसे में मदरसों में हिंदू व अन्य गैर मुस्लिम बच्चों को रखना न केवल उनके मौलिक अधिकार का हनन है, बल्कि समाज में धार्मिक वैमनस्य फैलने का कारण भी बन सकता है।

एनसीपीसीआर ने सभी राज्य सरकारों से कहा था कि संविधान के अनुरूप मदरसों के हिंदू बच्चों को बुनियादी शिक्षा का अधिकार मिले, इसलिए उन्हें स्कूल में भर्ती करें और मुस्लिम बच्चों को भी धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ शिक्षा का अधिकार देने के लिए प्रबंध करें। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव ने आयोग की इसी अनुशंसा के अनुरूप आदेश जारी किया था। उन्होंने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद नामक इस्लामिक संगठन इस आदेश बारे में झूठी अफवाह फैला कर लोगों को गुमराह कर सरकार के विरुद्ध आमजन की भावनाएं भड़काने का काम कर रहा है। पिछले साल उत्तर प्रदेश के देवबंद से सटे हुए एक गांव में चल रहे एक मदरसे में एक गुमशुदा हिंदू बच्चे की पहचान बदलने और खतना कर धर्मांतरण करने की घटना से सांप्रदायिक सामंजस्य बिगड़ा था। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए भी ये कार्यवाही जरूरी है।

प्रियांक कानूनगो।

एनसीपीसीआर अध्यक्ष बोले- यह धार्मिक वैमनस्य का बन सकता है कारण

****

40 लाख से अधिक आंकड़ा डिजी यात्रा एप का इस्तेमाल कर हवाई यात्रा करने वालों का शनिवार को पार कर गया। डिजी यात्रा के आधिकारिक एक्स एकाउंट से इसकी जानकारी दी गई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 14 जुलाई, 2024

आज का मौसम

सामान्यतया बादल छाए रहेंगे। हल्की वर्षा के आसार हैं। अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
14 जुलाई	34.0	26.0
15 जुलाई	33.0	27.0
नोएडा		
14 जुलाई	34.0	28.0
15 जुलाई	35.0	28.0
गुरुग्राम		
14 जुलाई	37.0	28.0
15 जुलाई	39.0	29.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

जिम मालिक पर फायरिंग कर रंगदारी मांगने वाले गिरफ्तार

नई दिल्ली: बुराड़ी के एक जिम मालिक पर फायरिंग कर रंगदारी की कोशिश में शामिल गिरोह के नाबालिग सहित चार सदस्यों को स्पेशल स्टाफ और बुराड़ी पुलिस थाने की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि जिम के मालिक रोहित गिरि ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कहा कि पांच जून को जिम के बाहर खड़े थे। तभी बाइक पर तीन लोग आए और उनमें से दो ने उनसे रंगदारी के तौर पर 50 लाख रुपये की मांग की। पुलिस और स्पेशल स्टाफ की टीम ने नरेला से नाबालिग सहित चार को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान अलीपुर का निखिल, बागपत का मोहित, बुलंदशहर का रहनेवाला गगनदीप के रूप में हुई। (जासं)

अवैध शराब के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली : अवैध शराब की तस्करी में लिप्त महिला को थाना सिविल लाइंस पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गुरुवार को पुलिस को गश्त के दौरान मजनू का टीला से हाथ में थैला ले जाती महिला पर शक हुआ। उसे रोक कर जांच की तो थैले से अवैध शराब की कुल 55 क्वार्टर बोतलें बरामद की गईं। (जासं)

माल आफ फरीदाबाद में लगी आग, अफरातफरी का माहौल

फरीदाबाद : एनआइटी में डा.मंगल सैन बस पोर्ट में बने माल आफ फरीदाबाद में शनिवार रात को आग लग गई। सप्ताहंत होने और अगले दिन रविवार की छुट्टी का दिन होने के कारण माल में काफी भीड़ थी, इस वजह से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग प्रथम मंजिल पर स्थित गेमिंग जोन के पास लगी। शुरुआत में संयंत्रों के जरिए आग बुझाने के प्रयास शुरू हुए, साथ के साथ दमकल केंद्र को भी सूचित किया गया। (जासं)

थाइलैंड से गैंगस्टर काला खैरमपुरिया गिरफ्तार

कसा शिकंजा ▶ भाऊ के निर्देश पर पिछले साल फर्जी पासपोर्ट के जरिए थाईलैंड गया था राकेश

सोनीपत, दिल्ली व हिसार में फायरिंग की वारदात का मास्टरमाइंड था खैरमपुरिया

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम

एसटीएफ की गिरफ्त में काला खैरमपुरिया। जागरण

हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली पुलिस के लिए सिरदर्द बने गैंगस्टर राकेश उर्फ काला खैरमपुरिया को एसटीएफ हरियाणा की टीम ने शुक्रवार रात दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया। वर्ष 2020 में पैरोल पर बाहर आने के बाद वह फरार हो गया था। फर्जी पासपोर्ट बनवा कर पिछले साल वह थाइलैंड भाग गया था। वहीं से गैंगस्टर हिमांशु उर्फ भाऊ के निर्देश पर गिरोह चला रहा था। सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट पर थाइलैंड की सुरक्षा एजेंसियों के जरिये पहले उसे डिटेन किया गया और हरियाणा पुलिस उसे दिल्ली लाने में कामयाब रही। खैरमपुरिया पर तीनों राज्यों में हत्या, हत्या के प्रयास और रंगदारी मांगने समेत 20 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह हिसार का रहने वाला है। हिसार कोर्ट में पेश कर उसे 10 दिन के रिमांड पर लिया जाएगा।

हरियाणा एसटीएफ के डीआइजी सिमरदीप सिंह ने बताया कि थाइलैंड से पहले खैरमपुरिया दुबई और आर्मेनिया में भी रहा है। वहां से भारत में आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। उसने 2014 में अपराध की दुनिया में कदम रखा था। वर्ष 2015 में राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के भादरा में हत्या के मामले में 2018 में उसे उम्रकैद मिला था। 2020 में पैरोल पर जेल से बाहर आया था और तब से फरार चल रहा था। 2021 में फतेहाबाद जिले के गांव दड़ौली में मास्टर पीके हत्याकांड में उसका नाम सामने आया। इस मामले में उसे भगोड़ा घोषित किया गया था। थाइलैंड में रहते हुए वह निरंतर हिमांशु नीरज फरीदपुरिया के संपर्क था। पिछले वर्ष दिसंबर में सोनीपत में एक गांव के सरपंच की हत्या, जनवरी 2024 में गोहाना में एक मिठाई की दुकान पर गोलीबारी, मुरथल में गुलशन ढाबे पर शराब कारोबारी की दिनदहाड़े हत्या और पिछले महीने राजौरी गार्डन में बर्गर किंग रेस्तरां की आउटलेट में बदमाश अमन की हत्या की साजिश भी खैरमपुरिया ने ही रची थी। रंगदारी न देने पर 24 जून को शूटर आशीष समेत तीन नकाबपोश बदमाशों ने हिसार में महिंद्रा कार शोरूम के बाहर फायरिंग की थी। इस वारदात का मास्टरमाइंड खैरमपुरिया ही था।

इंटरपोल से नोटिस जारी कराया गया : एसटीएफ ने खैरमपुरिया की तलाश शुरू की। उसकी एक फर्जी पहचान का पता लगाया गया। काला ने इसी पहचान के आधार पर पासपोर्ट बनवाया था। थाइलैंड में उसे ट्रेस किया गया। इसके बाद उसके खिलाफ इंटरपोल से नोटिस और अंतरिम गिरफ्तारी वारंट जारी कराया गया।

हिमांशु पर अंकुश लगाने को दिल्ली व हरियाणा पुलिस ने कसी कमर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

पिछले एक वर्ष में दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में रंगदारी मांगने से लेकर हत्या तक कई बड़ी वारदातें करवाने वाले गैंगस्टर हिमांशु उर्फ भाऊ के नेटवर्क तोड़ने के लिए पुलिस जुट गई है। माना जा रहा है कि सोनीपत में मुठभेड़ के दौरान भाऊ गैंग के तीन शूटरों और इससे पहले एक अन्य शूटर के मारे जाने से भाऊ गैंग गैंग को गंभीर क्षति पहुंची है। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों, दिल्ली पुलिस समेत पड़ोसी राज्यों की पुलिस के लिए भाऊ गैंग सिरदर्द बन चुका था, जिस पर पुलिस ने गैंग के सफाए की रणनीति तैयार की है, जिसमें कामयाबी मिलती दिख रही है।

बीते महीनों में भाऊ गैंग के शूटरों ने दिल्ली व हरियाणा में कई बड़े कार डीलरों से करोड़ों की रंगदारी मांगी। न देने पर दिनदहाड़े फायरिंग की। हाल ही में राजौरी गार्डन स्थित बर्गर किंग रेस्तरां की एक आउटलेट में भाऊ के दो गुर्गे ने 30 गोलियां मारकर गैंगस्टर अमन की हत्या कर दहशत फैला दी। इससे पहले इन्हीं शूटरों ने मुरथल में गुलशन ढाबे की

▶ पिछले महीने बाहरी दिल्ली में एक और शुक्रवार रात सोनीपत में तीन शूटर पुलिस ने मार गिराए

गैंगस्टर हिमांशु उर्फ भाऊ

पार्किंग में 28 से अधिक गोलियां मारकर शराब कारोबारी की बेरहमी से हत्या कर दी थी। बर्गर किंग रेस्तरां में हत्या के बाद शूटरों ने हिसार में एक कार शोरूम पर फायरिंग कर दी थी, शोरूम मालिक ने रंगदारी देने से इन्कार कर दिया था।

लगातार वारदात पर दिल्ली पुलिस ने पड़ोसी राज्यों की पुलिस के साथ रणनीति बनाई और भाऊ गैंग पर शिकंजा कसना शुरू किया। पिछले माह बाहरी दिल्ली में पहले भाऊ गैंग के शूटर अजय उर्फ गोली को मार गिराया। क्राइम ब्रांच ने सोनीपत एसटीएफ के साथ शुक्रवार रात भाऊ गैंग के तीन शूटर आशीष उर्फ लालू, विक्की उर्फ छोटा और सनी गुर्जर को सोनीपत में मुठभेड़ के दौरान मार गिराया।

जबरन मतांतरण और पलायन के लिए दबाव बनाने का आरोप

संवाद सहयोगी, जागरण, गाजियाबाद: कोतवाली थाना क्षेत्र लोनी की अमन गार्डन कालोनी में एक महिला ने कालोनी के ही दूसरे समुदाय के लोगों पर जबरन मतांतरण कराने व पलायन के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। महिला का एक वीडियो भी सामने आया है। महिला ने इस संबंध में पुलिस से लिखित में शिकायत नहीं की है। वहीं पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों का पैसे को लेकर विवाद है। शनिवार को पीड़ित महिला के घर विधायक नंदकिशोर गुर्जर पहुंचे व कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया।

एक एक्स अकाउंट से महिला का वीडियो पोस्ट किया गया। इसमें महिला कह रही है कि उनके परिवार पर कालोनी के दूसरे समुदाय के लोग मतांतरण व पलायन का दबाव बना रहे हैं। इससे उनके बच्चे घर से बाहर निकलने से डर रहे हैं। वीडियो देखकर स्थानीय विधायक नंद किशोर गुर्जर शनिवार को महिला के घर पहुंचे। उन्होंने परिवार को सुरक्षा का आश्वासन दिया। इस दौरान पुलिस भी कालोनी में पहुंचीं। वहीं चर्चा है कि कमेटी के रुपयों को लेकर विवाद है। 29 मई को भी विवाद हुआ था। महिला ने मुकदमा दर्ज कराया था।

लोनी के सहायक पुलिस आयुक्त सूर्य बली मौर्य ने कहा कि पूर्व में हुए विवाद में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। अब जो आरोप लगाए गए हैं, इनकी जांच होगी। जांच में जो साक्ष्य आएंगे उस पर कार्रवाई होगी।

जेल में 8.5 किलो वजन कम, केजरीवाल के साथ खेल रही भाजपा : संजय सिंह

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लेकर एक बार फिर से भाजपा शासित केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि गिरफ्तारी के बाद से केजरीवाल का वजन करीब 8.5 किलो घट गया है। वजन का लगातार कम होना गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। 21 मार्च को उनका वजन 70 किलो था। अब यह घटकर 61.5 किलो रह गया है। इस बीच सोने के दौरान पांच बार उनका शुगर लेवल गिरकर 50 तक आ चुका है। अगर सोते समय अचानक शुगर गिरता है, तो व्यक्ति कोमा में जा सकता है।

उन्होंने कहा कि भाजपा केजरीवाल को जेल में रखने के साथ जिंदगी से खिलवाड़ कर रही है। आप को उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सीबीआइ के मामले में भी सीएम केजरीवाल को जल्द राहत मिलेगी। संजय सिंह ने प्रेस वार्ता कर कहा कि हम पहले दिन से कह रहे हैं कि भाजपा का मकसद एक तरफ केजरीवाल को जेल में रखकर उन्हें प्रताड़ित करना है और दूसरी तरफ वे उनकी जिंदगी के साथ खिलवाड़ करना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि उन्हें कोई गंभीर बीमारी हो जाए या जेल में उनका स्वास्थ्य खराब हो जाए।

अरविंद के स्वास्थ्य पर भ्रम फैला रहे संजय : भाजपा

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली : दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि सांसद संजय सिंह ने एक बार फिर से अरविंद केजरीवाल की जेल, जमानत व स्वास्थ्य को लेकर रटारटाया पुराना बयान दोहराया है। केजरीवाल व जनता पर अब आम जनता का विश्वास नहीं रहा। केजरीवाल के "जेल का जवाब वोट से" अभियान को लोगों ने नकार दिया। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने संजय सिंह पर केजरीवाल के स्वास्थ्य को लेकर सनसनी फैलाने का आरोप लगाया। इससे पहले भी आप नेताओं की झूठ पकड़ा गया है।

स्वजन ने कपड़ों से पहचाना, कार में मिला कंकाल विनोद का था

जागरण संवाददाता, बाहरी दिल्ली: मूनक नहर में कार में मिला कंकाल बुध विहार रहने वाले विनोद कुमार का ही था। वे चार साल पहले कोरोना काल के दौरान कार समेत लापता हो गए थे। उनकी पहचान कपड़ों के आधार पर उनके स्वजन ने की। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव स्वजन को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है कि मृतक के स्वजन की संतुष्टि के लिए डीएनए टेस्ट भी कराया जाएगा।

गुरुवार को खेड़ा गांव के पास मूनक नहर में स्विफ्ट डिजायर कार मिली थी। कार में नर कंकाल भी मिला। कार के पंजीकरण नंबर के आधार पर पुलिस स्वजन तक पहुंची। यह कार बुध विहार निवासी विनोद कुमार के नाम पर पंजीकृत पाई गई। स्वजन ने बताया कि विनोद कुमार कार के साथ 30 सितंबर 2020 से गुमशुदा हैं। नहर में कार की बरामदगी के बाद समयपुर बादली थाना पुलिस ने विनोद कुमार के बेटे रवि और भाई सुरेश से बात की और कार में मिली चीजों को दिखाया। कपड़ों के आधार पर स्वजन ने उनकी पहचान की।

एफएसएल में 165 जूनियर साइंटिफिक असिस्टेंट की नियुक्ति को दी मंजूरी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

एलजी वीके सक्सेना ने भर्ती नियमों को अंतिम रूप दिए जाने तक, फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुबंध आधार पर 165 जूनियर साइंटिफिक असिस्टेंट (जेएसए) की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। इन्हें क्राइम सीन पर तैनात किया जाएगा। उन्होंने यह निर्णय हाल में दिल्ली पुलिस व दिल्ली सरकार के गृह विभाग द्वारा, तीन नए कानूनों की तैयारियों और कार्यान्वयन की समीक्षा के बाद लिया है, जिसमें उन्होंने एफएसएल की मजबूती पर जोर दिया था।

एलजी ने एफएसएल को रिक्त पड़े विभिन्न पदों के लिए जल्द से जल्द भर्ती नियमों को अंतिम रूप देने और भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने एफएसएल को भर्ती का विवरण देने और आवश्यक उपकरणों की खरीद व उनकी स्थापना के लिए समयसीमा तय करने को भी कहा। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के लागू होने के साथ, एफएसएल की भूमिका, वैज्ञानिक जांच और साक्ष्यों के विश्लेषण के साथ और भी महत्वपूर्ण हो गई है। सक्सेना ने नवीनतम उपकरणों और ब्लाक चेन टेक्नोलाजी, जिसे अगस्त में एफएसएल में शामिल किया गया था, के अधिग्रहण को भी प्रेरित किया है। एलजी के मार्गदर्शन में एफएसएल रोहिणी में नए आधुनिक बिल्डिंग ब्लाक्स का निर्माण किया गया, जिसका उद्घाटन दिसंबर 2023 में किया गया था। नए कानूनों के लागू होने से योग्य पेशेवरों और मानव संसाधनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। सक्सेना ने एफएसएल में 421 नए पदों के सृजन को भी मंजूरी दी है। ये मौजूदा 346 पदों के अतिरिक्त होंगे। जब तक इन सभी पदों की नियुक्ति नहीं हो जाती है, तब तक अनुबंध के आधार पर 165 जेएसए नियुक्त कर काम कराया जाएगा।

▶ अनुबंध आधार पर होगी नियुक्ति, क्राइम सीन पर किए जाएंगे तैनात

एलजी वीके सक्सेना। फाइल

एफएसएल के विभिन्न कार्यक्षेत्रों में शामिल अधिकारी

केमिकल साइंस	57
बायोलाजिकल साइंस	60
साइबर फोरेंसिक	81
फिजिकल साइंस	42
डाक्यूमेंट एंड साइंटिफिक सपोर्ट	54
एचआरडी/क्वालिटी कंट्रोल	52

युवतियों को नौकरी का झांसा देकर कराते थे न्यूड सेक्स चैट, सात पकड़े

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

▶ शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर सेक्टर तीन का मामला

साहिबाबाद के शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र के राजेंद्रनगर सेक्टर तीन के एक मकान में छापेमारी कर एक युवक व छह युवतियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई युवतियां वीडियो काल पर न्यूड सेक्स चैट करती थीं। सरगना प्रिंटिंग से डिप्लोमा कर चुका है। आनलाइन वेबसाइट पर नौकरी के लिए अप्लाई करने वाली युवतियों व महिलाओं से संपर्क कर नौकरी का झांसा देकर बुलाते थे। फिर उनसे यह काम कराते थे। एक महिला की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की है।

सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पुलिस ने शिकायत पर राजेंद्र नगर सेक्टर तीन के एक मकान में छापा मारा। यहां वीडियो काल पर आनलाइन न्यूड सेक्स चैट हो रहा था। पुलिस ने मौके से सरगना साहिबाबाद के राजबाग के रविंद्र कुमार, एक महिला व पांच युवतियों को गिरफ्तार किया। मौके से चार लैपटाप व मोबाइल बरामद हुए। पकड़ा गया आरोपित रविंद्र प्रिंटिंग से डिप्लोमा कर चुका है। वह आरटीओ में लाइसेंस व वाहनों के दस्तावेज बनवाता था। उसने पुलिस को बताया कि वह जाब की वेबसाइट से युवतियों-महिलाओं का बायोडाटा देख उन्हें काल कर नौकरी के लिए बुलाते थे। युवतियों को फाइनेंस एडवाइजर, लोन के लिए कालिंग करने का झांसा देकर 20 से 25 हजार वेतन पर रखते थे। फिर उनसे उनसे न्यूड सेक्स चैटिंग कराता था।

दो माह से चला रहा था धंधा: पुलिस पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसने अप्रैल में 16 हजार रुपये किराये पर यह मकान लिया था। पूर्व में यहां तीन महिलाएं काम कर रही थीं। ये महिलाएं एक सप्ताह पूर्व आई थीं। लोग लाइव न्यूड सेक्स चैट की वेबसाइट से जुड़ते थे। यह युवतियां चैट करती थीं। पांच से आठ मिनट तक चलने वाली काल के 200 रुपये खाते में आते थे। न्यूड सेक्स चैट करने वाली युवतियां व महिलाओं की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी।

दिल्ली छोड़ने पर भी विचार कर रहे हैं मजनू टीला निवासी हिंदू शरणार्थी

नेमिष हेमंत ● जागरण

नई दिल्ली : मजनू का टीला स्थित कैंप पर शनिवार को डीडीए का बुल्डोजर नहीं चला। हाई कोर्ट द्वारा 12 मार्च को दिए स्टे आर्डर को डीडीए व दिल्ली पुलिस ने मान दिया। हालांकि, दिनभर यहां के निवासी भय के माहौल में रहे। शरणार्थियों की चिंता करने वाले समाजसेवी लोगों का भी आना जाना लगा रहा।

कैंप किनारे एक ओर से यमुना नदी बह रही है, जिसमें बढ़ता जल स्तर भी यहां रहते लोगों को डराए हुए हैं। पिछली बार जब दिल्ली में बाढ़ आई थी तब यह बस्ती भी उजाड़ हो गई थी। अभी वर्षा से गलियो में कीचड़ है। बाढ़ से पहले डीडीए के नोटिस से भूचाल आया हुआ है। हाई कोर्ट का यह राहत भी 10 सितंबर तक के लिए है। फिर उसके बाद क्या, जैसे सवालों से घिरे हिंदू शरणार्थी दूसरे स्थानों का भी विकल्प देख रहे हैं। यह कैंप यमुना के डूब क्षेत्र में बसा हुआ है। जिसे एनजीटी ने हटाने का आदेश दिया है। इस कैंप के मुखिया दयाल दास मायूसी से कहते हैं कि एक तो बुल्डोजर का डर है। दूसरे, हर वर्ष यमुना उजाड़ दे रही है। यहां उन लोगों के आय का साधन भी खास नहीं है। इसलिए वह ऐसे स्थान पर जाना चाहते हैं जहां उन्हें कुछ काम धंधा मिल सके। वह बताते हैं कि यहां बसे अधिकतर हिंदू शरणार्थी पाकिस्तान के सिंध प्रांत के हैदराबाद व कराची शहर के साथ स्थित गांवों से आए हुए हैं जो परंपरागत रूप से वहां खेती आधारित रोजगार से जुड़े हुए थे। लेकिन, दिल्ली में कृषि आधारित रोजगार नहीं है। कई परिवार सड़क किनारे मोबाइल फोन का कवर या पान मसाला बेचकर गुजारा कर रहे हैं। यहां 35 लोगों को भारत की नागरिकता मिल चुकी है। हिंदू शरणार्थी धर्मवीर कहते हैं कि अगर उन्हें ऐसे स्थान पर बसने की अनुमति मिले जहां कृषि आधारित रोजगार हो तो बेहतर रहेगा। उन्हें राजस्थान के हनुमानगढ़, उप्र व उत्तराखंड अच्छा विकल्प है।

▶ राजस्थान, उत्तर प्रदेश या उत्तराखंड में बसने का विकल्प देख रहे

कश्मीरी गेट के समीप मजनू का टीला स्थित बस्ती में बच्चों के साथ हिंदू शरणार्थी महिला दैनिक कार्य में जुटी हुई। चंद्र प्रकाश मिश्र

सड़क पर भरे पानी में उतरे करंट से महिला की मौत

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली

यमुना विहार में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की लापरवाही से एक महिला की जान चली गई। सड़क पर भरे वर्षा के पानी में पैर रखते ही महिला की करंट लगने से मौत हो गई। आरोप है कि घटनास्थल के पास लगे स्ट्रीट लाइट के खंभे से निकले तार से करंट पानी में उतरने के कारण हादसा हुआ। मृतका की पहचान पूनम (34) के रूप में हुई है, वह परिवार के साथ गामड़ी एक्सटेंशन गली नंबर-19 में रहती थीं। पुलिस लापरवाही से मौत के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है।

पूनम के परिवार में पति रविंद्र कुमार और बेटा अर्णब (14) है। पति घर के नीचे ही परचून की दुकान चलाते हैं। बेटा अर्णब मानसिक रूप से कमजोर है, वह सीने में संक्रमण होने पर बुखार के चलते नई दिल्ली के अरुणा आसिफ अली अस्पताल में भर्ती था, शनिवार को उसे सफदरजंग रेफर किया गया। पूनम भी बीमार थी। उनका भी अरुणा आसिफ अली अस्पताल में उपचार चल रहा था। वह अस्पताल से सीधे जांच कराने के लिए यमुना विहार आई थीं। बस से वजीराबाद रोड पर उतर कर वह सर्विस रोड पर पहुंचीं, वहां वर्षा का पानी भरा हुआ था। वह रे नाले पर बने फुटपाथ से एक निजी डाइग्नोस्टिक सेंटर जा रही थीं। प्रत्यक्षदर्शी मोहम्मद साजिद ने बताया कि सुबह करीब 7:30 बजे फुटपाथ से नीचे पानी में पैर रखते ही महिला मुंह के बल सड़क पर गिर गईं। पास में मोरल नर्सिंग होम का एक गार्ड आया, उन्होंने ग्लव्ज और रबड़ के जूते पहनने के बाद महिला को बाहर निकाला। नर्सिंग होम में महिला की जांच की, तो वह मृत थीं।

▶ यमुना विहार में वजीराबाद रोड के किनारे सी-ब्लाक की सर्विस रोड पर हुआ हादसा

पूनम। सौजन्य-स्वजन

बने रोडमैप

आइएमए ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय को लिखा पत्र, आगामी बजट में स्वास्थ्य के लिए की जीडीपी का 2.5 प्रतिशत हिस्सा निर्धारित करने की मांग

जीडीपी में स्वास्थ्य के लिए 5% निर्धारित करने पर जोर

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर स्वास्थ्य का बजट बढ़ाने की मांग की है। एसोसिएशन ने पत्र में देश में स्वास्थ्य के मौजूदा बुनियादी ढांचे को अपर्याप्त बताया है। इस वजह से मरीजों की जेब पर इलाज के खर्च का बोझ अधिक पड़ता है। इसके मद्देनजर एसोसिएशन ने इस माह के अंत में आने वाले केंद्रीय बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए जीडीपी का 2.5 प्रतिशत निर्धारित किए जाने की सिफारिश की है। साथ ही कहा है कि वर्ष 2030 तक इसे बढ़ाकर पांच प्रतिशत किए जाने का रोडमैप बनाया जाना चाहिए, तभी स्वास्थ्य का बुनियादी ढांचा मजबूत होगा और सबको किफायती इलाज की सुविधा काफी हद तक मिल पाएगी।

एसोसिएशन ने लिखा कि मौजूदा समय में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 1.1 प्रतिशत से लेकर 1.6 प्रतिशत के बीच बजट निर्धारित किया जाता है, जो दुनिया में सबसे कम है। मौजूदा समय में देश में एक हजार की आबादी पर सिर्फ 1.7 बेड उपलब्ध हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानक से बहुत कम है। सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं का ढांचा ज्यादा कमजोर है।

मौजूदा समय में 70 प्रतिशत बेड निजी अस्पतालों में उपलब्ध है। ज्यादातर निजी अस्पताल भी 50 बेड तक की क्षमता वाले हैं। देश की मौजूदा आबादी को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अस्पतालों में 24 लाख अतिरिक्त बेड की जरूरत है। इसलिए सरकारी अस्पतालों में खर्च बढ़ाना होगा। साथ ही निजी क्षेत्र के अस्पतालों को भी मदद देनी होगी। इसके अलावा लोगों का हेल्थ बचत खाता शुरू कराया जाना चाहिए और उसे जनधन खाता से भी जोड़ा जाना चाहिए। लोगों को इस बात के लिए प्रेरित करना चाहिए कि वे अपने कमाई का एक छोटा हिस्सा अपने स्वास्थ्य के लिए इस खाते में जमा करें।

केंद्र सरकार इस बचत पर उच्च ब्याज और आयकर में छूट देकर अपनी भागीदारी दे सकती है। इसके अलावा लोगों को इलाज के लिए ब्याज मुक्त क्रेडिट और स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम भुगतान के लिए ब्याज मुक्त कर्ज की व्यवस्था का प्रविधान किया जाना चाहिए। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री- जन आरोग्य योजना में ओपीडी को भी कवर किया जाना चाहिए, ताकि लाभार्थियों को ओपीडी में निश्शुल्क इलाज मिल सके। इससे लोगों का जीवन बेहतर हो सकेगा।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए)। फाइल

दिव्यांगों के जीवन को आसान बनाने वाले शोध को दिया जा रहा बढ़ावा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

सफदरजंग अस्पताल के फिजिकल मेडिकल रिहैबिलिटेशन (पीएमआर) विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में डाक्टरों और विशेषज्ञों ने दिव्यांग के इस्तेमाल में आने वाले सहायक उपकरणों के उपयोग को लेकर चर्चा की। इस दौरान सहायक उपकरणों के विकास के लिए शोध को बढ़ावा देने की भी बात कही गई। इसी क्रम में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के वैज्ञानिक डा. रविंद्र सिंह ने कहा कि सहायक तकनीक में तेजी से हो रही प्रगति से सुगम्यता में सुधार हुआ है। आइसीएमआर में हमारा ध्यान ऐसे शोध को बढ़ावा देने पर है, जो सहायक उपकरणों को दिव्यांग और जरूरतमंद मरीजों के लिए व्यावहारिक और उनके जीवन में दैनिक कामकाज को आसान बनाने में मददगार हो।

वहीं, सफदरजंग अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डा. वंदना तलवार ने कहा कि दुनिया भर में सौ करोड़ लोगों को सहायक उपकरणों की जरूरत है। गैर संचारी बीमारियां बढ़ने के साथ दिव्यांगा की समस्या भी बढ़ रही है। इसके अलावा औसत उम्र बढ़ने के साथ बुजुर्गों की आबादी भी बढ़ रही है। इस वजह से अगले 20-25 वर्षों में सहायक उपकरणों की जरूरत ज्यादा बढ़ जाएगी। इन सहायक उपकरणों में वाकिंग छड़ी से लेकर मस्तिष्क कंप्यूटर इंटरफेस जैसी कोई उच्च तकनीक भी हो सकती है, जो दिव्यांग लोगों के जीवन को आसान बनाने में मददगार साबित होती है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में एक सुगम्यता समिति भी बनाई गई है, जो अस्पताल को दिव्यांगों के अनुकूल सुगम बनाने का काम करेगी।

साक्षी आहूजा की मौत के जिम्मेदार घूम रहे आजाद

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : साक्षी आहूजा...एक साल पहले इनकी मौत सरकारी तंत्र की लापरवाही से हुई थी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर इनको करंट लगा था। साक्षी की मौत से इस तंत्र ने कोई सबक नहीं लिया। तभी तो भजनपुरा में ठीक उसी तरह से पूनम लापरवाही से करंट की चपेट में आकर दुनिया छोड़ गईं। इस घटना के बारे में जब साक्षी के स्वजन को पता चला तो उनकी भी आंखें भर आईं। साक्षी के पति अंकित आहूजा ने दैनिक जागरण से बातचीत में कहा कि सरकारी तंत्र निर्दयी है। उस घटना ने उनका पूरा परिवार उजाड़ दिया। रेलवे के जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही से उनकी पत्नी की मौत हुई, वह आजाद घूम रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह रेलवे से 10 लाख रुपये मुआवजे का प्रस्ताव ठुकरा चुके हैं। वह पत्नी की मौत के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को सलाखों के पीछे देखना चाहते हैं।

****

25 सौ मेगावाट है जम्मू-कश्मीर में इस समय बिजली की मांग। जबकि आपूर्ति 2000 से 2200 मेगावाट ही हो रही है। इसलिए वहां बिजली के मामले में आत्मनिर्भर होना राज्य के लिए है जरूरी।

साल के अंत तक 4जी नेटवर्क से जुड़ जाएंगे सीमावर्ती गांव

गृह मंत्री शाह ने वाइब्रेंट विलेज योजना की प्रगति की समीक्षा की

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

इस साल के अंत तक वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत आने वाले सीमावर्ती गांव 4जी नेटवर्क से जुड़ जाएंगे। इसके साथ ही 136 सीमांत गांवों को आल वेदर रोड से जोड़ने का काम भी तेजी से चल रहा है। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को वाइब्रेंट विलेज योजना की समीक्षा की और सेना और अर्द्धसैनिक बलों की स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नजदीकी गांवों के निवासियों को नियमित रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने सीमावर्ती गांवों के निवासियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और ऐसे दूरदराज के क्षेत्रों से पलायन को रोकने के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

मोदी सरकार ने फरवरी 2023 में वाइब्रेंट विलेज योजना की शुरुआत की थी और प्रथम चरण में 663 सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए 4,800 करोड़ रुपये आवंटित किए थे।

वाइब्रेंट विलेज योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा के दौरान शाह ने कहा कि

- सीमावर्ती क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की जरूरत पर दिया बल

136 सीमांत गांवों को आल वेदर रोड से जोड़ने का तेजी से चल रहा काम

नई दिल्ली में शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वाइब्रेंट विलेज योजना की प्रगति की समीक्षा की। प्रेट्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार देश के सीमांत गांवों के चहुंमुखी विकास के प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने सीमांत गांवों के आस-पास तैनात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और सेना को सहकारिता के माध्यम से स्थानीय कृषि और हस्तशिल्प उत्पादों की खरीद को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के स्वास्थ्य केंद्रों और उनकी सुविधाओं का लाभ नजदीकी गांवों के निवासियों को नियमित रूप से मिलना चाहिए। उन्होंने इन गांवों में सौर ऊर्जा और पवनचक्की जैसे नवीकरणीय ऊर्जा के अन्य स्रोतों के अधिकतम उपयोग की जरूरत बताई। उन्होंने इन गांवों के विकास से संबंधित लंबित मुद्दों के निपटारे के लिए नियमित अंतराल पर उच्चतम स्तर पर समीक्षा पर विशेष जोर दिया।

समीक्षा बैठक के दौरान बताया गया कि इन सभी गांवों में वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं और भारत पोस्ट-पेमेंट बैंकों की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। इन गांवों में जीवंतता लाने और यहां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन सर्किट विकसित करने पर काम किया जा रहा है। इसके लिए पर्यटन से संबंधित बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है।

पीएम ने कहा, तेजी से हो रहे बुनियादी ढांचे के निर्माण से रोजगार में भी वृद्धि

प्रथम पृष्ठ से आगे

भारत में तेजी से हो रहे बुनियादी ढांचे के निर्माण के कारण रोजगार भी तेजी से बढ़ रहा है। खास तौर से मुंबई में बढ़ रहे बुनियादी ढांचे का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां जब अटल सेतु का निर्माण हो रहा था तो कई लोगों ने इसका विरोध किया। इसे लटकाने-भटकाने की कोशिश की। अब, जब यह बनकर तैयार हो गया है, तो रोज इस पर से 20 हजार वाहनों का आवागमन हो रहा है। इससे 20-25 लाख का ईंधन रोज बच रहा है और लोगों का समय भी बच रहा है। शिवसेना (यूबीटी) जैसे विपक्षी दल अक्सर भाजपा पर मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने का आरोप लगाते रहते हैं। इसका उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र के पास गौरवशाली इतिहास है, सशक्त वर्तमान है और समृद्ध भविष्य का सपना भी है। विकसित भारत के निर्माण में महाराष्ट्र की बड़ी भूमिका है, क्योंकि महाराष्ट्र के पास औद्योगिक शक्ति है, कृषि की शक्ति है, वित्तीय केंद्रों की शक्ति है। इन्हीं शक्तियों ने मुंबई को देश का वित्तीय केंद्र बनाया है। अब इसी शक्ति से महाराष्ट्र को दुनिया का बड़ा आर्थिक केंद्र बनाने का मेरा लक्ष्य है। समारोह में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवं दोनों उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं अजीत पवार भी उपस्थित थे।

कोर्ट में हिंदी में हो बहस, आसान बने कानून की पढ़ाई : डा. डीवाई चंद्रचूड़

जागरण संवाददाता, लखनऊ

सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश डा. डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में मामलों की सुनवाई अंग्रेजी में होती है। इसके कारण कई बार लोगों को विषय ही समझ में नहीं आता है, इसलिए कोर्ट में बहस हिंदी में होनी चाहिए। इसके साथ ही कानून की पढ़ाई को भी आसान बनाया जाए। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में विधि विश्वविद्यालयों को हिंदी में भी एलएलबी पाठ्यक्रम शुरू करने चाहिए। क्षेत्रीय भाषाओं के माध्यम से ही कानून को आम जन तक पहुंचाया जा सकता है।

प्रधान न्यायाधीश डा. डीवाई चंद्रचूड़ शनिवार को डा. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षा समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कानून की प्रक्रिया को सरल बनाने पर जोर देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का अनुवाद किया जा रहा है। 1950 से अब तक सुप्रीम कोर्ट के 37 हजार फैसलों का हिंदी अनुवाद किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के रिसर्च विभाग ने 81 विश्वविद्यालयों और कालेजों में एक सर्वे किया, जिसमें पता चला कि आम जनता को अंग्रेजी न समझने की वजह से कई योजनाओं की सही जानकारी नहीं हो पा रही है। इस पर काम करने की जरूरत है, यदि विधि छात्रों को खसरा-खतौनी की जानकारी नहीं होगी तो वह जमीन से जुड़े मामले में लोगों की कैसे मदद कर पाएंगे।

समारोह के विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विधि का शासन ही सुशासन की पहली शर्त है। हर व्यक्ति को न्याय संगत व्यवस्था पसंद है। न्याय सही और समय से हो, इसके लिए न्याय के विशेषज्ञ उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। विधि के शासन के लिए आज देश को जाना जाता है। न्यायिक व्यवस्था पर लोग आंख बंद कर भरोसा करते हैं। कई बार पारिवारिक विवादों में लोग किसी की बात नहीं सुनते, लेकिन वकील जहां कहते हैं, वह साइन कर देते हैं। यह विश्वास ही सबसे बड़ी पूंजी है।

प्रधान न्यायाधीश ने शनिवार को विंध्याचल में मां विंध्यवासिनी का विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। उन्होंने गुड़हल और हरसिंगार के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इसके बाद वह मीरजापुर से शाम को सड़क मार्ग से वाराणसी पहुंचे और काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन किया।

- सीजेआइ ने कानून की पढ़ाई के लिए क्षेत्रीय भाषाओं की वकालत की

लखनऊ में शनिवार को डा. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह का दीप जलाकर शुभारंभ करते सीजेआइ डीवाई चंद्रचूड़। साथ में उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे। जागरण

केरल सरकार कई ऐसे काम करती है जो कानून के मुताबिक नहीं : राज्यपाल

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : केरल के राज्यपाल और सरकार के बीच टकराव बना हुआ है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शनिवार को कहा कि केरल सरकार कई ऐसे काम करती है जो कानून के मुताबिक नहीं होते। दरअसल एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (केटीयू) के कुलपति का चयन करने के लिए कुलाधिपति के नामित व्यक्ति के बिना चयन समिति बनाने को लेकर राज्यपाल नाराज हैं। उन्होंने कहा है कि सरकार पर निर्भर करता है कि वे क्या करना चाहते हैं। वे कई ऐसे काम कर रहे हैं जो कि कानून के मुताबिक नहीं हैं।

कुछ समय से राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों सहित अन्य नियुक्तियों के मुद्दे पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और केरल सरकार पिछले कुछ समय से आमने-सामने हैं। जहां एक ओर राज्यपाल ने सरकार पर विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है, वहीं वाम मोर्चा सरकार ने आरोप लगाया है कि राज्यपाल राज्य में उच्च शिक्षा का भगवाकरण करने के लिए आरएसएस और संघ परिवार के एजेंडे को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं।

2035 तक भारत का अपना स्पेस स्टेशन होगा और 2040 तक चांद पर उतारेगा मनुष्य

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर

इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन (इसरो) के पूर्व निदेशक व भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के बोर्ड आफ गवर्नर्स के चेयरमैन डा. के. सिवन ने कहा कि चंद्रयान की सफलता के बाद स्पेस रिसर्च के क्षेत्र में भारत को सम्मान की दृष्टि से देखा जाने लगा है। इन दिनों इसरो कई बड़े प्रोजेक्ट पर एक साथ काम कर रहा है। इसी कड़ी में अंतरिक्ष में भारत अपना स्पेस स्टेशन बनाने जा रहा है। इस प्रोजेक्ट को 2035 तक पूरा करना है। इसका मुख्य उद्देश्य अंतरिक्ष से जुड़ी जानकारी प्राप्त करना है। प्रोजेक्ट के लिए केंद्रीय स्तरीय समिति बनी है। इसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। इस अति महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के लिए अलग से बजट भी मंजूर किया गया है।

के. सिवन ने कहा कि चंद्रयान-3 ने काम करना शुरू कर दिया है, जो चंद्रमा की सतह से भौतिक वस्तुओं के बारे में जानकारियों को एकत्रित करने में मदद कर रहा है। वहां से कुछ नमूनों को प्राप्त किया है, जो साइंस इंवेस्टिगेशन करने में सहायक होगा। चंद्रमा की सतह पर मिट्टी-पत्थर और पानी व हवा के बारे में पता लगाया जाएगा। 2040 तक भारत ने चंद्रमा पर मनुष्य को भेजने का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा कि सोलर मिशन के रूप में आदित्य एल-1 महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है, जो सूर्य की नजदीकी एक कक्षा से अध्ययन कर जानकारी देगा। वह बताते हैं कि चंद्रयान की सफलता के बाद अंतरिक्ष के जुड़े रहस्यों का पता लगाने के लिए अन्य स्पेस एजेंसी भी इसरो के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जता चुकी है। कई प्रोजेक्ट पर अलग-अलग एजेंसी जुड़ी भी हैं।

इसरो के पूर्व निदेशक के. सिवन ने कहा कि आइआइटी-इंदौर से मेरे जुड़ने से पहले ही संस्थान ने स्पेस साइंस में कई अच्छे प्रोग्राम चला रखे हैं। चंद्रयान की मदद से मिलने वाली जानकारी भी संस्थान में शोध करने वाले विद्यार्थियों के साथ साझा की जा रही है। कुछ नए प्रोग्राम दोनों संस्थान मिलकर डिजाइन कर रहे हैं, जिससे एस्ट्रोनामी-एस्ट्रोफिजिक्स स्पेस इंजीनियरिंग करने वाले विद्यार्थियों को शोध करने में आसानी होगी। चंद्रमा की सतह पर मिट्टी-पत्थर के बारे में डाटा देंगे।

- आइआइटी इंदौर के दीक्षा समारोह में आए इसरो के पूर्व निदेशक के. सिवन ने प्रोजेक्ट की दी जानकारी

इसरो के पूर्व निदेशक के. सिवन। नईदुनिया

सभी मेडिकल कालेजों को तंबाकू निषेध केंद्र स्थापित करने का निर्देश

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने देशभर के मेडिकल कालेजों को तंबाकू उन्मूलन केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया है। तंबाकू के प्रतिकूल प्रभावों से निपटने और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एनएमसी ने यह निर्देश दिया है।

शुक्रवार को जारी एनएमसी के सर्कुलर में कहा गया है कि इस पहल का उद्देश्य तंबाकू की लत छुड़वाने के लिए विशेष सेवाओं को एकीकृत करके स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। सर्कुलर में प्रत्येक मेडिकल कालेज से जुड़े सभी अस्पतालों में तंबाकू मुक्ति केंद्र की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। यह मनोचिकित्सा विभाग और/या अन्य विभागों द्वारा संचालित विशेष क्लीनिक हो सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि भारत में तंबाकू का प्रयोग करने वालों की संख्या विश्व में दूसरे नंबर पर है। हर साल कम से कम 12 लाख लोगों की मौत तंबाकू जनित बीमारियों से होती है। भारत में लगभग 27% कैंसर तंबाकू के कारण होते हैं। तंबाकू से होने वाली बीमारियों पर एक लाख 82 हजार करोड़ रुपये खर्च होते हैं।

दुख में पैरोल दे सकते हैं तो खुशी में क्यों नहीं : बांबे हाई कोर्ट

मुंबई, प्रेट्र : बांबे हाई कोर्ट ने एक व्यक्ति को पढ़ाई के लिए आस्ट्रेलिया जा रहे उसके बेटे को विदा करने के लिए पैरोल प्रदान की और कहा कि यदि दुख बांटने के लिए पैरोल दी जा सकती है तो खुशी के अवसर पर भी यह मिलनी चाहिए।

जस्टिस भारती डांगरे और जस्टिस मंजूषा देशपांडे की पीठ ने नौ जुलाई के अपने आदेश में कहा कि पैरोल और फरलो के प्रविधानों को समय-समय पर दोषियों के प्रति मानवतावादी दृष्टिकोण के रूप में देखा गया है। कोर्ट हत्या के अपराध में उम्रकैद की सजा काट रहे विवेक श्रीवास्तव नामक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। उसने आस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालय में अपने बेटे की शिक्षा के लिए ट्यूशन फीस और अन्य खर्चों का प्रबंध करने तथा उसे विदा करने के लिए पैरोल मांगी थी।

अभियोजन पक्ष ने इसका विरोध करते हुए दावा किया कि पैरोल आम तौर पर आपात स्थितियों में दी जाती है और शिक्षा के लिए पैसे का इंतजाम करना व बेटे को विदा करना ऐसे आधार नहीं हैं जिन पर पैरोल दी जाए। हाई कोर्ट ने कहा कि वह अभियोजन पक्ष के इस तर्क को समझने में विफल रहा। कोर्ट ने कहा- 'दुख एक भावना है, खुशी भी एक भावना है और अगर दुख साझा करने के लिए पैरोल दी जा सकती है तो खुशी के मौके या पल को साझा करने के लिए क्यों नहीं।' कोर्ट ने कहा कि हमें यह भी लगता है कि यह खुशी का क्षण है, जब उसका बेटा अपने पिता की शुभकामना के साथ विदाई का हकदार है और हम नहीं चाहते कि उसे इस क्षण से दूर रखा जाए जो एक पिता होने के नाते उसके लिए गर्व की बात है।

- उम्रकैद की सजा काट रहे व्यक्ति को आस्ट्रेलिया पढ़ने जा रहे बेटे को विदा करने के लिए दी 10 दिन की पैरोल
- अभियोजन पक्ष के विरोध पर कोर्ट ने कहा- खुशी के मौके पर भी दी जा सकती है पैरोल

बांबे हाई कोर्ट ने दी अहम व्यवस्था। फाइल

रोजगार का अधिकार संविधान के तहत मौलिक अधिकार नहीं : कोर्ट

विधि संवाददाता, जागरण ● शिमला

रोजगार का अधिकार भारतीय संविधान के तहत मौलिक अधिकार नहीं है। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने असिस्टेंट लाइब्रेरियन के 771 पद जूनियर असिस्टेंट आफिसर (लाइब्रेरियन) के पद में बदलने के विरुद्ध दायर याचिका खारिज कर दी है। राज्यपाल की ओर से विवेकाधिकार का उपयोग कर 31 अगस्त, 2020 को जारी अधिसूचना के तहत यह बदलाव किया गया था। इस अधिसूचना के तहत ही असिस्टेंट लाइब्रेरियन के 252 पदों को डाइंग कैडर घोषित किया गया है। प्रार्थियों ने इस अधिसूचना को निरस्त करने की गुहार लगाई थी।

न्यायाधीश अजय मोहन गोयल ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि रोजगार का अधिकार भारत के संविधान के तहत मौलिक अधिकार नहीं है। सिर्फ इसलिए कि याचिकाकर्ताओं के पास लाइब्रेरी साइंस में डिप्लोमा और डिग्री है, यह उन्हें उस पद पर नियुक्त होने का कोई अपरिहार्य अधिकार नहीं देता है, जिसमें उनकी शैक्षणिक योग्यता शामिल है। कोर्ट ने फैसले में कहा कि यह स्थापित कानून है कि राज्यपाल के विवेकाधिकार की न्यायिक समीक्षा नहीं की जा सकती। उनके विवेकाधिकार के पीछे के कारणों की समीक्षा ही न्यायालयों द्वारा की जा सकती है। प्रार्थियों के अनुसार उन्होंने लाइब्रेरी साइंस में डिप्लोमा और डिग्री करने के बाद खुद को रोजगार के लिए रोजगार कार्यालय में पंजीकृत किया था। उम्मीद थी कि वे एक दिन बैचवाइज भर्ती में असिस्टेंट लाइब्रेरियन नियुक्त होंगे। सरकार ने 2020 में न केवल इन पदों को जूनियर असिस्टेंट आफिसर (लाइब्रेरियन) में बदला बल्कि 252 पदों को डाइंग कैडर भी घोषित कर दिया। सरकार के इस फैसले से उनके द्वारा प्राप्त योग्यता का भी कोई मतलब नहीं रह गया। कोर्ट ने याचिका दायर करने पर प्रश्न उठाते हुए कहा कि वे न तो उक्त पदों के लिए आवेदनकर्ता हैं और न ही उनकी किसी नौकरी को उक्त अधिसूचना से कोई खतरा है, इसलिए वे केवल अपनी शैक्षणिक योग्यता का हवाला देते हुए सरकार के नीतिगत फैसले को चुनौती देने का हक नहीं रखते।

भारत में होगा मीडिया और मनोरजन के क्षेत्र में पहला वैश्विक सम्मेलन

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत नवंबर में गोवा में भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के साथ-साथ पहले 'विश्व दृश्य, श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन' का भी आयोजन करेगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने का वादा किया है।

वैष्णव और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने 20 से 24 नवंबर तक गोवा में पहले 'विश्व दृश्य, श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन' (वेव्स) आयोजित किए जाने की घोषणा की और इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी पहल बताया, क्योंकि भारत मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में अपनी पहचान बनाना चाहता है।

सावंत ने कहा कि वेव्स मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में उद्योग सहयोग, नेटवर्किंग और विकास की दिशा में एक नया आयाम जोड़ेगा। सावंत ने कहा कि भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 20-28 नवंबर को गोवा में आयोजित किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में अब गांव-गांव में पैदा होगी बिजली

जागरण संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने गांव-गांव में बिजली उत्पादन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रदेश में बहने वाली नदियों की छोटी-बड़ी नहरों के साथ लगते गांवों में सूक्ष्म व लघु पनबिजली परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। अच्छी बात यह है कि इन परियोजनाओं को स्थापित करने के लिए प्रशासन को सिंधु जल संधि का पालन भी नहीं करना है। अगले तीन से पांच वर्ष में इन परियोजनाओं को पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बिजली की साल दर साल बढ़ती मांग जम्मू-कश्मीर प्रशासन के लिए चिंता का विषय बन गई है। मांग और आपूर्ति में बढ़ते अंतर की वजह से लोगों को गर्मी हो या सर्दी बेहतर बिजली सप्लाई नहीं मिल पा रही है। मौजूदा हालात यह है कि जम्मू-कश्मीर में बिजली की मांग 2500 मेगावाट के करीब पहुंच गई है जबकि आपूर्ति 2000 से 2200 मेगावाट ही हो रही है। प्रदेश को बिजली उत्पादन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र के सहयोग से चिनाब वैली में पक्कलडुल, किरू, कवार, रत्तले आदि जैसी बड़ी परियोजनाओं पर काम चल रहा है। उम्मीद है कि अगले दो वर्षों में प्रदेश की बिजली उत्पादन क्षमता में तीन हजार मेगावाट से अधिक वृद्धि होगी।

इन सूक्ष्म पनबिजली परियोजनाओं पर चल रहा काम : जम्मू-कश्मीर ऊर्जा विकास एजेंसी (जेएकेडीए) की देखरेख में इन परियोजनाओं पर काम चल रहा है। काफी हद तक सूक्ष्म व लघु परियोजनाओं को स्वतंत्र विद्युत उत्पादक (आइपीपी) के तौर दे दिया गया है। इनमें अनंतनाग में बनाई जा रही 1.65 मेगावाट क्षमता वाली दादीबल कपरान, तीन मेगावाट दादीपोरा दकसुम, गांदरबल में बनाई जा रही दो मेगावाट वाली पहलनार नारांग, 8.50 मेगावाट लशपत्थरी-1, 1.95 मेगावाट बासमई, दो मेगावाट हंग, नौ मेगावाट लशपत्थरी-2 व पांच मेगावाट वाली रायल-2 शामिल हैं। इसके अलावा रामबन में बनाई जा रही 1.75 मेगावाट की लंका, 1.50 मेगावाट की कावना, 1.25 मेगावाट की बुजला और किश्तवाड़ में बनाई जा रही 5.00 मेगावाट काजी हंसल, दो मेगावाट वाली कनूर के अलावा छह मेगावाट क्षमता वाली दूधपत्थरी (बड़गाम), 4.40 मेगावाट वाला नीरू (डोडा), 3.40 मेगावाट की लाम (पुलवामा), 5.50 मेगावाट चंदनवाड़ी, 3.50 मेगावाट की लंगई (अनंतनाग), 2.40 मेगावाट की ब्रह्मगाला (पुंछ) शामिल हैं। इसके अलावा कुछ अन्य परियोजनाएं भी हैं। इन सबकी कुल उत्पादन क्षमता 96.55 मेगावाट के करीब है।

10 लघु पनबिजली परियोजनाओं के लिए टेंडर आमंत्रित : जेएकेडीए जम्मू संभाग व कश्मीर संभाग में करीब 10 लघु पनबिजली परियोजनाओं को स्थापित करने जा रहा है। ये परियोजनाएं भी आइपीपी मोड पर दी जा रही हैं और इसके लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। कुल 67.10 मेगावाट क्षमता वाली इन परियोजनाओं में 10 मेगावाट की सिगदी (किश्तवाड़), 10 मेगावाट राजगढ़-1 (रामबन), 9.40 मेगावाट की चिकरी (पुंछ), 3.60 मेगावाट की डीडीकुचन (कुलगाम), 4.20 मेगावाट की थिमरन (अनंतनाग), पांच मेगावाट की मतिगावरन, 3.40 मेगावाट की लिंबर, 9 मेगावाट की सुरेंद्र (बांडीपोरा), 6.50 मेगावाट की अबोमल (पुलवामा) और 6 मेगावाट की सुखनाग (बड़गाम) शामिल है।

- प्रदेश की छोटी नदियों व नहरों पर सूक्ष्म व लघु पनबिजली परियोजनाएं स्थापित करने की तैयारी
- अगले तीन से पांच साल में सूक्ष्म परियोजनाओं के जरिये पैदा होगी 96 मेगावाट बिजली
- 67 मेगावाट कुल क्षमता के साथ 10 लघु पनबिजली परियोजनाएं लगाने की भी योजना

प्रतीकात्मक

उत्तराखंड

विशेषज्ञ समिति ने किया है जनसांख्यिकीय परिवर्तन का उल्लेख

पहाड़ों से पलायन और मैदानों में जनसंख्या वृद्धि का किया है उल्लेख, जनसंख्या नियंत्रण और सख्त भू-कानून को लेकर उठते स्वरों को भविष्य में इस रिपोर्ट से मिल सकता है विशेष बल

रविंद्र बड़थ्वाल ● जागरण

देहरादूनः जनसंख्या नियंत्रण का विषय भले ही उत्तराखंड के लिए बनाई गई समान नागरिक संहिता की सीमा से बाहर रखा गया हो, लेकिन संहिता का ड्राफ्ट तैयार करने वाली विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट में प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों से हो रहे पलायन और मैदानी क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय में आए परिवर्तन का उल्लेख किया है। यद्यपि रिपोर्ट में यह उल्लेख उत्तराखंड के सामान्य परिचय के संदर्भ के रूप में सीमित है, लेकिन यही संकेत भविष्य में जनसंख्या नियंत्रण और नए भू-कानून को लेकर उठने वाले स्वरों को बल देने के तौर पर देखा जा रहा है।

समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञ समिति को जिन बिंदुओं पर काम करने का दायित्व दिया गया था, उनमें जनसंख्या नियंत्रण को लिया ही नहीं गया। इसी कारण समिति ने भी समान नागरिक संहिता को कानून बनाने के संबंध में तैयार किए गए ड्राफ्ट में इस बिंदु को नहीं लिया। ध्यान देने योग्य यह भी है कि समान नागरिक संहिता की आवश्यकता के लिए जिन विषयों को केंद्र में रखकर चर्चा आगे बढ़ी, उनमें उत्तराखंड राज्य बनने के बाद इस क्षेत्र में तेजी से जनसांख्यिकीय परिवर्तन प्रमुख रूप से सम्मिलित रहा है। विशेषज्ञ समिति ने अपने ड्राफ्ट में इस विषय से दूरी बनाए रखी। यह अलग बात है कि समिति ने समान नागरिक संहिता के समर्थन को पुष्ट करने वाली अवधारणाओं से संबंधित अपनी रिपोर्ट के खंड-एक के अध्याय-दो में उत्तराखंड के बारे में दिए गए सामान्य परिचय में जनसांख्यिकीय और उसमें तेजी से हो रहे परिवर्तन का विशेष उल्लेख किया है।

पहाड़ों से पलायन तेज, मैदानों में जनसंख्या वृद्धि दर 30 प्रतिशत : समिति ने वर्ष 2011 की जनगणना का हवाला देते हुए वर्ष 2001 से लेकर वर्ष 2011 में पर्वतीय क्षेत्रों से तेजी से पलायन और मैदानी शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या में 30.23 प्रतिशत की वृद्धि दर को रेखांकित किया है। इसी अवधि में दो पर्वतीय जिलों अल्मोड़ा और पौड़ी में जनसंख्या दर में तेजी से कमी आई है। रिपोर्ट में उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्रों से सटे हुए उत्तर प्रदेश के इलाकों से पलायन का भी उल्लेख किया गया है। जनसंख्या के आंकड़ों के अनुसार हिंदुओं की 83 प्रतिशत, मुस्लिमों की 13.9 प्रतिशत, सिखों की 2.3 प्रतिशत, ईसाइयों की 0.4 प्रतिशत और बुद्धिस्ट की 0.1 प्रतिशत आबादी है।

प्रतीकात्मक

पड़ोसी प्रदेश से आने वालों की बढ़ रही संख्या

विशेषज्ञ समिति ने राज्य में भीतरी और बाहरी क्षेत्रों से हो रहे पलायन और जनसंख्या वृद्धि दर के लिए प्रदेश की तेज आर्थिक विकास दर को बड़ा कारक माना है। पलायन आयोग के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि वर्ष 2018 से वर्ष 2022 के बीच राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों से 3.3 लाख व्यक्तियों का पलायन हुआ। वर्ष 2008 से वर्ष 2018 के बीच यानी 10 वर्ष की अवधि में 5.2 लाख व्यक्तियों ने पलायन किया। अल्प अवधि के पलायन ने अब स्थायी रूप ले लिया है। परिणामस्वरूप पर्वतीय क्षेत्रों के 1792 गांव घोस्ट विलेज में परिवर्तित हो चुके हैं। इनमें से अधिकतर गांव अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के समीप हैं, जो राष्ट्र की सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील हैं। निर्वाचन आयोग की मतदाता सूचियों का उल्लेख करते हुए मैदानी क्षेत्रों के मतदाताओं की संख्या में 30 प्रतिशत की वृद्धि का जिक्र भी विशेषज्ञ समिति ने किया है।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

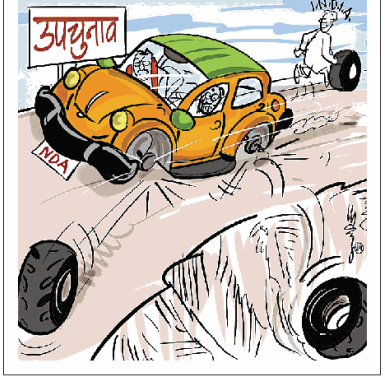

****

10 विधानसभा सीटों पर चुनाव होना है उत्तर प्रदेश में। उपचुनाव में जीतने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने दावा किया कि आइएनडीआइए उत्तर प्रदेश में होने वाले चुनाव में भी जीत हासिल करेगी। वहीं भाजपा ने भी 10 सीटों पर जीत का दावा किया।

उपचुनाव के नतीजे ▸ हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भाजपा से सीधी लड़ाई में कांग्रेस को मिली कामयाबी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण

आइएनडीआइए को मिली ऊर्जा का बजट सत्र में दिखेगा असर

संजय मिश्र ● जागरण

नई दिल्ली: लोकसभा चुनाव में मजबूत विपक्ष के रूप में उभरे आइएनडीआइए को सात राज्यों के उपचुनाव में मिली बड़ी कामयाबी ने राजनीतिक दमखम दिखाने का एक और मौका दे दिया है। 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में 10 सीटों पर जीत से आइएनडीआइए को नई ऊर्जा मिली है। इसका असर बजट सत्र के दौरान दिखना लगभग तय है। हाल में संपन्न आम चुनाव के बाद लोकसभा का पहला सत्र भी हंगामेदार रहा था। अब माना जा रहा है कि बजट सत्र में भी विपक्ष आक्रामक तेवर दिखाएगा। लोकसभा चुनाव में फैजाबाद-अयोध्या सीट के बाद उत्तराखंड की बदरीनाथ विधानसभा सीट पर भाजपा की हार से विपक्ष को उस पर हमले के लिए नई उर्जा मिली है। विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों ने उपचुनाव में जहां अपने गढ़ को बचाए रखा, वहीं कुछ राज्यों में भाजपा-राजग को झटका भी दिया है।

कांग्रेस के लिए उपचुनाव के नतीजे विशेष रूप से राजनीतिक उम्मीद जगाने वाले हैं। दो पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड में जहां उसका भाजपा से सीधा मुकाबला है, वहां पार्टी ने दमदार प्रदर्शन किया है। हिमाचल की तीनों सीटें निर्दलीयों के पास थीं, जिनमें से दो सीटें कांग्रेस ने छीन ली है। उत्तराखंड में भी पार्टी ने बदरीनाथ की प्रतिष्ठित सीट समेत दोनों सीटें जीती हैं। लोकसभा चुनाव में अयोध्या के बाद अब बदरीनाथ विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की शिकस्त ने कांग्रेस को उस पर हमले का एक और मौका दे दिया है। उपचुनाव नतीजे कांग्रेस के लिए इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण हैं कि अभी हुए लोकसभा चुनाव में इन दोनों सूबों की नौ लोकसभा सीटों पर उसका सफाया हो गया था।

18वीं लोकसभा में उभरे मजबूत विपक्ष की झलक पहले सत्र में ही दिख गई थी। राष्ट्रपति अभिभाषण पर बहस और पीएम मोदी के इस पर जवाब के दौरान भी सरकार और विपक्ष के आक्रामक तेवरों ने दोनों खेमों के बीच कड़वाहट की बुनियाद रख दी थी। उपचुनाव परिणामों के बाद विपक्ष का हौसला अब ज्यादा बुलंद रहेगा। ऐसे में 22 जुलाई से शुरू हो रहे बजट सत्र में इसका असर दिखना तय है। उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भी बंगाल की चारों सीटें जीतकर सियासी दबदबा बनाए रखने का संदेश दिया है। ममता ने आइएनडीआइए के भीतर भी स्थिति को और मजबूती दी है। पंजाब की जालंधर सीट पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा उम्मीदवार को हराकर जहां सूबे में अपनी सत्ता का इकबाल कायम रहने का संदेश दिया है, वहीं तमिलनाडु की एक सीट पर द्रमुक ने जीत दर्ज की।

भगत को मंत्री बनाने का वादा पूरा करेंगे भगवंत मान ?

इन्द्रप्रीत सिंह ● जागरण

- वादा पूरा करने के लिए अनुसूचित जाति के एक मंत्री को हटाना होगा
- कैबिनेट में प्रथा अनुसार अनुसूचित जाति के पहले से ही हैं चार मंत्री
- कैबिनेट में खाली पदों में से मिली जगह तो जालंधर से हो जाएंगे दो मंत्री

पंजाब

चंडीगढ़ : आम आदमी पार्टी के मोहिंदर भगत की जालंधर पश्चिम से रिकार्ड तोड़ मतों से जीत के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी की केंद्रीय लीडरशिप पर उन्हें मंत्री बनाने का दबाव बढ़ सकता है। चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जालंधर पश्चिमी के मतदाताओं से उन्हें विजयी बनाने की अपील की थी और वादा किया था कि आप उन्हें विधायक बना दीजिए, मंत्री मैं बना दूंगा। अब भगत को मंत्री बनाया जाएगा कि नहीं.. यह बड़ा सवाल सरकार के सामने खड़ा हो गया है।

इस समय कैबिनेट में तीन मंत्रियों के पद खाली हैं लेकिन अनुसूचित जाति का कोटा भरा है। अभी तक प्रथा रही है कि अनुसूचित जाति से चार विधायकों को मंत्री बनाया जाता है। इस समय वित्तमंत्री हरपाल चीमा, डा. बलजीत कौर, लालचंद कटारूचक और स्थानीय निकाय मंत्री बलकार सिंह अनुसूचित जाति वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ऐसे में भगत को मंत्री बनाने के लिए कैबिनेट के किसी एक अनुसूचित जाति के मंत्री को हटाना पड़ेगा।

जालंधर पश्चिम क्षेत्र से उपचुनाव जीतने के बाद आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार मोहिंदर भगत। प्रेट्र

आपसी गुटबाजी से डूबी शिअद की नैया

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की आपसी गुटबाजी ने उपचुनाव में पार्टी की नैया डुबो दी। महज 40 दिनों के बीच दूसरी बार शिरोमणि अकाली दल के प्रत्याशी सुरजीत कौर की जमानत जब्त हुई है। इससे पहले कांग्रेस से शिअद में शामिल हुए पूर्व सांसद मोहिंदर सिंह केपी भी जमानत नहीं बचा सके थे। चुनाव प्रचार तक दो गुटों में बंटी पार्टी द्वारा बीबी सुरजीत कौर से समर्थन वापस लेते हुए नामांकन वापस लेने का दबाव तक बनाया गया।

पत्नी की जीत से और सशक्त हुए सुक्खू

- हमीरपुर में कांग्रेस प्रत्याशी को हार झेलनी पड़ी
- नालागढ़ में बड़ा उलटफेर करते हुए कांग्रेस के प्रत्याशी को जीत मिली ह

देहरा सीट से जीत के बाद कांग्रेस उम्मीदवार कमलेश ठाकुर 'प्रमाण पत्र' प्राप्त करते हुए। कमलेश ठाकुर मुख्यमंत्री सुक्खू की पत्नी हैं। प्रेट्र

जागरण संवाददाता, शिमला

हिमाचल प्रदेश

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू विधानसभा के तीन उपचुनाव में मिली जीत के बाद और सशक्त हुए हैं। क्योंकि उनकी पत्नी कमलेश ठाकुर देहरा से प्रत्याशी थीं, यह उनकी प्रतिष्ठा का सवाल था। चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर मुख्यमंत्री ने खुद को साबित किया है। 27 फरवरी को हुए राज्यसभा चुनाव के साथ ही आए राजनीतिक संकट से उन्होंने न केवल सरकार को बचाया अपितु पार्टी को भी और मजबूती दिलाई है। देहरा में कांग्रेस ने न केवल पहली बार जीत दर्ज कर खाता खोला है, बल्कि मुख्यमंत्री कांगड़ा में मजबूत भी हुए हैं। देहरा जिला कांगड़ा का उपमंडल है जबकि इसका संसदीय क्षेत्र हमीरपुर है। हालांकि मुख्यमंत्री के गृह जिला हमीरपुर में कांग्रेस प्रत्याशी को हार झेलनी पड़ी है, लेकिन यहां भी कांग्रेस ने काफी अच्छी चुनावी टक्कर दी है। जिस तरह की टक्कर कांग्रेस ने हमीरपुर में भी भाजपा को दी है, इससे भाजपा को 1571 मतों से मिली जीत के बावजूद आत्ममंथन जरूर करना होगा।

मध्य प्रदेश में छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा के उपचुनाव में शनिवार को जीत के बाद बधाई स्वीकार करते भाजपा के कमलेश शाह। नईदुनिया।

कांटे की टक्कर में भाजपा ने छीनी अमरवाड़ा सीट, 12 राउंड में आगे रही कांग्रेस

मध्य प्रदेश

राब्यू, नईदुनिया ● भोपालः लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में कांग्रेस के सफाए के बाद कमल नाथ के गढ़ छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा सीट को उपचुनाव में भाजपा आसान मान रही थी, पर जीतने में पार्टी को पसीना आ गया। पहले पांच को छोड़कर 17वें राउंड तक कांग्रेस प्रत्याशी धीरन शा इनवाती आगे चल रहे थे। अंतिम चार चरणों में भाजपा के कमलेश शाह ने निर्णायक बढ़त बनाई। कुल 20 में से 12 राउंड में कांग्रेस आगे रही। अंततः कमलेश शाह 3027 मतों से विजयी घोषित किए गए। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रत्याशी देवीराम भलावी 28,723 वोट ले गए। इसे भी कांग्रेस की हार का बड़ा कारण माना जा रहा है। 2023 के विधानसभा चुनाव में भलावी को 18,231 मत मिले थे।

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव यहां तीन बार प्रचार के लिए पहुंचे। मंत्री संपतिया उइके ने डेरा डाला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, संगठन महामंत्री हितानंद ने भी ताकत लगाई।

बंगाल के नदिया जिले में रानाघाट दक्षिण विधानसभा सीट पर उपचुनाव में शनिवार को तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी मुकुट मणि अधिकारी की विजय के बाद खुशी मनाते समर्थक। प्रेट्र

उत्तराखंड की बदरीनाथ से पाला बदल नेताओं को खरा संदेश

राज्य ब्यूरो, जागरण ● देहरादून

उत्तराखंड

विधानसभा की बदरीनाथ सीट के उपचुनाव के परिणाम ने पाला बदल करने वाले नेताओं को खरा संदेश दिया है। मतदाताओं ने इसी सीट से वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर जीते पूर्व मंत्री राजेंद्र भंडारी को उपचुनाव में नकार दिया। भंडारी लोकसभा चुनाव से ऐन पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। इसे अति आत्मविश्वास कहें या कुछ और, लेकिन यह सही है कि भाजपा नेतृत्व मतदाताओं के मन की थाह नहीं ले पाया। विधानसभा चुनाव में अपने मतव्यवहार के अनुरूप यहां की जनता ने उपचुनाव में भी यह सीट कांग्रेस के पास बरकरार रखी।

मार्च के दूसरे पखवाड़े में बदरीनाथ सीट से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भंडारी ने भाजपा का दामन थाम लिया था।

हरिद्वार की मंगलौर सीट में भाजपा हारी, लेकिन राजनीतिक धरातल मजबूत

राज्य ब्यूरो, जागरण ● देहरादून: विधानसभा की मंगलौर सीट राज्य की उन सीटों में शामिल हैं, जिस पर भाजपा कभी खाता नहीं खोल पाई है। इस बार मंगलौर सीट के उपचुनाव में इतिहास रचने के उद्देश्य से भाजपा ने कड़ी मेहनत की। यह पहली बार हुआ है, जब कांटे के मुकाबले में भाजपा यहां दूसरे स्थान पर रही। यानी, पार्टी को हार अवश्य मिली, लेकिन भविष्य के लिए उसने राजनीतिक धरातल को मजबूत किया है। 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को यहां 21.4 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे, जबकि इस उपचुनाव में उसका मत प्रतिशत बढ़कर 37.4 पहुंच गया। वहीं, कांग्रेस ने एकजुट प्रयासों से सवा दो साल बाद फिर से यहां जीत दर्ज की। मंगलौर विधानसभा क्षेत्र के सामाजिक ताने-बाने को देखें तो यहां 55 प्रतिशत मुस्लिम और 45 प्रतिशत हिंदू हैं।

बीमा के बारे में नीतीश की भविष्यवाणी हुई सच, कलाधर की हार ने संदेश भी दिया

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

- मुख्यमंत्री का भावनात्मक भाषण नहीं डाल सका असर, महागठबंधन की उम्मीदों पर भी फिरा पानी

बीमा भारती। फाइल

रूपौली विधानसभा उप चुनाव का शनिवार को आए परिणाम से जदयू से अलग होकर बीमा भारती के न जीतने की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भविष्यवाणी सही हुई। लेकिन, राजग के सभी घटक दलों के बड़े-बड़े नेताओं के जुटान के बावजूद जदयू उम्मीदवार कलाधर मंडल की हार ने कुछ बड़ा संदेश भी दिया। कलाधर की जीत के लिए वोट की अपील करने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी गए थे।

भावनात्मक भाषण दिया कि उन्होंने बीमा को बहुत इज्जत दी थी। लेकिन, वह छोड़कर चली गईं। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, चिराग पासवान, जीतनराम मांझी, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, सरकार के मंत्री विजय कुमार चौधरी, श्रवण कुमार, अशोक चौधरी, लेशी सिंह, नीरज कुमार बब्लू, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंह सहित दर्जनों नेता रूपौली पहुंचे थे। फिर भी जदयू की जीत नहीं हो सकी।

बीमा भारती तीन बार जदयू टिकट पर जीती थीं। जदयू के लिए यह लगातार जीतने वाली सीट रही है। इसी साल फरवरी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब विश्वास मत हासिल कर रहे थे, राजद ने राजग के दर्जन भर विधायकों को विश्वासमत के विरुद्ध मतदान के लिए राजी कर लिया था।

उनमें बीमा भी थीं। योजना की जानकारी राजग के नेतृत्व को लगी तो बचाव के उपाय किए गए। राजग के बदले राजद और कांग्रेस के विधायक टूटकर सत्ता पक्ष में बैठ गए। लेकिन, बीमा अंततः जदयू से अलग हो गईं। उसी समय मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह जदयू के वोट से जीतकर आईं हैं और दल से अलग होकर चुनाव नहीं जीत सकती हैं। बीमा राजद के टिकट पर पूर्णिया से लोकसभा का चुनाव लड़ीं। तीसरे नंबर पर रहीं। रूपौली विधानसभा उप चुनाव में भी उन्हें यही दर्जा हासिल हुआ।

विपक्ष का भी बड़ा जमावड़ा

रूपौली उप चुनाव में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने लोस में नए बने राजद संसदीय दल के नेता अभय कुशवाहा को रूपौली में इस लक्ष्य के साथ लांच किया था कि कुशवाहा वोटर राजद उम्मीदवार के पक्ष में जमकर मतदान करेंगे। मुकेश सहनी भी डटे थे। लोकसभा चुनाव में निर्दलीय की हैसियत से बीमा भारती की जमानत जब्त कराने वाले पप्पू यादव उप चुनाव में उनके लिए (बीमा भारती) वोट मांग रहे थे।

हिमाचल में मुख्यमंत्री सुखविंदर की पत्नी को भी मिली है जीत

प्रथम पृष्ठ से आगे

हिमाचल प्रदेश में तीन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे के कारण हुए उपचुनाव में दो सीटों पर कांग्रेस व एक पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। देहरा क्षेत्र में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पत्नी और कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश ठाकुर ने भाजपा के होशियार सिंह को 9,399 मतों से पराजित किया।

नालागढ़ में कांग्रेस के हरदीप सिंह बावा ने भाजपा के केएल ठाकुर को 8,990 मतों से हराया। हमीरपुर में भाजपा के आशीष शर्मा ने कांग्रेस के डा. पुष्पेंद्र वर्मा को 1,571 वोटों से पराजित किया। त्यागपत्र देने वाले तीनों निर्दलीय विधायक भाजपा से प्रत्याशी थे। अब 68 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस की 40 सीटें हो गई हैं। भाजपा की तीन सीटें बढ़कर 28 हो गई हैं।

भाजपा शासित उत्तराखंड में बदरीनाथ सीट पर कांग्रेस के लखपत सिंह बुटोला ने भाजपा के राजेंद्र सिंह भंडारी को 5224 मतों से पराजित किया। हरिद्वार की मंगलौर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी काजी निजामुद्दीन ने भाजपा के करतार सिंह भड़ाना को कड़े मुकाबले में 422 मतों से हराया। काजी को 31727, भड़ाना को 31305 व बसपा के उबेदुर रहमान को 19559 मत मिले। बदरीनाथ सीट पर कांग्रेस विधायक रहे भंडारी के इस्तीफे और मंगलौर में बसपा विधायक हाजी सरबत करीम अंसारी के निधन के कारण उपचुनाव हुआ।

पुडुचेरी विधानसभा में डीएमके नेता आर. शिवा पुडुचेरी में विक्रवंडी विधानसभा सीट उपचुनाव में पार्टी की जीत के बाद जनता को मिठाई खिलाते हैं। प्रेट्र

लोस चुनाव में रहा विदेशी ताकतों का दखल : शिवराज

जागरण संवाददाता, जयपुरः केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि लोकसभा चुनाव में विदेशी ताकतों का दखल रहा है। यह सच है कि हमारे विरोधियों में विदेशी ताकतें भी शामिल है, जो चाहती है कि देश में भाजपा की सरकार नहीं रहे। उन्होंने यह बातें शनिवार को जयपुर में भाजपा कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहीं।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि विदेश में बैठे कुछ लोगों के हित मोदी सरकार की नीतियों के चलते प्रभावित हो रहे थे। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि अंग्रेजों को भारतीयों को दंड देना था, इसलिए वो भारतीय दंड संहिता लेकर आए। पीएम नरेन्द्र मोदी को भारत के नागरिकों को न्याय देना था, इसलिए वो भारतीय न्याय संहिता लेकर आए। सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि देश में 50-60 सीट कम आईं इसकी हमें पीड़ा है लेकिन हम आत्मचिंतन करते हुए इसका ठीकरा दूसरे पर फोड़ने लगते हैं। हमें यह सोचना होगा कि जब हम किसी पर अंगुली उठाते हैं तो शेष चार अंगुलियां हमारी ओर होती हैं।

मुलाकात...

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना सोरेन के साथ शनिवार को नई दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से भेंट की। उन्होंने सुनीता केजरीवाल से भी मुलाकात की। एएनआइ

लखनऊ में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक आज, जेपी नड्डा होंगे शामिल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ

- भूपेन्द्र चौधरी ने कार्य समिति के प्रस्तावों को दिया अंतिम रूप
- लोस चुनाव के बाद हो रही इस बैठक में तय होगी आगामी कार्ययोजना

जेपी नड्डा। फाइल

भाजपा की एक दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति बैठक रविवार 14 जुलाई को डा. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय लखनऊ में होगी। इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल होंगे। लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद होने वाली यह बैठक कई मायनों में अहम होगी। इसमें आगामी कार्ययोजना व अभियानों को भी हरी झंडी दी जाएगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मुद्दे को आगे बढ़ाने वाले कार्यक्रमों को भी अंतिम रूप दिया जा सकता है।

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक से पहले शनिवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी व प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने प्रदेश पदाधिकारियों के साथ डा.लोहिया विधि विश्वविद्यालय में बैठक कर रविवार को प्रस्तुत किए जाने वाले प्रस्तावों व अन्य विषयों को अंतिम रूप दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष के उद्बोधन के बाद प्रदेश महामंत्री (संगठन) आगामी कार्यक्रमों व अभियानों को प्रस्तुत करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश कार्यसमिति बैठक संगठनात्मक कार्ययोजना को पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व नेताओं के समक्ष प्रस्तुतीकरण का माध्यम है। बैठक में जो कार्यक्रम व अभियान तय होंगे उसे प्रदेश, क्षेत्र, जिला, मंडल व बूथ स्तर पर चलाया जाएगा। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक सहित अन्य प्रमुख नेताओं का उद्बोधन होगा। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार देश की सत्ता सौंपने को लेकर प्रदेशवासियों का आभार जताया जाएगा। सूत्रों के अनुसार प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव की रणनीति को भी अंतिम रूप दिया जा सकता है।

कार्यसमिति की बैठक के लिए शहर को भाजपा के झंडों से सजाया गया है। बैठक में उत्तर प्रदेश से केंद्रीय पदाधिकारी, प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश से केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य व राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, आमंत्रित सदस्य, स्थायी आमंत्रित सदस्य, लोस व राज्यसभा सदस्य, विधायक, एमएलसी, क्षेत्रीय अध्यक्ष, सहित अन्य प्रमुख नेता शामिल होंगे।

हार के बाद सांगठनिक ढांचे में बदलाव पर विचार कर रही माकपा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : पिछले लोकसभा (लोस) चुनाव में बंगाल में एक और बुरी हार के बाद माकपा यहां अपने सांगठनिक ढांचे में बदलाव करने पर विचार कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अगस्त के तीसरे सप्ताह नदिया जिले के कल्याणी में होने वाली पार्टी की राज्य कमेटी की विस्तारित बैठक में सांगठनिक ढांचे में बदलाव पर विस्तार से चर्चा की जाएगी और वहीं इस पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। पार्टी में 2017 से पहले की तरह लोकल व जोनल कमेटियों का गठन किया जा सकता है। मालूम हो कि अत्यधिक कमेटियों को अनावश्यक मानते हुए उन्हें भंग कर दिया गया था। माकपा के राज्य नेताओं का एक बड़ा वर्ग सांगठनिक ढांचे में बदलाव चाहता है। पार्टी के उत्तर व दक्षिण 24 परगना जिले के नेता लोकल व जोनल कमेटियों के फिर से गठन के पक्ष में हैं। उन्होंने इसका मसौदा भी तैयार कर लिया है, जिसे वे राज्य कमेटी की विस्तारित बैठक में पेश करने वाले हैं।

****

चुनाव की तैयारी : जम्मू-कश्मीर में हुर्रियत नेताओं के मुख्यधारा से जुड़ने के संकेत

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

- मीरवाइज व बिलाल की जनता दल युनाइटेड के साथ बैठकों से गर्माई राजनीति
- जमात-ए-इस्लामी भी विधानसभा के चुनावी मैदान में उतरने पर कर सकती है विचार

जम्मू कश्मीर

जम्मू कश्मीर में चुनाव की तैयारियों के बीच हुर्रियत नेताओं के मुख्यधारा से जुड़ने के संकेत मिलने से प्रदेश की राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। आल पार्टी हुर्रियत कान्फ्रेंस के चेयरमैन मीरवाइज मौलवी उमर फारूक और हुर्रियत कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य बिलाल गनी लोन की जनता दल युनाइटेड (जदयू) के प्रदेशाध्यक्ष जीएम शाहीन के साथ बैठकें हुई हैं। कहा जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में कई पुराने अलगाववादी प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से अहम भूमिका निभाने जा रहे हैं। कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद की जननी प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी के कई नेता पहले ही कह चुके हैं कि प्रतिबंध हटाने की स्थिति में जमात-ए-इस्लामी भी चुनावी मैदान में उतरने पर विचार कर सकती है।

जम्मू-कश्मीर की स्थानीय चुनावी राजनीति में जदयू का कोई खास प्रभाव नहीं है, लेकिन जीएम शाहीन कश्मीर संबंधी ट्रैक-2 डिप्लोमेसी से जुड़ रहे हैं। बिलाल गनी लोन से उन्होंने बीती शाम मुलाकात की है। इससे एक दिन पहले वह मीरवाइज मौलवी उमर फारूक से मिले थे। दोनों की मुलकात की जीएम शाहीन ने पुष्टि करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई है। कश्मीर मामलों के जानकार रमीज मखदूमी ने कहा कि यह सिर्फ चाय तक सीमित नहीं है। जीएम शाहीन के बारे में यहां सभी जानते हैं।

विधानसभा चुनाव कराने के लिए बने माहौल में यह मुलाकात आप हल्के में नहीं ले सकते। जमात-ए-इस्लामी पहले ही सशर्त चुनाव लड़ने की इच्छा जता चुकी है। जमात के नेता कह चुके हैं कि प्रतिबंध हटाने की स्थिति में चुनाव लड़ने पर विचार किया जाएगा। बिलाल गनी लोन ने करीब दो वर्ष से खुद को अलगाववादी राजनीति से दूर रखा हुआ है। वह हुर्रियत की कार्यकारी परिषद के सदस्य थे। वह सज्जाद गनी लोन के भाई हैं। बिलाल के बारे में कहा जाता है कि वह बेटी को राजनीति में लाने के मूड में हैं। मीरवाइज उमर फारूक श्रीनगर में विशेषकर डाउन टाउन में किसी भी प्रत्याशी का चुनाव भाग्य बदल सकते हैं। नेकां, पीडीपी में कई ऐसे नेता हैं जो किसी तरह से मीरवाइज से संबंधित हैं।

अखिलेश बताएं, क्या अराजकता का हिस्सा थे मुलायम : भाजपा

संजय राऊत की टिप्पणी पर भाजपा ने आइएनडीआइए सहयोगियों से पूछा प्रश्न

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

केंद्र सरकार द्वारा आपातकाल की बरसी 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाए जाने के निर्णय को लेकर विपक्ष की तीखी प्रतिक्रिया का भाजपा ने भी करारा जवाब दिया है। नेहरू शासनकाल से लेकर अब तक की कई घटनाओं को गिनाते हुए बताया कि कांग्रेस जब-जब सत्ता में आई, तो उसने संविधान की हत्या कैसे की। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डा. सुधांशु त्रिवेदी ने न सिर्फ इस संबंध में कांग्रेस से सवाल पूछे, बल्कि शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राऊत की टिप्पणी को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव से भी पूछा कि क्या उनके पिता मुलायम सिंह यादव अराजकता का हिस्सा थे?

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि हमारी सरकार ने जब से संविधान हत्या दिवस मनाने का निर्णय लिया है, तो संविधान की रक्षा का स्वांग रचने वाले बहुरूपियों के हृदय में बड़ी वेदना शुरू हो गई है। वे कह रहे हैं कि 50 साल पुरानी बात की आवश्यकता क्यों है? हालांकि, ये लोग खुद सीधे 80-85 साल पीछे जाकर यह बात करने लगते हैं कि आजादी की लड़ाई में उनका कापीराइट था। उन्होंने परिभाषित किया कि संविधान की हत्या क्या होती है। कहा कि आपातकाल में देश के सभी नागरिकों के मूल अधिकारों

▸ **सुधांशु त्रिवेदी ने कई घटनाओं को गिनाते हुए बताया कि कांग्रेस कैसे करती रही संविधान की हत्या**

सुधांशु त्रिवेदी। फाइल

को समाप्त कर दिया गया था। पुलिस के पकड़ने पर कोई भी व्यक्ति अदालत नहीं जा सकता था। अगर कोई व्यक्ति यह कह दे कि 'इंदिरा गांधी की सरकार हटानी है' तो इस बात पर उसे जेल में डाला जा सकता था। आपातकाल में पूरा विपक्ष जेल में था। करीब डेढ़ लाख आम जनता 18 महीने जेल में रही। 38वां और 39वां संविधान संशोधन करके सरकार के किसी भी निर्णय पर न्यायिक समीक्षा का अधिकार समाप्त कर दिया गया था।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, संविधान की प्रस्तावना को बदल दिया गया और सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्दों को जोड़ दिया गया। एक नेता को देश के ऊपर कर दिया गया। 'इंदिरा इज इंडिया' का नारा दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सात तरीके से संविधान की हत्या की। हमें जवाब चाहिए कि इजरायल-हमास युद्ध पर प्रस्ताव पारित करने वाली कांग्रेस वार्किंग कमेटी ने आज तक इस कृत्य पर कोई प्रस्ताव क्यों पारित नहीं किया? सुधांशु त्रिवेदी ने याद दिलाया कि कैसे इंदिरा गांधी को चुनाव में धांधली का आरोपित पाया गया। फिर उन्होंने आपातकाल लगाया।

इसे कांग्रेस की पारंपरिक मानसिकता बताते हुए भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि जवाहरलाल नेहरू सरकार में पहला संविधान संशोधन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने के लिए किया गया था। 1980 में सत्ता में वापसी के बाद इंदिरा गांधी ने राज्यों में विपक्ष की सभी सरकारों को बर्खास्त कर दिया था। वहीं, अराजकता के कारण आपातकाल लगाए जाने के संजय राऊत के बयान पर भाजपा सांसद ने कहा कि आइएनडीआइए वाले बताएं कि जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में हो रहा वह पवित्र आंदोलन अराजकता थी? लालू प्रसाद यादव, अखिलेश यादव बताएं कि क्या मुलायम सिंह यादव अराजकता का हिस्सा थे। उन्होंने कटाक्ष किया कि कांग्रेस के ये सहयोगी सत्ता लोलुपता में आज अपने ऊपर अराजकता का स्टांप लगवाने के लिए भी तैयार हैं।

'कुछ लोग अराजकता फैलाना चाहते थे, इसलिए लगा आपातकाल'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने खुलकर आपातकाल का समर्थन करते हुए कहा है कि उस समय कुछ लोग देश में अराजकता फैलाना चाहते थे। इसलिए आपातकाल लगाना पड़ा। राउत ने कहा कि 50 साल हो चुके हैं और लोग यह भूल चुके हैं कि आपातकाल क्यों लगाया गया था। उस समय कुछ लोग देश में अराजकता फैलाना चाहते थे। दिल्ली के रामलीला मैदान से खुला एलान किया गया। हमारे जवानों और सेना को कहा गया कि सरकार के आदेश का पालन न करें। ऐसी स्थिति में अगर अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री होते तो वह भी ऐसा ही करते। राउत ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को आपातकाल के बारे में कुछ नहीं पता है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला था। कुछ लोग देश में बम बना रहे थे और जगह-जगह बम फोड़ रहे थे। राउत ने अपनी पार्टी की पुरानी नीति की भी याद दिलाते हुए कहा कि शिवसेना नेता बालासाहब ठाकरे ने 1975 में आपातकाल का खुलकर समर्थन किया था। उन्होंने आपातकाल का समर्थन इसलिए किया, क्योंकि उन्हें लगा कि देश में अराजकता को नियंत्रित किए जाने की जरूरत है। इसमें क्या गलत था? आरएसएस के प्रमुख बालासाहब देवरस ने भी समर्थन किया था।

संजय राउत। फाइल

संविधान हत्या दिवस मनाना नकारात्मक राजनीति : प्रियंका

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि जिन लोगों ने संविधान का विरोध किया और इसे खत्म करने का आह्वान किया, वे 'संविधान हत्या दिवस' मनाने की नकारात्मक राजनीति में लिप्त होंगे। प्रियंका ने कहा कि भारत के महान लोगों ने ऐतिहासिक लड़ाई लड़कर आजादी और अपना संविधान हासिल किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, जिन लोगों ने संविधान बनाया और जिनकी संविधान में आस्था है, वे ही संविधान की रक्षा करेंगे।

अग्निवीर पर चिंताएं, सरकार कर रही इधर-उधर की बात : मायावती

राब्यू, जागरण ● लखनऊ : बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने शनिवार को सेना की अग्निवीर भर्ती मामले में भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने इंटरनेट मीडिया एक्स पर लिखा कि 'सेना में अग्निवीर के रूप में अल्पकालीन व अस्थायी भर्ती का मामला जन व देशहित से जुड़ा ऐसा मुद्दा है जिस पर लोगों की चिंताएं बरकरार हैं, किंतु सरकार महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी आदि जैसी राष्ट्रीय समस्याओं की तरह इस मामले में भी केवल इधर-उधर की बात कर रही है, जो क्या उचित?'

मायावती।

बसपा प्रमुख ने केंद्र सरकार को इस मसले पर ध्यान देने की सलाह देते हुए आगे लिखा कि 'पूर्व अग्निवीरों को आरक्षण देने की तैयारी में केंद्रीय सुरक्षा बल, यह मीडिया में नया सरकारी बयान है किंतु यह ऐसी नई बात नहीं है जो पहले नहीं कही गई जिसे लोगों ने स्वीकार कर लिया हो। सेना में भर्ती सिर्फ नौकरी नहीं बल्कि जज्बा व सम्मान से जुड़ा है जिस पर सरकार जरूर ध्यान दे।'

वेणुगोपाल ने मोदी सरकार पर लगाया फोन हैकिंग का आरोप

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के आरोपों के साथ ही स्पाइवेयर के जरिए फोन हैक कर जासूसी कराने का विवाद एक बार फिर सियासत को गरमा सकता है। वेणुगोपाल ने शनिवार को मोदी सरकार पर स्पाइवेयर के जरिए उनके फोन को निशाना बनाने का आरोप लगाया। साथ ही इस तरह के प्रयासों के खिलाफ विपक्ष के आक्रामक रुख का साफ संदेश देते हुए कहा कि हम इस घोर असंवैधानिक कृत्य और निजता के उल्लंघन का विरोध करेंगे।

एपल की ओर से आए संदेश को कांग्रेस नेता ने इंटरनेट मीडिया पर किया साझा

कांग्रेस नेता ने उनके आईफोन पर एपल की ओर से आए चेतावनी संदेश का स्क्रीनशाट एक्स पर साझा करते हुए सरकार पर निशाना साधा। इस संदेश में कहा गया था कि 'आपको एक भाड़े के स्पाइवेयर हमले का निशाना बनाया जा रहा है जो आपके एपल आइडी से जुड़े आईफोन को दूर से ही हैक करने की कोशिश कर रहा है।' वेणुगोपाल ने अपने आईफोन को निशाना बनाए जाने को लेकर पोस्ट में पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि मेरे फोन पर भी अपना पसंदीदा दुर्भावनापूर्ण स्पाइवेयर भेजने के लिए धन्यवाद। एपल ने मुझे आपके इस विशेष उपहार के बारे में सूचित करने की कृपा की है। वेणुगोपाल ने कहा कि इससे स्पष्ट है कि मोदी सरकार असंवैधानिक तरीके से काम कर रही है। राजनीतिक विरोधियों पर हमला कर रही है और ऐसे कृत्यों के जरिए उनकी निजता का उल्लंघन कर रही है।

नीट यूजी पेपर लीक मामले में गंगाधर गुंडे को जमानत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : नीट-यूजी पेपर लीक मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोपित गंगाधर गुंडे को जमानत दे दी। विशेष न्यायाधीश अंकित सिंगला ने मामले में सीबीआइ और आरोपित के अधिवक्ता की दलीलें सुनने के बाद आरोपित को 25 हजार रुपये के जमानत बांड और इतनी ही राशि के एक जमानती पर जमानत दे दी। आरोपित के अधिवक्ता ने दावा किया कि लातूर से जुड़े नीट पेपर मामले में सीबीआइ ने गलत पहचान के कारण उसे गिरफ्तार किया था। अधिवक्ता ने जमानत याचिका पर दलील दी कि आरोपित वह व्यक्ति नहीं है, जिसकी सीबीआइ तलाश कर रही थी। अधिवक्ता ने कहा कि जांच के दौरान गंगाधर गुंडे का नाम सामने आया, क्योंकि वह दो अक्टूबर को संजय तुकाराम जाधव नाम के एक व्यक्ति से मिला था। गंगाधर गुंडे ने अपनी बेटी के ससुराल में वैवाहिक विवाद के सिलसिले में उस्मानाबाद में उससे मुलाकात की थी। वहां गुंडे और जाधव ने अपने मोबाइल नंबर एक-दूसरे से साझा किए थे।

सीबीआइ ने आरोपितों को आमने-सामने बिठाकर की पूछताछ

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआइ) की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। कोर्ट की अनुमति के बाद बेउर जेल में बंद रहे 13 आरोपितों को सीबीआइ ने 15 दिनों की रिमांड पर लिया है। सूत्रों के अनुसार, शनिवार को सीबीआइ ने आरोपितों को आमने-सामने बिठाकर करीब आठ घंटे तक पूछताछ की। उनसे पूरे घटनाक्रम की फिर से जानकारी ली गयी।

पांच मई को पेपर लीक की घटना के बाद बाद ही इन्हें गिरफ्तार किया गया था। इनमें नीतीश कुमार, अखिलेश कुमार, सिकंदर प्रसाद यादवेन्दु, आयुष कुमार, बिट्टू कुमार, अमित आनंद, आशुतोष कुमार, रोशन कुमार, अनुराग यादव, अभिषेक कुमार, अवधेश कुमार, शिवनंदन कुमार और रीना कुमारी शामिल हैं। शनिवार सुबह सीबीआइ के अधिकारी पटना स्थित केंद्रीय कारा, बेउर पहुंचे और सभी 13 आरोपितों को अपने साथ सीबीआइ कार्यालय ले आए। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई की पूछताछ में इन सभी ने स्वीकार किया था कि उनको वाट्सएप से साल्वड आंसर शीट मिली थी, जिसके आधार पर परीक्षार्थियों को परीक्षा से पहले उत्तर रटवाए गए थे। सीबीआइ ने उनके बयान का सत्यापन करने के लिए क्रास सवाल भी किए। आरोपितों से मास्टरमाइंड संजीव मुखिया की भूमिका के बारे में भी पूछताछ की गई। संजीव मुखिया फिलहाल जेल से बाहर है। ईओयू की पड़ताल में पता चला था कि सिपाही और शिक्षक भर्ती परीक्षा की तर्ज पर संजीव मुखिया ने ही नीट-यूजी का प्रश्न पत्र लीक करने की साजिश रची थी। पूछताछ आगे भी जारी रहेगी।

नीट-यूजी पेपर लीक

▸ **बेउर जेल में बंद 13 आरोपितों को लिया 15 दिनों की रिमांड पर**

आयकरदाता खा गए अरबों का मुफ्त राशन

पवन मिश्र ● जागरण

गोंडा : लोगों के लालच ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में भी सेंध लगा दी। आयकरदाता चार वर्ष से दस जिलों के हजारों गरीबों के राशन पर डाका डालते रहे। इस प्रकरण की जानकारी पर प्रदेश सरकार के सख्त कदम उठाने के बाद खाद्य एवं रसद विभाग ने जांच करवाई। धांधली सामने आने पर अब जिलेवार अपात्रों की सूची भेजकर जिलापूर्ति अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पूर्ति विभाग ने भी राशनकार्ड निरस्त करने की कार्यवाही शुरू कर दी है।

अकेले गोंडा जिले में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 7866 आयकरदाता प्रतिमाह 63.63 लाख रुपये का राशन मुफ्त ले रहे हैं। चार वर्षों में आयकरदाता एक ही जिले में 30.54 करोड़ रुपये का राशन मुफ्त खा गए। गोंडा ही नहीं अयोध्या, हरदोई, बाराबंकी, बहराइच तथा सुलतानपुर समेत लगभग हर जिले में हजारों लोग इसका अनुचित फायदा लेते पाए गए हैं। सरकार की ओर से जिला पूर्ति अधिकारी को इसकी सूची आने के बाद विभाग के साथ ही कार्डधारकों में हलचल है। जिला पूर्ति अधिकारी गोंडा, कृष्ण गोपाल पांडेय ने बताया कि आयुक्त खाद्य एवं रसद विभाग ने अपात्र राशनकार्ड धारकों की सूची विभाग पोर्टल पर भेजी है, जिसमें 7866 आयकरदाता भी शामिल हैं। अपात्रों के राशनकार्ड को निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

कोरोना संक्रमण के दौरान घर लौट रहे प्रवासियों व जरूरतमंदों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार ने जून 2020 से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू की थी। इसके तहत गृहस्थी राशन कार्ड के प्रत्येक सदस्य को पांच किलो गेहूं या चावल मुफ्त देने की व्यवस्था की गई। औसतन एक राशनकार्ड में कम से पांच सदस्यों को सरकार हर माह करीब 809 रुपये का अनाज मुफ्त देती है। इसमें भी अपात्रों ने सरकारी सिस्टम की लापरवाही से सेंध लगा ली। आयकर देने वाले राशनकार्ड बनवाकर चार वर्ष से लगातार मुफ्त राशन ले रहे हैं। आयुक्त खाद्य एवं रसद विभाग ने दो माह पहले आधार सीडिंग के बाद आयकर, कृषि व अन्य विभागों से योजना का लाभ लेने वाले लाभार्थियों की सूची मांगी थी। आधार से मिलान के बाद आयकरदाता व अन्य योजनाओं का लाभ लेने के साथ ही मुफ्त राशन लेने वालों की पुष्टि हुई है। आयकरदाताओं की सूची मिलने के बाद भले ही विभाग ने उनके राशनकार्ड को निरस्त करने की तैयारी शुरू कर दी हो, लेकिन राशनकार्ड बनवाने की प्रक्रिया व पात्रों के चयन पर भी सवाल खड़ा हो रहा है।

▸ **गरीबों का राशन लेने वाले लाखों मिले आयकरदाता**

▸ **शासन की सख्ती और जांच के बाद पकड़ी गई धांधली**

प्रतीकात्मक

कहां कितने आयकरदाता ले रहे मुफ्त राशन

सुलतानपुर	9500
बलरामपुर	728
लखीमपुर	5024
अंबेडकरनगर	5600
बहराइच	3878
अयोध्या	11000
बाराबंकी	10,500
श्रावस्ती	979
हरदोई	5500
सीतापुर	5424

अमृतसर से हावड़ा जा रही हावड़ा मेल में हुआ शार्ट सर्किट, चेन खींचकर कूद गए यात्री

जागरण संवाददाता, अमृतसर

पंजाब के अमृतसर से हावड़ा जा रही हावड़ा मेल (13006) ट्रेन के जनरल डिब्बे में शनिवार शाम जौड़ा फाटक के पास अचानक शाट सर्किट से निकलीं चिंगारियों से धुआं फैलने से यात्रियों में दहशत फैल गई। यात्रियों ने चेन खींच ट्रेन को रुकवाया और वे ट्रेन से कूदने लगे। इसी अफरा-तफरी में एक महिला की जहां टांग टूट गई वहीं, कुछ यात्रियों को मामूली चोटें भी आईं है। घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

ट्रेन में रखे अग्निशमन यंत्र से आग पर काबू पाने के बाद ट्रेन को रवाना कर दिया गया। ट्रेन में आग लगने से दहशत में आए कुछ यात्रियों ने अपनी यात्रा को ही रद कर दिया। घायल महिला शांति देवी का कहना था कि उन्हें लखनऊ जाना था। मगर ट्रेन में आग की सूचना पर कई यात्रियों ने तो चलती ट्रेन से ही छलांग लगा दी। इसी बीच एक यात्री ने ट्रेन की चेन खींच कर उसे रुकवाया। ट्रेन के रुकते ही यात्री अचानक से दरवाजे की तरफ भागे। उन्होंने भी ट्रेन से छलांग लगा दी और ट्रैक पर गिरने से उनकी टांग टूट गई।

ट्रेन को आग लगने की घटना के बाद, ट्रेन से छलांग लगाने से ट्रैक पर गिर घायल हुई महिला यात्री को उठाकर ले जाते हुए क्षेत्रवासी। राघव शिकारपुरिया

'आतंक को लाभ पहुंचाने वाली गतिविधियां समाप्त करने को क्या किया'

जागरण संवाददाता, कठुआ : प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री व स्थानीय सांसद डा.जितेंद्र सिंह ने जम्मू संभाग में बढ़ते आतंकवाद को बड़ा षड्यंत्र बताया। उन्होंने कहा कि हमें आतंक को लाभ पहुंचाने वाली अवैध गतिविधियों को समाप्त करने के लिए आत्मनिरीक्षण करना होगा। शनिवार को कठुआ में लगे जनता दरबार के बाद पत्रकारों से डा. जितेंद्र ने बिलावर के बदनोता में सेना पर जवानों पर हुए हमले की निंदा कर कहा कि इसके लिए सरकार नई रणनीति लागू कर रही है जिसमें कठुआ में एक सप्ताह के भीतर शांति बहाल करने के लिए ऊंचाई वाले इलाकों में सेना की तैनाती शामिल है। उन्होंने कहा कि जम्मू क्षेत्र में हाल ही में की आतंकी घटनाएं निंदनीय हैं। बार-बार यह कहना कि पाकिस्तान ने ऐसा किया है, पर्याप्त नहीं है। हमें खुद से और अंतरात्मा से पूछना होगा कि हमने आतंकवाद को लाभ पहुंचाने वाली सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने के लिए क्या किया है।

बिहार में एक और पुल के बीम में दरार, पिलर धंसा

जासं, बेनीपट्टी (मधुबनी)

बिहार के मधुबनी जिले में तिसियाही गांव के निकट खनुआ नदी पर 11 वर्ष पहले तीन करोड़ की लागत से बने पुल के बीम में दरार आ गई है। पिलर भी धंस गया है। पथ निर्माण विभाग ने पुल के दोनों ओर बांस-बल्ला लगाकर परिचालन बंद कर दिया है। 2013-14 में ग्रामीण कार्य विभाग बेनीपट्टी ने तीन करोड़ रुपये की लागत से खनुआ नदी पर साठ फीट लंबा पुल बनाया है।

2018 में बेनीपट्टी-उमगांव सड़क व पुल को सरकार के निर्देश पर ग्रामीण कार्य विभाग ने आरसीडी (पथ निर्माण विभाग) को हस्तांतरित कर दिया था। चार पिलर वाले इस पुल के पूरब भाग का बीम क्षतिग्रस्त हो गया है। दो पिलर धंसने से पुल झुक गया है। रेलिंग क्षतिग्रस्त हो गई है। बीम में लोहे की छड़ दिखाई देने लगी है। पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता कुमार अभिषेक ने बताया कि पुल पर वाहनों का परिचालन रोक दिया गया है। बेनीपट्टी, बोरहर, तिसियाही में सतर्कता बोर्ड लगाया जाएगा।

▸ **पथ निर्माण विभाग ने बांस-बल्ला लगा आवागमन रोका**

▸ **वर्ष 2013 में तीन करोड़ की लागत से बना था पुल**

बिहार के मधुबनी में खानुआ टोल में नदी पर बना पुल के बीम क्रैक व पुल का धंसा पाया। जागरण

सोनपुर में गंडक पुराने पुल के दक्षिणी फुटब्रिज का गार्टर सड़ कर टूटा

जासं, नयागांव (सारण) : बिहार में सोनपुर-हाजीपुर पुरानी गंडक पुल का पाया धंसने या दरकने की अफवाह शनिवार की सुबह तेजी से फैल गई। सूचना पर सोनपुर व हाजीपुर के संबंधित पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। इस बीच पुल पर वाहनों का आवागमन रोक दिया गया। हालांकि जांच में पिलर के धंसने या दरकने की बात झूठी निकली। सिर्फ पुल के दक्षिणी फुटपाथ वाले मार्ग के नीचे का गार्टर सड़ जाने के कारण कई जगह पर टूटा पाया गया। पुल के सभी पिलर की जांच की गई, जिसमें सब ठीक मिले। हरिहरनाथ थाना प्रभारी स्वर्ण सुप्रिया ने बताया कि ट्रैक्टरों के आवागमन पर रोक है, जबकि अन्य छोटे वाहनों का आवागमन शुरू कर दिया गया है। पुल लगभग डेढ़ सौ साल पहले बना है। पिलर मजबूती से खड़े हैं, जबकि लोहे के गार्टर नीचे से कई स्थानों पर जंग लगकर गिर चुके हैं।

रणनीति

हिमाचल सरकार ने अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए किया आवेदन

बीबीएमबी, एनटीपीसी व एनएचपीसी के हैं सतलुज, ब्यास, रावी नदी पर बांध

बांधों में पर्यटन गतिविधियां शुरू करने की तैयारी में हिमाचल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● शिमला

बिलासपुर जिला प्रशासन ने कुछ समय पहले गोविंद सागर झील में पर्यटन गतिविधियां शुरू की, लेकिन भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) ने उन्हें रुकवा दिया। बीबीएमबी ने इसके लिए सुरक्षा का हवाला दिया। उसके बाद हिमाचल सरकार ने पर्यटन गतिविधियां संचालित करने के लिए बीबीएमबी से पांच बांधों में पर्यटकों के लिए सुविधाएं जुटाने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा। इसके साथ नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन (एनटीपीसी) और नेशनल हाइड्रो पावर कारपोरेशन (एनएचपीसी) से भी एनओसी देने का मामला उठाया है। प्रदेश सरकार की सतलुज, ब्यास व रावी नदियों पर स्थित बांधों पर पर्यटन को विस्तार देने की योजना है। इन नदियों में आने वाले दिनों में क्रूज, शिकारे, वाटर स्कूटर, पैडल बोट सहित कई अन्य परिवहन के साधन नजर आएंगे। साथ ही पानी में तैरने वाले रेस्तरां खोलने की भी योजना है। इस समय मंडी जिला के तत्तापानी में साहसिक खेल गतिविधियां संचालित हो रही हैं। चंबा जिला के तलेरू में भी केंद्र चलता है। शिमला की अश्वनी खड्ड में बंद पड़े वाटर स्पोर्ट्स सेंटर को फिर शुरू करने के लिए आवेदन आया है। इसके तहत वर्ष 2016 से लेकर पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग और राज्य परिवहन विभाग की ओर से प्रयास हो रहे हैं। सबसे पहले परिवहन विभाग ने जल परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार को छोटे जहाज देने का प्रस्ताव भेजा था। केंद्र सरकार की ओर से राज्य को एक करोड़ से पांच करोड़ रुपये तक के छोटे जहाज देने की योजना थी। साथ ही राज्य पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग ने बांधों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने की योजना सरकार को भेजी। उस पर शिमला, मंडी, कुल्लू, बिलासपुर, कांगड़ा, चंबा व ऊना जिलों में प्रशासन की ओर से कदम उठाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

दो किमी के सुरक्षा दायरे में प्रवेश नहीं: प्रदेश के किसी भी बांध क्षेत्र में दो किलोमीटर के सुरक्षा दायरे में किसी तरह का कोई परिवहन का साधन किश्ती, स्टीमर, क्रूज, शिकारा सहित अन्य स्वचलित मशीन नहीं पहुंच सकता है। ऐसा इसलिए है कि किसी तरह की चूक से बांध को क्षति होने की संभावना न हो। भाखड़ा व कोल बांध सुरक्षा की दृष्टि से अधिक संवेदनशील क्षेत्र में हैं। बीबीएमबी के अधीन भाखड़ा, गोविंद सागर, पंडोह और पौंग बांध व नंगल हैं। एनटीपीसी के पास कोल डैम व एनएचपीसी के पास चमेरा, चमेरा-1 व चमेरा-2 बांध हैं।

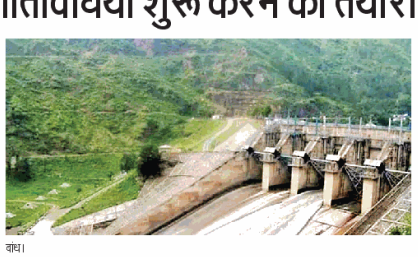

बांध।

हिमाचल के बांधों में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कई तरह की गतिविधियां शुरू करने की योजना है। प्रदेश सरकार ने जल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बीबीएमबी, एनटीपीसी व एनएचपीसी से एनओसी मांगी है। इसके लिए पत्र व्यवहार किया गया है। सरकार प्रदेश के बांधों में सुरक्षित और सुविधाजनक पर्यटन गतिविधियां शुरू करना चाहती है, जिसके लिए कदम उठाए जा रहे हैं।
– देवेश कुमार, प्रधान सचिव पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन

विदेशी यूनिवर्सिटी बंद होने से डूबे छात्रा के रुपये, बीमा कंपनी देगी 18 लाख

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल

विदेशी यूनिवर्सिटी के बंद होने से छात्रा को हुए नुकसान पर मध्य प्रदेश राज्य उपभोक्ता आयोग ने हर्जाना देने का आदेश दिया है। आयोग ने बारबाडोस की यूनिवर्सिटी में प्रवेश दिलाने वाली सलाहकारी फर्म और बीमा कंपनी रिलायगेयर हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी को 20 लाख रुपये से अधिक की राशि अदा करने का आदेश दिया है। पीड़ित छात्रा ने बीमा कंपनी की ओर से नुकसान का दावा अस्वीकार करने के बाद आयोग का दरवाजा खटखटाया था।

इंदौर के सांवेर रोड निवासी अशोक कुशवाहा ने वर्ष 2017 में बेटी शोभना का अमेरिका के संस्थान में एमबीबीएस में प्रवेश दिलाना चाहा। इसके लिए उन्होंने गोल्डन इंडिया एजुकेशन सर्विस नाम की सलाहकारी फर्म से संपर्क किया। उसके संचालक सुभाष अग्रवाल ने उन्हें वाशिंगटन यूनिवर्सिटी ऑफ बारबाडोस में प्रवेश का सुझाव दिया। कहा कि वह भी अपनी बेटी का प्रवेश उसी यूनिवर्सिटी में करा रहे हैं। उन्होंने सभी औपचारिक मान्यता की शर्तें पूरी होने का भी भरोसा दिलाया। उनकी सलाह पर अशोक ने बेटी का प्रवेश वहां करा दिया। नवंबर 2017 में उनकी बेटी बारबाडोस के लिए रवाना हुई। जाने से पहले सलाहकारी फर्म ने ही रिलायगेयर हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी से उसका बीमा कराया। यह 50 हजार डालर तक का रिस्क कवर करता था। वहां जाने के आठ महीनों के बाद ही वह यूनिवर्सिटी बंद हो गई। ऐसे में छात्रा को वापस आना पड़ा। नुकसान की भरपाई के लिए अशोक ने बीमा कंपनी के समक्ष दावा किया तो कंपनी ने इसे यह कहकर खारिज कर दिया कि यह बीमा छात्रा के जाने से एक महीने बाद लिया गया था। यह बीमा शर्तों का उल्लंघन है और भुगतान योग्य नहीं है। इसके बाद याचिका दायर की गई थी।

▸ **मप्र राज्य उपभोक्ता आयोग ने कंसल्टेंसी व बीमा कंपनी दोनों को ठहराया जिम्मेदार**

****

10 आइपीएस अफसरों के तबादले हुए हैं उत्तर प्रदेश में छह जिलों के पुलिस अधीक्षकों समेत। जालौन, एटा, हरदोई, शामली, बिजनौर और गाजीपुर के पुलिस अधीक्षक बदले गए हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 14 जुलाई, 2024

प्रशिक्षु आइएएस पूजा की मां के खिलाफ एफआइआर

कार्रवाई ▸ प्रसारित वीडियो में किसानों को धमकाती दिखीं मनोरमा

प्रशिक्षु आइएएस अधिकारी पूजा के पिता और पांच अन्य लोगों पर भी प्राथमिकी

▸ पूजा खेडकर पर विशेषाधिकारों के दुरुपयोग से लेकर चयन प्रक्रिया में घपले का आरोप

▸ केंद्र सरकार ने प्रशिक्षु आइएएस अधिकारी पर आरोपों की जांच के लिए बनाई है एक सदस्यीय समिति

पूजा खेडकर और मनोरमा खेडकर।

पुणे, एएनआइ : महाराष्ट्र की विवादित प्रशिक्षु आइएएस अधिकारी पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर के खिलाफ किसान को पिस्तौल से धमकाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। इंटरनेट मीडिया में वीडियो प्रसारित हो रहा है, जिसमें मनोरमा बंदूक लेकर किसानों को धमकाते नजर आ रही हैं। यह वीडियो 2023 का है।

पुलिस के अनुसार, किसान की शिकायत के आधार पर पुणे के पौड पुलिस स्टेशन में प्रशिक्षु आइएएस अधिकारी पूजा के माता पिता मनोरमा और दिलीप खेडकर और पांच अन्य के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है। एक किसान ने आरोप लगाया है कि मनोरमा खेडकर ने उसे धमकाया था।

गौरतलब है कि पूजा खेडकर पर विशेषाधिकारों के दुरुपयोग से लेकर चयन प्रक्रिया में घपले का आरोप है। केंद्र सरकार ने इन आरोपों की जांच के लिए एक सदस्यीय समिति बनाई है।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के अतिरिक्त सचिव मनोज कुमार द्विवेदी की एक सदस्यीय समिति को दो सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया है। आरोप सही पाए जाने पर खेडकर के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जा सकता है। जांच में दोषी पाई जाती हैं, तो उन्हें बर्खास्त किया जा सकता है। 2023 बैच की आइएएस अधिकारी पूजा प्रशिक्षु हैं। पूजा खेडकर पर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) का पद हासिल करने के लिए दिव्यांगता और अन्य पिछड़ा वर्ग कोटा का दुरुपयोग करने का आरोप है।

पुणे नगर निगम का नोटिस, सात दिनों में अवैध कब्जा हटाने को कहा

इस बीच प्रेट्र के अनुसार पुणे नगर निगम ने पूजा की मां को घर के पास अवैध कब्जा हटाने के लिए नोटिस जारी किया है। उन्हें सात दिनों में अवैध कब्जा हटाने को कहा गया है। शनिवार शाम निगम के अधिकारियों ने बानेर रोड पर स्थित 'ओम दीप' बंगले पर मनोरमा को नोटिस देने की कोशिश की, लेकिन घंटी बजाने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद अधिकारियों ने बंगले के मुख्य द्वार पर नोटिस चिपका दिया। नोटिस में कहा गया है, सात दिनों में बंगले की चारदीवारी से सटे अनधिकृत ढांचे को हटा दें।

कैप्टन अंशुमान सिंह की वीरांगना पर अभद्र टिप्पणी में मुकदमा दर्ज

वीरांगना स्मृति सिंह और अंशुमान सिंह। फाइल

जासं, नई दिल्ली : कीर्ति चक्र से सम्मानित कैप्टन अंशुमान सिंह की वीरांगना स्मृति सिंह पर अपमानजनक टिप्पणी मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक आपरेशंस (आइएफएसओ) ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इसमें आइटी एक्ट की दो धाराएं लगाई गई हैं।

दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता व डीसीपी सुमन नलवा ने शनिवार को यह जानकारी दी। वीरांगना के खिलाफ इंटरनेट मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग ने पिछले सप्ताह मामले में स्वतःसंज्ञान लिया था। पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा को पत्र लिखकर प्राथमिकी कर आरोपित का पता लगाकर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की थी। इसके बाद आइएफएसओ ने प्रारंभिक जांच के बाद शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज कर ली। अब पुलिस आइपी पता बताने के लिए इंटरनेट मीडिया के संबंधित प्लेटफार्म को पत्र लिखेगी।

गुजरात में चांदीपुरा वायरस संक्रमण से चार बच्चों की मौत

राज्य ब्यूरो, जागरण ● अहमदाबाद

▸ दो बच्चे अस्पताल में भर्ती, बच्चों के रक्त के नमूने एनआइवी भेजे गए

▸ फ्लू जैसे होते हैं चांदीपुरा वायरस के लक्षण, मस्तिष्क में आ जाती है सूजन

गुजरात और राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में चांदीपुरा वायरस का संक्रमण फैला है। गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर में चांदीपुरा वायरस के संक्रमण से चार बच्चों की मौत हो गई है। हालांकि वायरस की पुष्टि अभी नहीं हुई है। चांदीपुरा वायरस के संक्रमण से दो बच्चे गंभीर रूप से बीमार हैं। हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल में दोनों बच्चों का इलाज चल रहा है।

दरअसल महाराष्ट्र के नागपुर के चांदीपुर गांव में वर्ष 1966 में 15 साल तक के बच्चों की मौत होने लगी थी। पता चला कि मौतें वायरस से हुईं। तभी से इस वायरस का नाम चांदीपुर वायरस पड़ गया।

साबरकांठा के मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी राज सुतारिया ने बताया कि सभी छह बच्चों के रक्त के नमूने की पुष्टि के लिए पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआइवी) भेजे गए हैं। नतीजों का इंतजार किया जा रहा है।

हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में 10 जुलाई को चार बच्चों की मौत के बाद इस अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञों को संदेह जताया कि इन बच्चों की मौत चांदीपुरा वायरस के कारण हुई। अस्पताल में भर्ती दो अन्य बच्चों में भी इसी तरह के लक्षण दिखे हैं। वे भी इसी वायरस से संक्रमित लग रहे हैं। अब तक जिन चार बच्चों की मौत हुई है, उनमें से एक साबरकांठा जिले का था और दो पड़ोसी अरावली जिले के थे। एक बच्चा राजस्थान का था। अस्पताल में भर्ती दोनों बच्चे भी राजस्थान के हैं। वायरस के संक्रमण को लेकर गुजरात के स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस संबंध में राजस्थान के अधिकारियों को सतर्क किया है।

प्रतीकात्मक

फ्लू जैसे हैं लक्षण

चांदीपुरा वायरस से बुखार होता है, जिसके लक्षण फ्लू जैसे होते हैं। इससे मस्तिष्क में सूजन आ जाती है। यह वायरस मच्छरों, मक्खियों, कीट-पतंगों द्वारा फैलता है।

कांवड़ मेले में रूट व पार्किंग के लिए जारी किया गया क्यूआर कोड

जागरण संवाददाता, हरिद्वार : कांवड़ मेले के दौरान शिवभक्तों को रूट और पार्किंग की जानकारी से अपडेट रखने के लिए इस बार भी तकनीक का सहारा लिया जाएगा। इसके लिए उत्तराखंड पुलिस ने क्यूआर कोड जारी किया है। शिवभक्त अपने मोबाइल से कोड स्कैन कर रूट व पार्किंग की जानकारी ले सकेंगे। कांवड़ मेले में रूट व पार्किंग से लेकर आवश्यक दिशा-निर्देशों से जुड़े पंपलेट और क्यूआर कोड लेकर पांच पुलिस टीमों को गैर जनपद और अन्य राज्यों के लिए रवाना किया गया है।

श्रावण मास कांवड़ मेला 22 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। पैदल और दुपहिया, चौपहिया वाहनों पर करोड़ों की संख्या में कांवड़ यात्री गंगा जल लेने हरिद्वार आते हैं। मेले के दौरान यातायात व्यवस्था पर भारी दबाव रहता है। पिछले वर्ष की तर्ज पर इस बार भी क्यूआर कोड स्कैन करते हुए कांवड़ मेले के डिजीटल पेज से रूट व पार्किंग की जानकारी कांवड़ यात्रियों को मिल सकेगी।

एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल के निर्देश पर यातायात पुलिस ने क्यूआर कोड का प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया है। इसके लिए एसपी यातायात पंकज गैरोला ने पंपलेट बांटने के लिए पांच टीमें आसपास के जनपदों व पड़ोसी राज्यों के लिए रवाना की हैं। इसके साथ ही, बस अड्डा व रेलवे स्टेशन आदि सार्वजनिक स्थानों पर पंपलेट चस्पा किए जाएंगे।

भूस्खलन से जोशीमठ में फंसी कविता कौशिक, जवानों ने निकाला सुरक्षित

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई

▸ अभिनेत्री कविता पति रोनित बिस्वास, भाई और पालतू कुत्ते के साथ गई हैं उत्तराखंड

रोनित विस्वास और कविता कौशिक। फाइल

उत्तराखंड में बीते दिनों हुए भूस्खलन में फंसी 'एफआइआर' धारावाहिक की अभिनेत्री कविता कौशिक अब सुरक्षित हैं। वह बदरीनाथ से जोशीमठ के रास्ते में फंस गई थीं। जहां उन्हें चार दिनों तक मिलिट्री कैंप में रहना पड़ा। शनिवार को सुरक्षित बाहर निकलने के बाद वह काशीपुर की तरफ रवाना हुई, वहां उन्हें एक स्कूल समारोह में हिस्सा लेना है। कविता 30 जून को अपने पति रोनित बिस्वास, भाई और पालतू कुत्ते के साथ उत्तराखंड भ्रमण पर निकली थीं। उन्होंने पांच जुलाई को बदरीनाथ के दर्शन किए। भूस्खलन और खराब मौसम के कारण वह वहां से आगे नहीं बढ़ पाईं और माना स्थित मिलिट्री कैंप में रुकना पड़ा। करीब तीन दिनों तक वहां रहने के बाद उन्होंने जोशीमठ की तरफ प्रस्थान किया। रास्ते में भूस्खलन के कारण वह फिर फंस गईं और करीब चार दिनों तक वहां के मिलिट्री कैंप में रहीं। अब वह सुरक्षित निकल चुकी हैं। इसके लिए उन्होंने सेना तथा पुलिस के जवानों का आभार जताया हैं। दैनिक जागरण को कविता ने बताया, हम बदरीनाथ दर्शन को गए थे। उसके बाद हम जोशीमठ आएं। यहां लगातार चार जगह बड़े-बड़े भूस्खलन हुए। जवानों ने न सिर्फ मेरा बल्कि बदरीनाथ और जोशीमठ के रास्ते के बीच फंसे हजारों की वहां से निकलने और सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंचने में मदद की।

सामुदायिक केंद्र का कुछ घंटों का किराया 60 हजार सुन हाई कोर्ट के जज हैरान

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

▸ कहा-इस गड़बड़ी को देखकर लग रहा है कि इसकी विजिलेंस जांच कराई जाए

▸ अधिकांश सामुदायिक केंद्र पर बताया जा रहा टीएमसी नेताओं का कब्जा

कलकत्ता हाई कोर्ट। फाइल

कलकत्ता हाई कोर्ट में शुक्रवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान महानगर के एक सामुदायिक हाल का कुछ घंटों का किराया 60 हजार रुपये सुनकर न्यायाधीश कौशिक चंद भी हैरान रह गए। न्यायाधीश कौशिक चंद ने कहा कि इस गड़बड़ी को देखकर लग रहा है कि इसकी विजिलेंस जांच कराई जाए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से रक्तदान शिविर के आयोजन में राज्य सरकार और पुलिस की ओर से बाधा किए जाने का आरोप लगाते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है।

याचिका पर सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश कौशिक चंद ने कहा कि अगर सड़क के किनारे शिविर का आयोजन करने नहीं दिया जा रहा है तो विकल्प के तौर पर आसपास किसी सामुदायिक केंद्र में इसका इंतजाम किया जाए। भाजपा की ओर से एक क्लब के सामने 14 जुलाई को रक्तदान शिविर आयोजित करने की बात है। इस पर भारतीय जनता पार्टी के अधिवक्ता ने कहा कि यहां सभी सामुदायिक केंद्र सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लोगों के कब्जे में हैं। वह इसकी मंजूरी नहीं देंगे।

बंगाल सरकार के अधिवक्ता ने कहा कि सामुदायिक केंद्र का किराया 60 हजार रुपये है। वहां रक्तदान शिविर की अनुमति दी जा सकती है। किराया सुनकर न्यायाधीश कौशिक चंद हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि हालत तो यह है कि इस पर विजिलेंस का आदेश दिया जा सकता है।

इससे पहले बंगाल सरकार के वकील ने न्यायाधीश कौशिक चंद से कहा कि जहां रक्तदान शिविर के आयोजन की अनुमति मांगी जा रही है, वह जगह काफी संकरी है। वहां से बड़ी संख्या में गाड़ियों का आवागमन होता है। पैदल भी काफी लोग गुजरते हैं। वहां शिविर लगाने से यातायात में समस्या होगी।

'पैरोडी' अकाउंट से फर्जी संदेश पोस्ट करने पर राठी पर केस दर्ज

लोकसभा अध्यक्ष की बेटी के बारे में फर्जी पोस्ट किए जाने का मामला

मुंबई, प्रेट्र: महाराष्ट्र की साइबर पुलिस ने लोकप्रिय यूट्यूबर ध्रुव राठी के एक 'पैरोडी' (मिलते-जुलते नाम वाले) अकाउंट से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की बेटी के बारे में फर्जी संदेश पोस्ट किए जाने के लिए उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। राज्य के साइबर विभाग के अनुसार, ध्रुव राठी नाम वाले अकाउंट से दावा किया गया था कि बिरला की बेटी ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा दिए बिना ही उसे पास कर लिया है।

एक्स अकाउंट के परिचय में लिखा है, 'यह एक प्रशंसक और पैरोडी अकाउंट है और इसका ध्रुव राठी के मूल अकाउंट से कोई संबंध नहीं है। यह अकाउंट पैरोडी है।' अधिकारी ने बताया कि बिरला के एक रिश्तेदार की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। पैरोडी अकाउंट से शनिवार को एक और पोस्ट की गई, जिसमें लिखा है, 'महाराष्ट्र साइबर विभाग के निर्देश पर मैंने अंजलि बिरला के बारे में अपने सभी पोस्ट और टिप्पणियां हटा दी हैं, मैं माफी मांगता हूं क्योंकि मुझे तथ्यों के बारे में पता नहीं था।'

वर्ग पहेली-2690

■	1		2	■	3	4			■
5	■	■		■	■		■	■	6
	■	■	7	8			■	■	
9		10	■		■	■	11		
	■		■	12	13			■	■
■	■	14				■		■	15
16			■	■		■	17		
	■	■	18			19	■	■	
	■	■		■			■	■	
■	20				■	21			■

बाएं से दाएं
1. स्थान बदलना, पदच्युत करना (3)। 3. प्रभावयुक्त, तीव्र (4)।
7. पानी और शक्कर का घोल (4)।
9. निषेध (3)। 11. चकित, मौन (3)। 12. कपड़ा रंगने वाला (4)।
14. वर्षा का आरंभ (4)।
16. इस ओर का किनारा, इस ओर (3)। 17. विषम, बहुत विकट (3)।
18. एकाएक, हठात् (4)।
20. खराब करना, विकार पैदा करना (4)। 21. हंसी-ठट्ठा, परिहास (3)।

ऊपर से नीचे
2. फरियाद, मुकदमा, अभियोग (3)।
4. चांदी (3)। 5. नीले रंग का एक पत्थर (4)।
6. बुझाने वाला, शमन करने वाला (3)।
8. युद्ध का मजा (4)। 10. नृत्य शाला (4)।
11. अपरिचित, नवागत (4)।
13. उदास, संतप्त, दुखी (4)।
15. अव्यवस्था, अस्त-व्यस्त (4)।
16. निकम्मा, शून्य (3)।
18. नादान, दुनियादारी नहीं जानने वाला (3)।
19. उक्ति, रचना (3)।

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

क	■	आ	ग	र	■	स	रा	स	र
चू	ना	■	■	म	■	मा	■	दी	■
म	■	आ	■	जा	न	व	र	■	न
र	सा	स्वा	द	न	■	र्त	■	■	य
■	■	द	■	■	■	न	म	की	न
ग	जा	न	न	■	■	■	नो	■	■
ब	■	■	त	■	न	क्का	र	खा	ना
न	■	को	ना	फू	सी	■	थ	■	मु
■	च	■	ति	■	ह	■	■	का	रा
अ	ना	मि	का	■	त	मी	ज	■	द

जागरण सुडोकू-2690

		9	4			2		1
	5			1				9
3		1	8		9		7	
		7		3		4		2
	3	5			4			
4			7		1		9	
2			9			3		
				7		9		4
	9			8	3		2	6

कल का हल

1	3	9	8	6	7	5	2	4
8	7	2	5	4	3	6	9	1
5	4	6	9	1	2	7	8	3
2	8	3	6	5	1	4	7	9
7	5	1	2	9	4	8	3	6
6	9	4	3	7	8	1	5	2
3	6	7	4	8	9	2	1	5
4	2	8	1	3	5	9	6	7
9	1	5	7	2	6	3	4	8

मप्र में अधिक मुआवजा के लिए खेल, 'हाईवे' पर बनाए दो हजार से ज्यादा मकान

नईदुनिया प्रतिनिधि, सिंगरौली

▸ सिंगरौली-प्रयागराज नेशनल हाईवे के लिए चिह्नित जमीन पर दो महीने में निर्माण

▸ निर्माण कराने वालों में दिल्ली, बिहार, यूपी के बड़े लोग, व्यवसायी और नेता भी शामिल

सिंगरौली में हाईवे की जमीन पर कराया गया एक मकान का निर्माण। सौ. ग्रामीण

मध्य प्रदेश को उत्तर प्रदेश से जोड़ने वाले सिंगरौली-प्रयागराज नेशनल हाईवे बनना है। इसके लिए चिह्नित भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। ऐसे में, हाईवे की जमीन पर मकान बनाकर ज्यादा से ज्यादा मुआवजा पाने का खेल किया गया है। हाईवे के लिए चिह्नित भूमि पर पिछले दो महीने में ही दो हजार से अधिक घर बनाकर खड़े कर दिए गए हैं। मकानों के निर्माण का यह सिलसिला अभी भी जारी है। हालांकि यह सब सरकारी तंत्र की मिलीभगत से किया गया है। यही वजह है कि ये निर्माण धड़ाधड़ किए जाते रहे और इनको रोका नहीं गया। उप विभागीय मजिस्ट्रेट सुरेश जाधा के अनुसार, अधिग्रहण के लिए भूमि का चिह्नांकन हो चुका है। उसके बाद कराए गए निर्माणों को भी सर्वे करके चिह्नित कराया गया है। ऐसे में, उनको अवैध मानते हुए कार्रवाई की जाएगी, अधिक मुआवजा दिए जाने का प्रश्न ही नहीं है।

सिंगरौली-प्रयागराज नेशनल हाईवे के लिए कुछ माह पहले जमीन का सर्वे किया गया। मप्र में सिंगरौली जिले में 70 किलोमीटर तक हाईवे बनना है। इसके लिए दो तहसीलों के 32 गांवों का सर्वे किया जा चुका है। करीब 114.154 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण की अधिसूचना मार्च में जारी हो चुकी है। इसके बाद से ही जमीन की खरीद-फरोख्त और नामांतरण पर रोक लग गई, फिर भी दोनों तहसीलों के इन सभी गावों में ज्यादा से ज्यादा मुआवजा पाने के लालच में लोगों ने पक्के निर्माण कराने शुरू कर दिए।

दरअसल, जमीन अधिग्रहण नियमों के मुताबिक, अधिग्रहण वाली भूमि पर यदि मकान बना होता है तो नियमानुसार, उसे आवासीय श्रेणी में मानते पुनर्वास पैकेज में कृषि भूमि से बहुत अधिक मुआवजा दिए जाने का प्रविधान है। इसमें परिवार के एक सदस्य को नौकरी का भी प्रविधान किया जाता है। इस वजह से महज दो महीने में ही करीब दो हजार से अधिक निर्माण कराए जा चुके हैं।

घर में घुसे चोर से भिड़ गई, गोली से नहीं डरी, कमरे में कर दिया बंद

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद

▸ [illegible]श ने किया फायर, बाल-बाल बचीं [illegible], दरवाजे में धंसी गोली

लक्ष्मी सैनी। जागरण

बिलारी में दो साथियों के साथ चोरी करने आया था हाथरस का चोर

बहादुरी, जज्बा और साहसी जैसे शब्द शायद चालीस वर्षीय लक्ष्मी सैनी जैसी महिलाओं के लिए ही बने हैं। [illegible] जो किया, वह भावी पीढ़ी के लिए भी [illegible] है। घर में घुसे चोर से भिड़ गईं। उसकी गोली से भी नहीं डरीं। हौसला [illegible] उसे कमरे में बंद कर दिया। बाद में चोर को [illegible] के हवाले कर दिया।

मुरादाबाद के बिलारी में शुक्रवार की रात हरकिशोर सो रहे थे। रात करीब डेढ़ बजे घर में चोर घुस गया। दो अन्य चोर बाहर पहरा दे रहे थे। कमरे के बाहर सो रही हरकिशोर की पत्नी लक्ष्मी जाग गईं। देखा, चोर कमरे के अंदर अलमारी का ताला तोड़कर कुछ रुपये और सोने के जेवर समेट रहा था। लक्ष्मी ने उसे पकड़ लिया। चोर के भागने की कोशिश करने पर दोनों में गुत्थम गुत्था होने लगी। चोर ने तमंचे से लक्ष्मी पर फायर झोंक दिया। गनीमत रही गोली लक्ष्मी से सटकर निकल गई और दरवाजे में जाकर फंस गई। लेकिन, लक्ष्मी ने चोर को नहीं छोड़ा। इस बीच अन्य स्वजन भी जाग गए। सभी ने पकड़कर चोर को कमरे में बंद कर दिया और पुलिस को सूचना दे दी। चोर ने अपना नाम हाथरस के सिकंदराराऊ थाना के नरथा गांव का अमरजीत बताया। उसके पास से तमंचा एक खोखा एवं कारतूस मिले हैं। शोर होने पर बाहर खड़े उसके दोनों साथी राहुल और राशिद भाग गए।

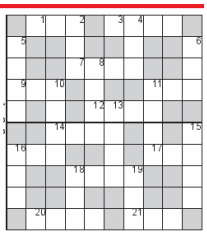

लक्ष्मी बोलीं, स्वजन को बुलाती तो भाग जाता चोर : लक्ष्मी का कहना है कि रात-दिन पसीना बहाकर घर में सामान एकत्र किया। जेवर बनवाए। यह बच्चों के काम आएंगे। चोर को जब जमा-पूंजी समेटते देखा तो खुद को रोक नहीं सकी। शोर मचाकर स्वजन को बुलाती तो चोर भाग सकता था। कुछ सामान भी ले जाता। इसलिए खुद ही भिड़ना ठीक समझा। उसने एक गोली चलाई तो डर महसूस हुआ। लेकिन अगले ही पल सोचा कि इससे पहले वह दोबारा गोली लोड करे, चोर को रोक लेना चाहिए और फिर भिड़ गई।

आज का भविष्यफल- 14 जुलाई, 2024 रविवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष अष्टमी।
आज का राहुकाल: सायं 04 बजकर 30 मिनट से 06 बजे तक।
आज का दिशाशूल: पश्चिम। आज का पर्व एवं त्योहार: श्रीदुर्गाष्टमी

कल 15 जुलाई, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल: पूर्व
कल का पर्व एवं त्योहार: कंदर्प नवमी
विक्रम संवत 2081 शके 1946 उत्तरायण, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की नवमी 19 घंटे 20 मिनट तक, तत्पश्चात् दशमी स्वाती नक्षत्र 24 घंटे 30 मिनट तक, तत्पश्चात् विशाखा नक्षत्र सिद्ध योग 07 घंटे तक, तत्पश्चात् साध्य तुला में चंद्रमा।

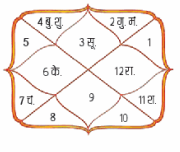

- मेष: व्यावसायिक मामलों में सफलता मिलेगी। प्रयास सार्थक होंगे।
- वृष: कर्मचारी से तनाव मिल सकता है। वरिष्ठ से सहयोग मिलेगा।
- मिथुन: कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा। जीवन सुखमय होगा।
- कर्क: आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नेत्र विकार के प्रति सचेत रहें।
- सिंह: पुरुषार्थ सार्थक होगा। धन, सम्मान, यश, कीर्ति मे वृद्धि होगी।
- कन्या: संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।
- तुला: गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों मे व्यस्त रहेंगे।
- वृश्चिक: सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
- धनु: रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। जीवन सुखमय होगा।
- मकर: महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। रिश्तों में निकटता आएगी।
- कुंभ: व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।
- मीन: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। संतान पक्ष से मन अशांत रहेगा।

हैरतअंगेज

कारगिल विजय दिवस पर सरसावा वायु सेना स्टेशन में एयर शो, जेट फाइटरों ने दिखाए करतब, कारगिल युद्ध में बलिदान हुए चार योद्धा को मरणोपरांत वायु सेना पदक से किया गया सम्मानित

आकाश को चीरते और ग्रेनेड दागते निकले सुखोई, राफेल व जगुआर

जागरण संवाददाता, सहारनपुर

सरसावा वायु स्टेशन में शनिवार को भारतीय वायु सेना के एयर शो में फाइटर जेट सुखोई, राफेल, जगुआर, एमआइ-17 हेलीकाप्टर, एएन-32 और डोर्नियर विमानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। एक तरफ वायु सेना के हेलीकाप्टरों ने साथ उड़ान भरी तो दूसरी तरफ फाइटर जेट आसमान को चीरते हुए ऊपर निकल गए। कृत्रिम रूप से दर्शाई गई कारगिल पहाड़ियों पर हवाई ग्रेनेड फेंके गए। नीले गगन में सुखोई की कलाबाजी देख दर्शकों के रोंगटे खड़े हो गए।

कारगिल युद्ध में विजय के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में सरसावा वायु स्टेशन में रजत जयंती महोत्सव का आयोजन हुआ। इसमें वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने युद्ध स्मारक पर सभी वायु योद्धाओं को परिवारों, पूर्व सैनिकों और सेवारत भारतीय वायुसेना अधिकारियों के साथ पुष्पांजलि अर्पित की। चौधरी ने बलिदानियों के स्वजन को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह रजत जयंती हमारे उन नायकों की वीरता और साहस का प्रमाण है, जिन्होंने देश की अखंडता की रक्षा के लिए कठिन इलाकों और बर्फीली चोटियों पर बहादुरी से फतह हासिल की। एयरफोर्स बैंड की मधुर स्वर लहरियों के बीच वीर सैनिकों की शौर्य गाथाएं सुनाई गईं। इस दौरान आयोजित एयर शो में जगुआर, एसयू-30 एमकेआइ और सुखोई, राफेल लड़ाकू विमानों के हैरतअंगेज करतब देख दर्शक रोमांचित हो उठे। इसी बीच विमानों से निकले पैराशूट आसमान में झंडा फहराते हुए जमीन पर उतरे। स्कूली बच्चों ने तालियां बजाकर जवानों का उत्साह बढ़ाया। बलिदानी नायकों की याद में एमआइ-17 वी-5 की ओर से एक 'मिसिंग मैन फार्मेशन' उड़ाया गया। इस दौरान एयर वारियर ड्रिल टीम और वायु सेना बैंड के प्रदर्शन के साथ ही भारतीय वायुसेना के हेलीकाप्टर एमआइ-17वी 5, चीता, चिनूक का स्टेटिक डिस्प्ले किया गया।

कारगिल विजय दिवस रजत जयंती समारोह के अवसर पर वायु सेना स्टेशन सरसावा में हवाई प्रदर्शन करता जगुआर विमान। जागरण

सरसावा यूनिट ने खोए थे चार वीर योद्धा

वायु सेना स्टेशन सरसावा की 152 हेलीकाप्टर यूनिट (एचयू), 'द माइटी आर्मर' ने आपरेशन सफेद सागर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 28 मई 1999 को 152 एचयू के स्क्वाड्रन लीडर आर पुंडीर, फ्लाइट लेफ्टिनेंट एस मुहिलन, सार्जेंट पीवीएनआर प्रसाद और सार्जेंट आरके साहू को तोलोलिंग में दुश्मन के ठिकानों पर लाइव स्ट्राइक के लिए 'नुब्रा' फार्मेशन में उड़ान भरने का जिम्मा सौंपा गया था। हमले के दौरान उनके हेलीकाप्टर पर दुश्मन की स्टिंगर मिसाइल ने हमला कर दिया, जिससे हमारे चारों वीर योद्धा बलिदान हो गए थे। असाधारण साहसिक कार्य के लिए सभी को मरणोपरांत वायु सेना पदक (वीरता) से सम्मानित किया गया। वायु सेना की ओर से बताया गया कि कारगिल युद्ध के दौरान वायु सेना ने 5000 स्ट्राइक मिशन, 350 टोही मिशन और लगभग 800 एस्कार्ट उड़ानें भरीं।

****

34 जजों की संख्या पूरी हो जाएगी सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश सहित। जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के प्रमुख न्यायमूर्ति एन कोटिस्वर सिंह सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त होने वाले मणिपुर के पहले न्यायाधीश बनेंगे।

रविवार विशेष

कौशल से विकास

विकास में कौशल का अपना ही महत्व है। आज सभी को ऐसे कर्मचारी चाहिए जो काम में निपुण और कौशल से परिपूर्ण हों और किसी तरह की कोताही न बरतें। संयुक्त राष्ट्र ने कौशल के महत्व को पहचाना और 15 जुलाई, 2014 को विश्व युवा कौशल दिवस की शुरुआत की। इसके ठीक एक वर्ष बाद भारत में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 जुलाई, 2015 को स्किल इंडिया की शुरुआत की। यही कारण है कि युवाओं में कौशल के विकास के लिए सरकार के साथ निजी तौर पर भी देश भर में प्रयास किए जा रहे हैं। आज पढ़िये ऐसे में दो सकारात्मक प्रयासों की कहानी ...

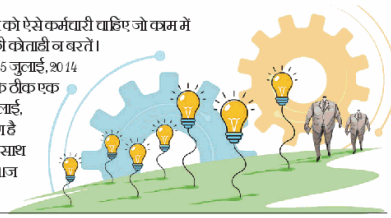

कौशल के धागे से बुन रहीं स्वावलंबन की डोर

स्वावलंबन नारी सशक्तीकरण की पहली सीढ़ी है। महिला यदि स्वावलंबी हो तो न सिर्फ उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि पूरे परिवार की उन्नति में मददगार भी बनती है। कौशल विकास महिलाओं को स्वावलंबी बनाने में सहायक साबित हो रहा है। लगभग आठ वर्षों में संगम नगरी की 16 हजार युवतियां और 22 हजार तीन सौ युवकों को कौशल विकास से आत्मनिर्भर बन चुके हैं। लगभग साढ़े तीन हजार युवक-युवतियां स्वरोजगार से जुड़ चुके हैं। अब तक जिले के 49,350 युवक-युवतियों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

सल्लाहपुर की इंटरमीडिएट उत्तीर्ण इशरत बानो के पिता किसान हैं और मां गृहणी हैं। जबकि दो बहनें पढ़ाई कर रही हैं। इशरत ने कौशल विकास केंद्र में 45 दिन की सिलाई की ट्रेनिंग ली और फिर तमिलनाडु में जाब मिल गई। वह बताती हैं यहां पैसा कम है लेकिन आवास और भोजन फ्री होने के कारण सैलरी का पैसा बच जाता है। पिता के निधन के बाद ग्रेजुएट रजनी मिश्रा को भी जाब मिली है। उनके पास भाइयों की पढ़ाई के पैसे तक नहीं थे। खुशबू और मानसी ने भी 12वीं की पढ़ाई के बाद यही ट्रेनिंग लेकर तमिलनाडु में तीन वर्षों से नौकरी कर रही हैं। ये युवतियां तो बानगी मात्र भर हैं। युवक तो दिल्ली, मुंबई, पुणे, चेन्नई, कोलकाता, गुरुग्राम, नोएडा, इंदौर, जैसे शहरों में नौकरी कर ही रहे हैं।

युवा शक्ति को कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने के लिए पूरी मेहनत के साथ की जा रही कोशिश अब सफल होने लगी है। ट्रेनिंग से लेकर जाब दिलाने तक उन्हें दिशा दिखाई जाती है। प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। स्वरोजगार के लिए उन्हें हर संभव मदद भी दिलाई जा रही है।
-गौरव कुमार, सीडीओ

« 12वीं की पढ़ाई के बाद ट्रेनिंग लेकर तमिलनाडु में तीन वर्षों से नौकरी कर रही हैं खुशबू • ट्रेनिंग सेंटर

जिले में 18 सेंटर और 40 क्षेत्रों में ट्रेनिंग: प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत जनपद में कुल 18 ट्रेनिंग सेंटर संचालित हैं। जहां प्रशिक्षणार्थियों को निश्शुल्क प्रशिक्षण और भोजन की व्यवस्था है। इस योजना के तहत युवा कंट्रक्शन, इलेक्ट्रानिक्स एवं हार्डवेयर, फूड प्रोसेसिंग, फर्नीचर और फिटिंग, हैंडीक्राफ्ट, जैम-जेली, जेम्स और ज्वैलरी, लेदर टेक्नोलाजी, रिटेल सेल्स, हेल्थ केयर, ब्यूटी वेलनेस समेत 40 क्षेत्रों में ट्रेनिंग दी जाएगी।

डिजिटली स्किल्ड करने का भी प्रशिक्षण : कौशल विकास योजना में डिजिटली स्किल्ड होने का विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। मास्टर डिजिटल मार्केटिंग, बेसिक डिजिटल मार्केटिंग, डिजिटल मार्केटिंग ई-बुक व सुपर एडवांस डिजिटल मार्केटिंग क्लासरूम प्रोग्राम भी होते हैं। युवाओं की मदद के लिए कई प्रोफेशनल और स्किल ओरिएंटेड शार्ट और लांग टर्म कोर्सेज की शुरुआत की गई है, जहां से आप घर बैठे खुद को किसी फील्ड का प्रोफेशनल बना सकते हैं।

(**प्रयागराज से ज्ञानेंद्र सिंह**)

दक्षता के सहारे चढ़ रहे सफलता की सीढ़ी

ग्रामीण परिवेश के बच्चों के सामने अंग्रेजी भाषा की दक्षता बड़ी समस्या है। इसके कारण व्यक्तित्व विकास के अभाव में बच्चे अपने ज्ञान का प्रदर्शन संपूर्ण आत्मविश्वास से नहीं कर पाते हैं। ऐसे युवा और विद्यार्थियों की समस्या का समाधान करने के लिए उत्तर प्रदेश के गाजीपुर निवासी प्रवीण राजभर ने स्किलिंगयू प्लेटफार्म की शुरुआत की है। जो कक्षा छह से लेकर स्नातक उत्तीर्ण युवाओं को आनलाइन प्लेटफार्म पर कुछ ऐसा सीखने का अवसर दे रहा है, जो उनके जीवन में परिवर्तन लाने में सक्षम है। अब तक तीन लाख युवा व विद्यार्थियों तक स्किलिंगयू के माध्यम से पहुंच चुके प्रवीण ने कौशल सीखने की आजीवन फीस 300 से लेकर 900 रुपये निर्धारित की है, जिससे ग्रामीण युवा भी अपनी योग्यता के बूते कामयाबी की कहानी लिख सकें।

युवाओं के माथे से बेरोजगारी का ठप्पा हटाकर उनको स्व-समर्थ बनाने का लक्ष्य ही स्किलिंगयू की स्थापना का आधार है। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के इनोवेशन फाउंडेशन के साथ हाल ही में स्किलिंगयू को इंक्यूबेट किया गया है। संस्थापक एवं सीईओ प्रवीण राजभर बताते हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भी है कि युवाओं को शैक्षिक ज्ञान के साथ ही विभिन्न तरीके के काम-काज की जानकारी हो। वह किसी भी क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने के योग्य और कौशल से युक्त हों। एनईपी से प्रेरित अपने कौशल विकास आइडिया के साथ जब स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों से संपर्क किया तो उनके सामने सीखने से बड़ी चुनौती स्कूल फीस के अलावा अतिरिक्त फीस जुटाना थी। इसका समाधान करने के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों की फीस न्यूनतम रखी और आजीवन के लिए एक बार चुकाने योग्य कर दी। इस कार्यक्रम के साथ एमएस-एक्सेल को 149 रुपये और बेधड़क बोलो इंग्लिश को 555 रुपये में सीखा जा सकता है। एक बार पंजीकरण कराने वाले छात्र-छात्रा को आजीवन आनलाइन जुड़ने का अवसर भी मिलता है।

आत्मविश्वास में बाधा है अंग्रेजी : ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के जीवन में अंग्रेजी भाषा और साक्षात्कार में सफल होने के लिए कमजोर आत्मविश्वास आड़े आता है। इसलिए व्यक्तित्व विकास और साक्षात्कार की तैयारी कराने वाले विशेष पाठ्यक्रम भी जोड़े गए हैं। यह सभी शिक्षण सामग्री स्किलिंगयू के मोबाइल एप के माध्यम से आनलाइन दी जा रही है। कक्षा छह से 12वीं तक के बच्चों के लिए विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों का एक अनोखा माड्यूल तैयार किया है, जिसे इसी वर्ष से लांच किया जाएगा। इसमें कक्षा छह से विद्यार्थियों को हर वर्ष 10 कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़कर हुनरमंद बनाया जाएगा। कक्षा 12 उत्तीर्ण करने तक युवाओं को 60 तरह के कौशल कार्यक्रमों की जानकारी होगी।

छात्रों को कौशल विकास के लिए प्रोत्साहित करते प्रवीण राजभर • स्वयं

सफलता की कहानी: अंबेडकरनगर जिले के सूरज ने अपने गांव के पास स्थित डिग्री कालेज से स्नातक तो कर लिया, लेकिन कोई भी कंपनी नौकरी देने के लिए तैयार नहीं थी। इस पर किसी से उन्हें स्किलिंगयू के बारे में पता चला और उन्होंने इससे जुड़ने का मन बनाया। इसके बाद सूरज ने स्किलिंगयू पोर्टल की मदद से बैंकिंग एवं फाइनेंस का कोर्स पूरा किया। सूरज बताते हैं कि कोर्स पूरा करने के तुरंत बाद 2019 में पहली बार कोटक महिंद्रा बैंक में साक्षात्कार दिया और नौकरी मिल गई।

अंग्रेजी की दक्षता ने बढ़ाया मान: नोएडा की लाव्या सिंह ने स्किलिंगयू से इंग्लिश बोलो बेधड़क कोर्स किया। वह बताती है कि मैं राजस्थान के भरतपुर में रहती थी। नोएडा आने पर स्कूल पहुंची तो पता चला कि अंग्रेजी व्याकरण का ज्ञान तो ठीक है, लेकिन अंग्रेजी में बातचीत नहीं कर सकती। एक कार्यक्रम में प्रवीण से मिली और स्किलिंगयू ज्वाइन कर लिया। पहले 10 दिन में आत्मविश्वास बढ़ा गया। एक महीने में स्कूल में अंग्रेजी में स्पीच दे सभी को हैरत में डाल दिया।

(**कानपुर से अखिलेश तिवारी**)

स्किलिंगयू के प्रमुख पाठ्यक्रम
कम्यूनिकेशन स्किल्स, इंग्लिश स्पीकिंग, इंग्लिश ग्रामर, ग्राफिक डिजाइनिंग, डिजिटल मार्केटिंग, फाइनेंशियल मैनेजमेंट, क्रिटिकल थिंकिंग, प्राब्लम-साल्विंग, स्टार्टअप की शुरुआत कैसे करें। आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस, वेबसाइट डिजाइन, कोडिंग, साइबर सिक्योरिटी, सेल्स स्किल्स, बैंकिंग।

स्किलिंगयू विभिन्न स्कूलों में कौशल विकास के कार्यक्रम संचालित कर रहा है। इनोवेशन फाउंडेशन से जुड़ने के बाद कंपनी अब अपना विस्तार करने जा रही है। स्कूली बच्चों के साथ ही डिग्री प्राप्त कर चुके युवाओं के कौशल विकास का लक्ष्य है।
- अनिल त्रिपाठी, इंक्यूबेशन मैनेजर, सीएसजेएमआइएफ,

आओ रोपें अच्छे पौधे

मानव शरीर ही नहीं पर्यावरण को भी डिटाक्स करता है बेल

भारतीय समाज में बेल के पेड़ का कितना महत्व है। इसका सहज अंदाजा इस बात से हो जाता है कि बेल के पेड़ को पंचवटी के पांच वृक्षों में शामिल किया गया है। बेल के अलावा जो पेड़ पंचवटी में लगाए जाते हैं वह सब भी पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण माने गए हैं। क्योंकि यह पेड़ बढ़ी मात्रा में कार्बनडाइआक्साइड सोखते हैं। जबकि भारी मात्रा में आक्सीजन छोड़ते हैं, इससे पर्यावरण से कार्बन को कम करने में सहायता मिलती है।

इसके अलावा बेल के पेड़ वन्यजीवों के लिए आवास और भोजन उपलब्ध कराकर पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी गहरी जड़ प्रणाली मिट्टी के कटाव को रोकने में मदद करती है, जबकि उनकी पत्तियां कार्बनिक पदार्थों के अपघटन में योगदान देती हैं, जिससे मिट्टी समृद्ध होती है। यही कारण है कि बेल को न सिर्फ प्रकृति की रक्षा के लिहाज से अच्छा माना गया बल्कि धर्म से जोड़कर उसकी रक्षा पर भी जोर दिया।

सावन के महीने में लोग भगवान शिव की पूजा के लिए बेल पत्र ढूंढेंगे। पहले बेल के पेड़ जगह-जगह होते थे। मगर आज शहरों में तो आंवला का पेड़ देखने को भी नहीं मिलता। आवंला में औषधीय गुण भी मौजूद होते हैं, जो मानव शरीर को कई बीमारियों से बचाते हैं। गर्मी के मौसम में आपको जगह-जगह बेल का रस बेचते लोग मिल जाएंगे, क्योंकि यह ठंडा होता है और शरीर को डिटाक्स करने का काम भी करता है।

प्रकृति के लिए भी अमृत का काम करता है आंवला का पेड़

आंवला भी पंचवटी के वृक्षों में से एक वृक्ष है। आंवला को अमृत फल भी कहा जाता है। प्रकृति की रक्षा में आंवला का पेड़ महत्वपूर्ण तरीके से योगदान देता है। इसका सबसे बड़ा काम है कि यह पेड़ मिट्टी की उर्वरता और संरचना को बेहतर बनाने, कटाव को रोकने और जल संसाधनों को संरक्षित करने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, आंवला के बाग पक्षियों और अन्य वन्यजीवों के लिए आवास प्रदान करते हैं, जो जैव विविधता संरक्षण में भी अपना योगदान करते हैं। आयुर्वेद में आवंला को अत्यधिक स्वास्थ्यवर्धक माना गया है। आंवला विटामिन 'सी' का सर्वोत्तम और प्राकृतिक स्त्रोत है। विटामिन सी गर्मी के प्रभाव से नष्ट हो जाता है, लेकिन आंवले में विद्यमान विटामिन सी कभी नष्ट नहीं होता। आंवला चर्बी घटाकर मोटापे को भी दूर करता है। आंवला खाने से बाल काले, लंबे व घने होते हैं। हिन्दू मान्यता में आंवला के फल के साथ आंवले का पेड़ भी पूजनीय है| माना जाता है कि आंवले का फल भगवान विष्णु को बहुत प्रिय है, इसीलिए अगर आंवले के पेड़ के नीचे भोजन पका कर खाया जाये तो सारे रोग दूर हो।

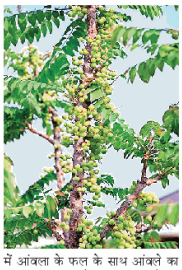

पीएम मोदी ने नवदंपती अनंत- राधिका को दिया आशीर्वाद

अनंत अंबानी तथा राधिका मर्चेंट के विवाह बंधन में बंधने के बाद आयोजित 'शुभ आशीर्वाद' में पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। इस दौरान अनंत अंबानी ने प्रधानमंत्री के पैर छूकर आशीर्वाद लिए। वीडियोग्रैब

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के छोटे पुत्र अनंत अंबानी तथा उद्योगपति विरेन मर्चेंट की छोटी पुत्री राधिका मर्चेंट के विवाहोत्सव में परंपराओं का भी पूरा ध्यान रखा गया। मुंबई में अनंत अंबानी व राधिका मर्चेंट के विवाह बंधन में बंधने के बाद शनिवार को आशीर्वाद समारोह हुआ। इसमें स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सहित अनेक धर्माचार्य पहुंचे। प्रेट्र

मुंबई, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नवदंपती अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट को आशीर्वाद दिया। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के छोटे बेटे अनंत और उद्योगपति विरेन मर्चेंट की बेटी राधिका शुक्रवार को शादी के बंधन में बंधे हैं।

बांद्रा कुर्ला काम्प्लेक्स (बीकेसी) के जियो वर्ल्ड सेंटर में शनिवार को आयोजित 'शुभ आशीर्वाद' या रिसेप्शन कार्यक्रम में पहुंचे पीएम मोदी का मुकेश और नीता ने स्वागत किया और उन्हें कार्यक्रम स्थल तक ले गए, जहां फिल्म सितारे, क्रिकेटर, उद्योगपति और राजनेता जुटे थे।

एएनआइ के अनुसार 'शुभ आशीर्वाद' समारोह में द्वारका पीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती और ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद भी पहुंचे। दोनों शंकराचार्य ने नवदंपती को आशीर्वाद दिया।

इस कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि लगभग वही थे जो एक दिन पहले शादी में शामिल हुए थे। इनमें दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन, शाह रुख खान, सलमान खान, रजनीकांत, क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, महेंद्र सिंह धौनी, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या शामिल थे। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव अपने परिवार के साथ इस कार्यक्रम में पहुंचे। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर, भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी, फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

40 दिन में सात बार सांप ने डसा, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बताया मामला संदिग्ध

- युवक का दावा- हर बार एक ही नर्सिंग होम में कराया उपचार
- जांच टीम को नर्सिंग होम में नहीं मिला इलाज का कोई ब्योरा

जागरण संवाददाता, फतेहपुर

उप्र के फतेहपुर जिले में सौंरा क्षेत्र के विकास दुबे का दावा है कि 40 दिन में उन्हें सात बार सांप डस चुका है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने जांच के बाद सर्पदंश के निशानों को संदिग्ध बताया है। उपचार का दावा करने वाले नर्सिंग होम से इसका कोई ब्योरा नहीं मिला है। हालांकि इलाज करने वाले डा. जवाहर लाल ने दैनिक जागरण से बातचीत में कहा कि सर्पदंश के निशान और लक्षणों के आधार पर विकास को एंटी स्नेक वेनम लगाई गई है। जून से जुलाई माह के बीच सात बार नर्सिंग होम में भर्ती हुए। स्वजन को हायर हेल्थ सेंटर में दिखाने की सलाह दी है।

सर्पदंश का शिकार युवक विकास द्विवेदी। जागरण

विकास दुबे के अनुसार, पहली बार सांप ने दो जून को डसा। फिर आठ जून और 16 जून को डसा। इसके बाद छह से आठ दिन के अंतराल में सात बार हाथ और पैर में सांप ने डसा। आखिरी बार 11 जुलाई को डसा। वह सर्पदंश के निशान भी दिखाते हैं। उन्होंने हर बार फतेहपुर के डा. रामसनेही अस्पताल में इलाज कराया। पिता सुरेंद्र द्विवेदी के अनुसार सांप सिर्फ विकास को ही दिखता है। उसे सीसी कैमरे की निगरानी में भी रखा गया, जिसमें सांप किसी को नहीं दिखा। विकास को दूसरी जगह ले जाया गया, लेकिन सांप वहां भी पहुंच गया। विकास के पिता डीएम इन्दुमती ने इलाज के लिए मदद मांगी। डीएम के निर्देश पर सीएमओ डा. आरएन गिरि ने शुक्रवार को जांच के लिए तीन डाक्टरों की कमेटी बनाई। टीम शनिवार सुबह 11 बजे रामसनेही हास्पिटल पहुंची, लेकिन डा. जवाहर नहीं मिले। टीम को बीएसटी (बेड हेड टिकट) भी नहीं मिली। इसमें उपचार का पूरा ब्योरा होता है।

पीड़ित विकास दुबे के हाथ में सर्पदंश के बने निशान। जागरण

बिना सर्पदंश एंटी स्नेक वेनम लगाने पर होते हैं दुष्प्रभाव: कानपुर के गणेश शंकर विद्यार्थी मेमोरियल मेडिकल कालेज के प्रो. जेएस कुशवाहा ने बताया कि अगर किसी को बिना सर्पदंश के एंटी वेनम कई बार लगता है तो उसे सीरम सिकनेस की समस्या हो सकती है। इससे चकत्ते निकलने या बुखार आ सकता है। हालांकि कोई भी चिकित्सक सर्पदंश के मामलों में मरीज की मानीटरिंग किए बिना उसे एंटी वेनम नहीं लगाता। दूसरी ओर, विकास को एंटी वेनम लगे तो लेकिन इसके दुष्प्रभाव नहीं दिखे।

आज खुलेगा पुरी के श्रीजगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर : ओडिशा के पुरी में स्थित श्रीजगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 46 वर्षों बाद रविवार को खुलेगा। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने बताया कि रत्नभंडार की मरम्मत और गिनती से संबंधित कार्य में अत्यधिक पारदर्शिता और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। रत्नों की गणना के दौरान रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि रत्नभंडार आखिरी बार 1978 में खोला गया था। उस वक्त रत्नभंडार के आभूषणों की गणना में लगभग 72 दिन लगे थे। तकनीक की मदद से इस बार गणना कम समय में होने की उम्मीद है। इससे भगवान के दर्शन के समय में कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। रत्न भंडार निगरानी समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ ने कहा कि अपराह्न में रत्न भंडार खोला जाएगा। कहा कि यदि चाबी से रत्नभंडार का ताला नहीं खुला तो ताला तोड़ा जाएगा।

अयोध्या में छतीसगढ़ के सीएम ने भगवान रामलला को अर्पित किए शबरी के बेर

- विष्णुदेव साय ने भांचा राम के ननिहाल का उपहार भी अर्पित किया
- सहयोगियों के साथ हनुमानगढ़ी में विराजे बजरंगबली के भी दर्शन किए

जागरण संवाददाता, अयोध्या

छत्तीसगढ़ की भूमि रामभक्ति में पगी मानी जाती है। यह विरासत शनिवार को नए सिरे से जीवंत हुई, जब छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उनकी कैबिनेट के सहयोगी रामलला का दर्शन करने पहुंचे। शबरी माता की भूमि से आए बेरों ने एक बार फिर भक्तिभाव की त्रेतायुगीन मिठास को जीवंत कर दिया। यहां छत्तीसगढ़ की पहचान से जुड़ा यह नारा गूंजने लगा, 'भांचा राम, जय श्री राम, जय श्री राम'।

मुख्यमंत्री ने भांचा राम के ननिहाल का उपहार भी प्रभु के चरणों में अर्पित किया। अर्पित उपहार में छत्तीसगढ़ से शबरी माता की भूमि शिवरीनारायण से बेर तथा पवित्र जल, विष्णु भोग चावल, अनरसा, करी लड्डू तथा कोसे के वस्त्र शामिल थे। उन्होंने रामजन्मभूमि परिसर का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने सहयोगियों के साथ हनुमानगढ़ी में विराजे बजरंगबली का भी दर्शन-पूजन किया। साय ने रामलला से छत्तीसगढ़ के लोगों की सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायका था और भगवान राम हमारे भांजे हैं। भांचा राम के दर्शन के लिए हम लोग बहुत उत्सुक थे। हम विचारपूर्वक रामलला को भेंट करने के लिए उस पवित्र भूमि से बेर लेकर आए, जहां के बेर खुद माता शबरी ने श्रीराम को खिलाया था। उन जूठे बेरों का स्मरण हमेशा के लिए लोक स्मृति में दर्ज हो गया है।

रामकथा से जुड़े विद्वान बताते हैं कि श्रीराम ने वनवास के 14 वर्षों में दस वर्ष यहीं गुजारे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रदेश के मुखिया के रूप में अयोध्या पहुंच कर छत्तीसगढ़ के लोगों के अपने आराध्य के प्रति अगाध स्नेह और भक्ति व्यक्त करने का माध्यम बनना हमारे लिए परम सौभाग्य का विषय है।

« छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को अयोध्या में प्रभु रामलला के दर्शन किए। इस दौरान साष्टांग प्रणाम करते विष्णुदेव साय (मध्य में) एवं अन्य। इस अवसर पर साय ने शबरी माता की भूमि शिवरीनारायण के बेर अर्पित किए, जिसने भक्तिभाव की त्रेतायुगीन मिठास को जीवंत कर दिया। एएनआइ

भोजन में मछली नहीं बनने पर दूल्हे ने जयमाल में दुल्हन को जड़ा थप्पड़

- बिहार के गोपालगंज से उत्तर प्रदेश के देवरिया में आई थी बरात
- दुल्हन सहित 12 लोग घायल, बिना विवाह के दूल्हा संग भागे बराती

जासं, देवरिया

बरात के स्वागत में मछली न बनने पर दूल्हे ने जयमाल में ही दुल्हन को थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद हालात इतने बिगड़े कि दुल्हन के स्टेज से गिरते ही क्रोधित घरातियों ने दूल्हे सहित अन्य बरातियों को पीट दिया। इसके बाद दोनों पक्ष में मारपीट के दौरान कुर्सियां भी चलने लगीं। बवाल बढ़ता देख दूल्हा समेत बराती फरार हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने दूल्हे की कार को कब्जे में ले लिया। मारपीट में दुल्हन समेत 12 लोग घायल हो गए।

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के बघौचघाट थाना क्षेत्र के गांव आनंदनगर के एक व्यक्ति ने अपनी पुत्री का विवाह बिहार में गोपालगंज के भोरे थाना क्षेत्र के कुर्थिया के युवक से तय किया था। गुरुवार की रात बरात दरवाजे पर पहुंची तो वधु पक्ष ने बरातियों का धूमधाम से स्वागत किया।

भोजन में मछली न देख कुछ बरातियों ने विरोध किया। उस समय जयमाल का कार्यक्रम चल रहा था। दूल्हे के दोस्तों ने यह बात दूल्हे को बताई तो वह स्टेज से उठ गया और दुल्हन से पूछने लगा कि मछली क्यों नहीं बनी। दुल्हन ने बताया कि वैवाहिक कार्यक्रम में हमारे यहां शाकाहारी भोजन ही बनता है। इतना सुनते ही दूल्हा आपे से बाहर हो गया और दुल्हन को थप्पड़ जड़ दिया। दुल्हन मौके पर ही गिर गई। इसके बाद बवाल बढ़ गया और दोनों तरफ से मारपीट होने लगी।

मामले की सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने दूल्हे की कार समेत अन्य वाहनों को कब्जे में ले लिया। प्रभारी निरीक्षक राजेश पांडेय ने बताया कि तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है। लड़के पक्ष को बुलाया गया है। जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव में नशे में लड़खड़ाया दूल्हा, दुल्हन ने लौटाई बरात

जासं, उन्नाव: नशे में धुत दूल्हा द्वारचार के दौरान पीछे की ओर लुढ़का और जयमाल के समय लड़खड़ाने लगा। शुक्रवार को दूल्हे को नशे में देख दुल्हन भड़क गई और विवाह से इन्कार कर दिया। बरात ऐसे में बिना दुल्हन बैरंग लौट गई।

उप्र के उन्नाव जिले के हसनगंज क्षेत्र के युवक का विवाह औरास क्षेत्र में तय हुआ और शुक्रवार को वर पक्ष बरात लेकर पहुंचा। द्वारचार के दौरान दूल्हे को बैठाया गया। शराब के नशे में होने से दूल्हा पीछे की ओर लुढ़क कर गिर गया। उठने के प्रयास में वह कई बार लड़खड़ा तो कन्या पक्ष के लोगों ने किसी तरह उसे उठाया गया। जयमाल के समय भी दूल्हा लड़खड़ाने लगा तो दुल्हन भड़क गई और विवाह से इन्कार कर दिया। दूल्हे के पिता ने दोस्तों के कोल्ड ड्रिंक में मिलाकर शराब पिलाने का तर्क दिया पर दुल्हन नहीं मानी। पुलिस दोनों पक्षों को शांत करा लौट आई। लेकिन दुल्हन विवाह के लिए तैयार नहीं हुई। पुलिस की मौजूदगी में कन्या पक्ष को खर्च की धनराशि दिलाई गई और बरात बिन दुल्हन के लौट गई।

****

दैनिक जागरण

चिंता से रूप, धन, बल और ज्ञान का नाश होता है

बढ़त पर विपक्ष

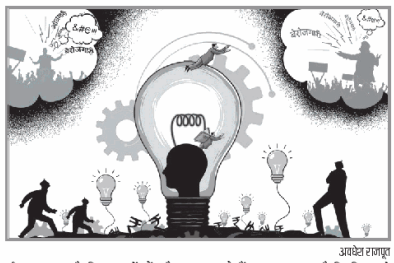

सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों के उपचुनाव नतीजों से भविष्य के लिए कोई ठोस और निर्णायक निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए, क्योंकि उपचुनाव नतीजे कठिनाई से ही भविष्य के लिए कोई स्पष्ट संकेत करते हैं। इस सबके बावजूद चूंकि इन 13 सीटों में से 10 विपक्षी दलों के खाते में गईं, इसलिए वह अपनी बढ़त का दावा करने के साथ यह प्रचारित कर सकता है कि उसने भाजपा को आईना दिखा दिया, लेकिन इन नतीजों की ऐसी कोई व्याख्या सही नहीं होगी कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन आइएनडीआइए भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए पर भारी पड़ा, क्योंकि पश्चिम बंगाल और पंजाब में तो यह गठबंधन है ही नहीं। यह हाल के लोकसभा चुनाव में भी नहीं था, फिर भी इतना तो कहा ही जा सकता है कि भाजपा विरोधी दल इन उपचुनावों में उससे आगे रहे।

जिन 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए, उनमें सबसे अधिक चार सीटें पश्चिम बंगाल में थीं। इनमें से तीन भाजपा के पास थीं, लेकिन बाद में तीनों भाजपा विधायक तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। साफ है कि उपचुनावों में भाजपा तृणमूल कांग्रेस का सामना नहीं कर सकी। इसके आसार भी कम थे, क्योंकि लोकसभा चुनाव में उसका प्रदर्शन आशा के अनुरूप नहीं रहा था। बंगाल के बाद सबसे अधिक तीन सीटें हिमाचल प्रदेश में थीं। पिछली बार इन तीनों सीटों पर निर्दलीय विधायक जीते थे। बाद में वे त्यागपत्र देकर भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा ने इन तीनों को चुनाव मैदान में अपने प्रत्याशी के रूप में उतारा था, लेकिन उनमें से एक ही जीत हासिल कर सका। चूंकि लोकसभा चुनाव में इन तीनों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा बढ़त पर थी, इसलिए उसे इस पर विचार करना होगा कि ऐसे नतीजे क्यों आए? उत्तराखंड में जिन दो सीटों पर उपचुनाव हुए, उनमें से एक कांग्रेस के पास थी और एक बसपा के पास। इस बार दोनों सीटें कांग्रेस ने जीत लीं। इनमें से मंगलौर सीट तो भाजपा ने कभी नहीं जीती, लेकिन वह बदरीनाथ जीत सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। उपचुनावों की एक-एक सीटें बिहार, पंजाब, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु में थीं। इनमें से बिहार की रुपौली सीट निर्दलीय प्रत्याशी ने जदयू से छीन ली। यहां का चुनाव नतीजा जदयू के साथ-साथ राजद के लिए भी झटका है। यह सीट जदयू की जिन विधायक के राजद में शामिल होने से खाली हुई थी, वह चुनाव हार गईं। पंजाब में जालंधर पश्चिम सीट आम आदमी पार्टी ने अपने पास बरकरार रखी। इसी तरह तमिलनाडु की विक्रवंडी सीट भी डीएमके ने फिर से जीत ली। मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा सीट पिछली बार कांग्रेस के पास थी। उपचुनाव में भाजपा ने वह उससे छीन ली। इन उपचुनाव नतीजों की चाहे जैसी व्याख्या की जाए, भाजपा को विपक्ष के इस नैरेटिव का सामना तो करना होगा कि वह उस पर भारी पड़ा।

थाली तक पहुंचे अनाज

झारखंड के खाद्य आपूर्ति विभाग के मंत्री ने एक दिन पहले राजधानी रांची में स्थित अनाज गोदाम के औचक निरीक्षण में व्यवस्था की बदहाली देखी। जिस अनाज को गरीब की थाली तक पहुंचना चाहिए था, वह सड़कर नष्ट हो रहा है। बोरियों से भरे अनाज का वजन भी तय सीमा से कम है। यह स्थिति राज्य के खाद्य और आपूर्ति विभाग में व्याप्त लापरवाही बयां कर रही है। केंद्र से लेकर राज्य सरकार तक ने खाद्य सुरक्षा को अपना प्राथमिकता सूची में रखा है, लेकिन इसके भंडारण और वितरण की प्रक्रिया में गंभीर खामी देखी जा रही है। इसका सीधा खामियाजा गरीब जनता को उठाना पड़ रहा है। विभागीय मंत्री बन्ना गुप्ता ने इस मामले में कार्रवाई कर जिम्मेदार लोगों को नसीहत दी है, लेकिन यह कोई पहली गड़बड़ी नहीं है। जहां लोगों को समय पर अनाज नहीं मिल रहा और गरीबों को पर्यापत अनाज नहीं उपलब्ध हो, वहां अनाज का बर्बाद होना दुखद है। सरकार हजारों करोड़ रुपये की लागत से अनाज खरीदती है। गोदाम के अंदर इसे रखने के लिए मानक बनाया गया है। तकनीक की मदद से भी अनाज के संरक्षण और वितरण पर नजर रखी जाती है, लेकिन इस पूरे तंत्र का गैरजिम्मेदाराना रवैया समय-समय पर सामने आता रहा है। अगर गोदाम में रखे अनाज को जेसीबी की मदद से जमीन से निकालना पड़ रहा है तो यह कहीं से भी सही नहीं माना जा सकता। यही अनाज लोगों के भोजन का हिस्सा बनने वाला था। इसे खाने से लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर हो सकता था। अब राज्य सरकार और विभाग इससे सबक लेते हुए भंडारण की खामियों को दूर करने का प्रबंध करे।

गोदाम में रखे अनाज को जरूरतमंद की थाली तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए पूरे तंत्र को दुरुस्त करने की आवश्यकता है

रोजगार के सवाल का समाधान

संजय गुप्त

यह झूठ ही है कि रोजगार के मोर्चे पर विपक्ष शासित राज्यों में चुनौती नहीं और सारी समस्या केंद्र सरकार के स्तर पर एवं भाजपा शासित राज्यों में है

अवधेश राजपूत

लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस मोदी सरकार के प्रति किस तरह हमलावर है, इसका प्रमाण पिछले दिनों तब फिर मिला, जब राहुल गांधी ने गुजरात में नौकरी के लिए साक्षात्कार देने आए युवाओं की भीड़ का उल्लेख करते हुए कहा कि बेरोजगारी महामारी बन गई है और भाजपा शासित राज्य बेरोजगारी के गढ़ बन गए हैं। साफ है कि वह यह माहौल बनाना चाहते हैं कि रोजगार के मोर्चे पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में कोई चुनौती नहीं और सारी समस्या केंद्र सरकार के स्तर पर और भाजपा शासित राज्यों में है। ऐसा कोई आकलन झूठ ही कहा जाएगा, पर कांग्रेस और उसके सहयोगी दल अब झूठ का भी सहारा ले रहे हैं। कुछ दिनों पहले गोरखपुर में एक युवा की आत्महत्या पर भी विपक्षी नेताओं की ओर से यही झूठ फैलाया गया कि उसने नौकरी चली जाने के कारण आत्महत्या कर ली, जबकि उसने पारिवारिक कारणों से नौकरी छोड़ी थी।

भले ही भाजपा ने राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए यह कहा हो कि वह रोजगार के मामले में लगातार झूठ बोल रहे हैं, लेकिन इतना ही पर्याप्त नहीं। भाजपा और साथ ही उसकी केंद्र एवं राज्य सरकारों को इस झूठी धारणा के खिलाफ सक्रिय होना होगा कि रोजगार के अवसर कम हो रहे हैं। यह धारणा तथ्यों के विपरीत है। हाल में स्टेट बैंक आफ इंडिया के एक अध्ययन में यह कहा गया कि मोदी सरकार के दस साल के शासनकाल में मनमोहन सरकार की तुलना में कई गुना अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए। कुछ दिनों पहले रिजर्व बैंक ने एक विदेशी संस्था के आकलन को खारिज करते हुए यह बताया था कि पिछले वर्ष किस तरह 4.67 करोड़ नौकरियां बढ़ीं। रिजर्व बैंक के अनुसार बीते वित्त वर्ष तक देश में कुल नौकरियां बढ़कर 64 करोड़ से अधिक हो गई हैं, जबकि उसके पिछले वर्ष उनकी संख्या करीब 60 करोड़ थी।

यह सही है कि रोजगार के और अधिक अवसर पैदा करने की आवश्यकता है, लेकिन इस आवश्यकता की पूर्ति करना केवल केंद्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं। इसकी पूर्ति तो केंद्र और राज्यों, दोनों को मिलकर करनी होगी। इसके लिए दोनों को निजी क्षेत्र का सहयोग लेना और देना होगा। उन्हें यह देखना होगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं, जहां रोजगार के अधिक अवसर पैदा हो सकते हैं। निजी क्षेत्र में रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करके ही सरकारी नौकरियों के आकर्षण को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि युवाओं में कौशल विकास किया जाए। इसकी आवश्यकता इसलिए है, क्योंकि आज हुनर वाले कार्यों की जरूरत बढ़ गई है। अपने देश में ऐसे डिग्रीधारी युवाओं की संख्या बढ़ रही है, जिनके पास किसी तरह का हुनर नहीं और जिनकी शिक्षा-दीक्षा का स्तर ऐसा है कि उनमें से अनेक तो ढंग से एक आवेदन पत्र भी नहीं लिख सकते। एक समस्या यह भी है कि हुनर वाले अनेक कार्यों को या तो छोटा काम समझा जाता है या उन्हें हेय दृष्टि से देखा जाता है। इसी कारण कई उद्योग-धंधों को जैसे हुनरमंद युवाओं की आवश्यकता है, वैसे उन्हें नहीं मिल पाते। स्पष्ट है कि सामाजिक स्तर पर कहीं न कहीं यह संदेश देना होगा कि कोई भी कार्य छोटा नहीं होता और देश को सामान्य डिग्रीधारी युवाओं के मुकाबले हुनरमंद युवाओं की जरूरत अधिक है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि फिक्की और सीआइआइ जैसे संगठन यह कहते रहे हैं कि उन्हें जैसे कार्यकुशल युवा चाहिए, वैसे नहीं मिल पा रहे हैं। इसका मतलब है कि शिक्षा को कौशल विकास से जोड़ना होगा। क्या यह काम हो पा रहा है?

निजी क्षेत्र में रोजगार के और अधिक अवसर कैसे पैदा हों, इसके लिए पक्ष-विपक्ष के राजनीतिक दलों को मिलकर कार्य करने की जरूरत है, लेकिन दुर्भाग्य से विपक्षी दलों ने यह माहौल बना रखा है कि रोजगार के अवसर पैदा करना केवल केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। चूंकि अपने देश में स्वरोजगार और असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लोगों के सही आंकड़े नहीं मिल पाते, इसलिए यह माहौल बनाने में आसानी होती है कि रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं बन रहे हैं। नौकरियों के मामले में यह धारणा हमारे समाज में भी व्याप्त है कि रोजगार का मतलब सरकारी नौकरी होता है। विपक्षी दल भी यह माहौल बनाते हैं और इसी कारण हर कोई सरकारी नौकरी की ताक में रहता है। इस सच को सभी को स्वीकारना होगा कि कोई भी सरकार हो, वह हर किसी को सरकारी नौकरी नहीं दे सकती। इतनी सरकारी नौकरियां हैं ही नहीं कि सभी को समाहित किया जा सके। सरकारी नौकरियों के प्रति आकर्षण का एक बड़ा कारण यह मान्यता भी है कि ये नौकरियां सुरक्षा की गारंटी और आरामतलबी का पर्याय होती हैं। कुछ तो इन्हें अतिरिक्त कमाई का साधन मानकर चलते हैं। चूंकि औसत सरकारी कर्मचारी जवाबदेही से मुक्त हैं और उनके कार्यों का मुश्किल से ही आकलन होता है, इसलिए वे अपने काम के प्रति वैसी लगन और प्रतिबद्धता नहीं दिखाते, जैसी आवश्यक है। यही कारण है कि उनकी उत्पादकता कम है और शायद इसी वजह से अब केंद्र और राज्य सरकारों के अनेक विभाग आउटसोर्सिंग का सहारा लेने लगे हैं अथवा अनुबंध पर नौकरियां देते हैं। इसका एक कारण औसत सरकारी कर्मचारियों में जवाबदेही का अभाव भी है। यह किसी से छिपा नहीं कि अपने देश में यदि किसी को सरकारी नौकरी मिल जाती है तो वह तब भी चलती रहती है, जब संबंधित व्यक्ति अपना काम सही तरीके से नहीं करता।

यह सही समय है कि सरकारी नौकरियों को कार्यकुशलता एवं दक्षता की कसौटी पर कसा जाए। उचित यह होगा कि सरकारें ऐसी सेवा शर्तें बनाएं, जिससे सरकारी कर्मचारी जवाबदेह एवं जिम्मेदार बन सकें और जो यह मानकर चलते हैं कि ये नौकरियां आरामतलबी का पर्याय हैं, उन्हें यह आभास हो सके कि सरकारी कर्मचारी के रूप में यदि वे अपना काम सही तरह नहीं करेंगे तो निजी क्षेत्र के कर्मियों की तरह उनकी भी नौकरी खतरे में पड़ सकती है। ऐसा करके ही सरकारी नौकरियों के प्रति अनावश्यक चाहत को कम किया जा सकता है।

response@jagran.com

गठबंधन के खूंटे से बंधी राजनीति

हास्य-व्यंग्य

सूर्यकुमार पांडेय

दलों के गठबंधन टिकाऊ भले ही न हों, उनके बिकाऊ होने का खतरा बराबर बना रहता है

यह गठजोड़ और गठतोड़ की राजनीति का समय है। शादी वाले गठबंधन में तो सात जन्मों तक साथ निभाने का वचन भरा जाता है, लेकिन राजनीतिक दलों के गठबंधनों में सात दिनों तक भी साथ में बने रहने की गारंटी नहीं होती है। दलों के गठबंधन टिकाऊ भले ही न हों, उनके बिकाऊ होने का खतरा बराबर बना रहता है। गठबंधन हमारे जीवन का वह खूंटा है, जिससे बंधने से कम लोग ही बच पाते हैं।

सच कहूं तो मेरे जीवन की प्राथमिकताओं में भी राजनीति और विवाह ही प्रमुख रहे हैं। मैं जब से बालिग हुआ हूं, दो ही किस्म की तमन्नाएं संजोए हुए हूं। पहली, किसी कमाऊ कन्या का चुनाव कर उससे गठबंधन करने की और दूसरी, किसी भरोसेमंद पार्टी का टिकट हथियाकर चुनाव में खड़ा होने की। मेरे दोनों इरादे अभी तक कुंवारे हैं। मैं अब तक न किसी रोजगार प्राप्त कन्या का हाथ थाम पाया हूं और न ही एक भी विश्वसनीय राजनीतिक दल मेरे हाथ लग पाया है। संकट है और मैं इसमें अवसर की तलाश में लगा हूं। मेरे एक मित्र कहते हैं, 'अविवाहित रह कर तो तब भी जिया जा सकता है, मगर जिसके दिल में एक बार एमपी-एमएलए वगैरह बनने की हुड़क जाग जाए, वह इश्क का मारा, न चैन से जी पाता है, न ही मर पाता है। यह एक ऐसी अनंत प्यास है, जो समूचा समंदर सोखने के बाद मृत्यु के पश्चात भी शांत नहीं होती है। भले ही वह हमें दिखाई नहीं पड़ती है, लेकिन प्रत्येक कुर्सी के इर्दगिर्द अतृप्त आत्माओं की खोपड़ियां मंडराती ही रहती हैं। इधर जीवित लोग सत्ता और पद के लिए सिर पटकते हैं। जिनको कुर्सी मिल जाती है, उनकी जय जयकार होने लगती है और जो इससे वंचित हो जाते हैं, वे सरकार की हर बात का विरोध करने लग जाते हैं।'

इस बार के लोकसभा चुनाव में मैं अपनी दूसरी वाली तमन्ना पूरी करना चाहता था। मैं हमेशा की तरह तमाम कोशिशें करता रहा, लेकिन राष्ट्रीय स्तर की तो दूर, जिला स्तर की भी किसी राजनीतिक पार्टी ने घास नहीं डाली। वैसे भी इस हार्स ट्रेडिंग के जमाने में अब घास नहीं, हरे पत्ते खिलाने का चलन है। हर तरफ से धकियाए जाने के बाद मैंने एक निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन-पत्र दाखिल करने की हिम्मत की, लेकिन कोई प्रस्तावक तक नहीं मिला। एक-दो को पटाया भी, मगर उनके अपने नाम ही वोटर लिस्ट में नहीं थे। वे लोग मुझसे ही अपेक्षा कर रहे थे कि मैं किसी जुगाड़ से उनको ईवीएम माता के दर्शन करा दूं। मैंने उनसे कहा, 'चलो, पहले आप लोगों को मंदिर के दर्शन करा लाता हूं। हो सकता है, कृपा वहीं पर अटकी हुई हो।' वे लोग समझदार थे। उनको मेरी हैसियत का अंदाजा हो गया था। वे मुझको लगभग दुत्कारते हुए कहने लगे, 'अपनी राजनीति में धर्म को मत लाओ। बस, हमें मतदाता बनवा दो।' मैं आज तक अपना राशन कार्ड तो बनवा नहीं पाया, उनका वोटर कार्ड क्या ही बनवा पाता? मुझे मन मसोसकर रह जाना पड़ा। काश, मैं शादीशुदा होता, तो कम-से-कम मेरे ससुराल वाले ही प्रस्तावक बन जाते। और तो और, इस बार बहुत सारी पार्टियां महिलाओं को प्रत्याशी बनाना चाहती थीं। मेरे शुभचिंतक भी कहते हैं, 'तुम्हारे घर में भी एक नारी-शक्ति होती तो हम लोग मिल-जुलकर कोशिश करते और भाभी जी को टिकट दिलवा देते। फिर वह लड़तीं और जीततीं। अब चाहे वह विजयी होतीं या तुम, बात तो एक ही थी।'

पिछले वर्षों में ग्राम पंचायत के चुनाव में कितनों ने अपनी पत्नियों को ग्राम प्रधान बनवा दिया। खुद पत्नी के दस्तखत बनाकर ग्राम प्रधानी कर रहे हैं। भला पत्नियों से बढ़कर विश्वसनीय और कौन मिल सकता है? वे कम पढ़ी हों तो और बढ़िया। जहां चाहो, अंगूठा लगवा लो। कोई ऊंच-नीच हो जाए, तो वे कहेंगी, 'हमें क्या मालूम। उन्होंने जहां कहा था, वहां पर छापा लगा दिया। वह तो गठबंधन के पहले ही मेरा हाथ मांग ले गए थे।'

response@jagran.com

तथ्य-कथ्य | लोकतंत्र के प्रति जनता की संतुष्टि का स्तर

(आंकड़े प्रतिशत में)

देश	संतुष्टि (%)
अमेरिका	31
फ्रांस	35
ब्रिटेन	39
कनाडा	52
जर्मनी	55
नीदरलैंड्स	58
आस्ट्रेलिया	60
स्वीडन	75
भारत	77
सिंगापुर	80

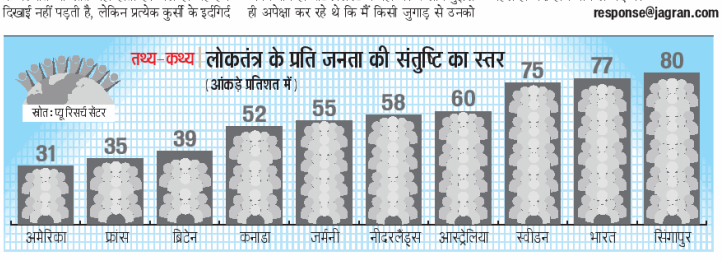

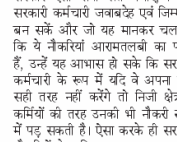

स्रोत: प्यू रिसर्च सेंटर

ऊर्जा

सम्मान

प्रत्येक व्यक्ति सम्मान का अधिकारी है। अल्प बुद्धि, उथले ज्ञान और प्रभु में पूर्ण आस्था न होने के कारण अनेक व्यक्तियों को स्वयं तथा दूसरों में ईश्वरीय तत्व का बोध नहीं हो पाता। यह स्थिति उन्हें आत्म-सम्मान बनाए रखने, स्वयं के प्रति आश्वस्त रहने और जीवन के बहुविध आनंद उठाने में बाधक बनती है। दूसरे को सम्मान देने वाला अपने सम्मान का मार्ग प्रशस्त करता है।

प्रतिष्ठा, संपन्नता या बल के आधार पर या दूसरे को भय दिखा कर बनावटी सम्मान मिलता है। असल सम्मान हृदय से उपजता है। सम्मान देने की प्रक्रिया में भाव प्रधान है। इसमें आडंबर के लिए स्थान नहीं है। ''मैं आपका सम्मान करता हूं'' कहने से किसी को सम्मान नहीं दिया जाता। भाव-भंगिमा, बोलने की शैली और व्यवहार से झलक जाता है कि आप दूसरे को सम्मान देते हैं। सम्मान और प्रेम संबंधों की धुरी हैं। ये जीवन को अर्थ देते हैं। इनके अभाव में व्यक्ति की आध्यात्मिक मृत्यु हो जाती है। सम्मान देने और पाने वाले, दोनों धन्य होते हैं।

सृष्टि का नियम है, जो देंगे-सम्मान, प्रसन्नता, सुख, आश्रय, प्रेम या फिर तिरस्कार कष्ट, दुख, घृणा, वैमनस्य-वही आपको लौट कर वापस मिलेगा। दूसरों का सम्मान करेंगे तो हमारा जीवन तनावरहित, सुख-शांति से बीतेगा। यह नियम स्वयं पर भी लागू है। स्वयं को हेय मान लेंगे तो दूसरों की श्रेष्ठजनों की श्रेणी में नहीं रहेंगे। सम्मान आदेश दे कर नहीं मिलता, अपने आचरण और व्यवहार से अर्जित किया जाता है। आप कितना भी ज्ञानी या साधन-संपन्न हों, सम्मान तभी मिलेगा जब आप दूसरों के हित में सोचेंगे, करेंगे। दूसरों की आवश्यकता के अनुरूप जब आप उन्हें देते हैं तो उनके सम्मान के भागी बनते हैं। जो आपको कोई लाभ नहीं दे सकता उसे सम्मान देना उच्चतम श्रेणी का कार्य है। जीवन बहुत लंबा नहीं है, प्रत्येक क्षण का सम्मान करें।

हरीश बड़थ्वाल

सौरमंडल के बाहर जीवन की संभावना

मुकुल व्यास

समशीतोष्ण ग्रह से आशय एक ऐसे ग्रह से है, जो तापमान की दृष्टि से जीवन के लिए आवास योग्य है

पृथ्वी से 50 प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित आंख की पुतली जैसा ग्रह जीवन के लिए आवास योग्य हो सकता है। खगोल विज्ञानियों का कहना है कि यह ग्रह हमारे सौरमंडल के बाहर तरल पानी की संभावनाओं से युक्त दिख रहा है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने पता लगाया है कि कई साल पहले खोजे गए इस बाहरी ग्रह के मध्य में आंख की पुतली जैसा ठोस बर्फ का समुद्र है। एलएचएस-1140बी नामक इस बाहरी ग्रह की खोज सबसे पहले 2017 में हुई थी। शुरू में इसे पानी, मीथेन और अमोनिया के घने मिश्रण वाला ''मिनी-नेप्च्यून'' माना गया था, लेकिन नए निष्कर्षों से पता चलता है कि यह ग्रह विज्ञानियों के अनुमान से कहीं ज्यादा बर्फीला और तरबतर है। इसका अर्थ यह है कि वहां की परिस्थितियां जीवन के लिए सहायक हो सकती हैं।

मांट्रियल विश्वविद्यालय के विज्ञानी चार्ल्स कैडियू का कहना है कि इस समय ज्ञात सभी बाहरी समशीतोष्ण ग्रहों में एलएचएस-1140बी ग्रह हमारे सौरमंडल से परे एक पारलौकिक दुनिया की सतह पर तरल पानी की अप्रत्यक्ष रूप से पुष्टि करने के लिए सबसे अच्छा अवसर प्रदान कर सकता है। समशीतोष्ण ग्रह से आशय एक ऐसे ग्रह से है, जो तापमान की दृष्टि से जीवन के लिए आवास योग्य है। इस बाहरी ग्रह का अध्ययन करने के लिए शोधकर्ताओं ने जेम्स वेब टेलीस्कोप के नियर-इन्फ्रारेड इमेजर और स्लिटलेस स्पेक्ट्रोग्राफ का उपयोग किया। ये उपकरण टेलीस्कोप को ग्रह की विशेषताओं का आकलन करने में सक्षम बनाते हैं। तारे से आने वाला प्रकाश ग्रह के वायुमंडल से होकर पृथ्वी तक पहुंचता है। खगोलविदों ने अवशोषित प्रकाश की वेव लेंथ को देखकर इस ग्रह पर नाइट्रोजन के संकेत देखे, जो पृथ्वी के वायुमंडल में एक प्रमुख घटक है। ग्रह बहुत घना नहीं है। अतः इस ग्रह के चट्टानी होने की संभावना नहीं है। ग्रह का अधिकांश भाग बर्फ से ढका हुआ है, लेकिन शोधकर्ताओं ने पाया कि आंख की पुतली जैसे हिस्से पर सतह का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। यह तापमान बर्फीली दुनिया पर समुद्री जीवन के लिए रहने योग्य जलाशय बनाने के लिए पर्याप्त रूप से गर्म है।

टेलीस्कोप को इस ग्रह पर पृथ्वी जैसे वायुमंडल का पता लगाने के लिए अपनी अधिकतम क्षमताओं का उपयोग करना होगा। ग्रह पर वायुमंडल का पता लगाना संभव है, लेकिन इसके लिए बहुत अधिक समय की आवश्यकता है। नाइट्रोजन युक्त वायुमंडल का संकेत अधिक डाटा के साथ पुष्टि की मांग करता है। इसके लिए कम से कम एक और वर्ष के अवलोकन की आवश्यकता है कि एलएचएस-1140बी में वायुमंडल है। वहां कार्बन डाईआक्साइड का पता लगाने के लिए संभवतः दो या तीन और वर्ष और लगेंगे।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

राजरंग

नेताजी से मिलते जाना

कहा जाता है कि लोग उगते सूरज को ही सलाम करते हैं, लेकिन नेता तो इससे भी दो कदम आगे हैं। वे उगते सूरज का इंतजार नहीं करते, बल्कि संभावनाओं की लालिमा देखकर ही दंडवत होने लगते हैं। उनकी फितरत को इस प्रसंग से समझा सकता है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल पूरा हो चुका है। अब चूंकि वह केंद्र में मंत्री बन गए हैं तो इन अटकलों ने और जोर पकड़ लिया है कि अगला अध्यक्ष कौन? दौड़ में कुछ नाम चर्चा में हैं, जिनके दफ्तर के बाहर मिलने वालों की भीड़ बढ़ गई है। हाल में एक राष्ट्रीय पदाधिकारी के पास मध्य प्रदेश के कुछ नेता आए। पदाधिकारी के सहयोगी ने तपाक से पूछा- नेताजी से मिल लिए? उन्होंने मना किया तो गुरुमंत्र दिया कि नेताजी अध्यक्ष पद की दौड़ में आगे हैं। हाय-हैलो करते रहो, क्या पता कि कल यही अध्यक्ष बन जाएं। दुआ-सलाम की यह सलाह महाराष्ट्र से ताल्लुक रखने वाले पार्टी के एक राष्ट्रीय पदाधिकारी के लिए थी।

कठिन परीक्षा

सांसद बनने के बाद अक्सर राजनेता इतराते दिखते हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी के सांसद इन दिनों कड़ी परीक्षा के दौर से गुजर रहे हैं। उनके सामने हर पल खुद को सतर्क और सक्रिय दिखाने की चुनौती है। वजह संसद के दोनों ही सदनों में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी है। लोकसभा जहां खुद राहुल गांधी की मौजूदगी रहती है, वहीं राज्यसभा में सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी रहती है। ऐसे में दोनों ही सदनों में शीर्ष नेतृत्व के सामने पार्टी सांसद अपनी सक्रियता दिखाने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते। इन सभी में इसे लेकर जबरदस्त होड़ सी लगी है। हाल में संसद सत्र के दौरान पार्टी सांसदों की अचानक से बढ़ी इस सक्रियता को सभापति ने भी नोटिस किया। उन्होंने सीधे तो कुछ नहीं कहा, लेकिन घुमा फिराकर यह कहने से नहीं चूके कि हम देख रहे हैं कि इस बार सदन में किसी सदस्य के आने के बाद बाकी सदस्यों को रवैया बदला-बदला है। देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस सांसदों के बीच शीर्ष नेतृत्व के सामने खुद को सक्रिय दिखाने की यह होड़ कितनी लंबी चल पाती है।

बढ़ता संशय

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर संशय बढ़ता जा रहा है। जेपी नड्डा का कार्यकाल लोकसभा चुनाव को देखते हुए 30 जून तक बढ़ाया गया था। माना जा रहा था कि जनवरी में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव तक के लिए किसी को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। जैसा कि 2014 में अमित शाह और 2019 में जेपी नड्डा को कार्यकारी अध्यक्ष बना कर किया गया था, लेकिन अभी तक कार्यकारी अध्यक्ष को लेकर कोई सुगबुगाहट नहीं देखी जा रही है। इस बीच सभी राज्यों के प्रभारियों की भी नियुक्ति कर दी गई है। नड्डा राज्यों की कार्यसमिति की बैठकें ले रहे हैं। 22 जुलाई से संसद का बजट सत्र शुरू होने को देखते हुए कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति का फैसला टलने के कयास भी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में भाजपा नेताओं का एक वर्ग नए अध्यक्ष के चुनाव तक जेपी नड्डा के ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहने का दावा कर रहा है, लेकिन इस दावे के बीच पार्टी में कोई भी नेता भरोसे से कुछ कहने की स्थिति में भी नहीं है।

एक साथ दो काज

नए कृषि मंत्री शिवराज सिंह कार्यभार संभालने के बाद रह तो कहीं भी सकते थे, लेकिन उन्होंने अपने अस्थायी निवास के तौर पर आइसीएआर के पूसा संस्थान का ही चयन किया। एक महीने से भी ज्यादा का समय हो गया और वह वहीं से अपना काम कर रहे हैं। इससे काफी कौतहूल भी है। बताया जा रहा है कि यह फैसला उनका स्वयं का है। वह मानते हैं कि भारत के कृषि क्षेत्र की नब्ज समझने और इसे आधुनिक बनाने की सीख लेने के लिए इस विश्वस्तरीय संस्थान से बेहतर कोई और जगह नहीं हो सकती। पूसा इंस्टीट्यूट न सिर्फ कृषि क्षेत्र में अपने शोध, बल्कि कृषि भवन में होने वाली राजनीति के लिए भी प्रख्यात है। जानकार बता रहे हैं कि कृषि मंत्री एक पंथ-दो काज कर रहे हैं। एक तरफ तो कृषि क्षेत्र का अध्ययन हो रहा है और दूसरी ओर कृषि से जुड़ी राजनीति के दांव-पेच को भी समझा जा रहा है।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

आजकल

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

हिटलर से बड़ा तानाशाह स्टालिन

हिंदी साहित्य से जुड़े कुछ लोगों ने लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद फेसबुक पर स्तरहीन विवाद छेड़ दिया है। तमाम साहित्यसेवी एवं अनेक लेखक अपनी व्यक्तिगत कुंठा का सार्वजनिक प्रदर्शन करते हुए स्तरहीन टिप्पणियां कर रहे हैं। इस सबके बीच हिटलर और स्टालिन को भी इसमें शामिल करते हुए एक नए प्रकार की वैचारिक बहस छेड़ने का प्रयास दिखा। परंतु यह भी समझा जाना चाहिए कि जब भी किसी दो व्यक्ति में तुलना होती है, तो उसका पैमाना तय किया जाता है। लिहाजा इस विषय पर चर्चा उसी अनुरूप होनी चाहिए

एडोल्फ हिटलर।

जोसेफ स्टालिन।

लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद से फेसबुक पर हिंदी साहित्य से जुड़े लोगों ने ऐसा स्तरहीन विवाद छेड़ा हुआ है जिससे साहित्य जगत शर्मसार हो रहा है। सतही, व्यक्तिगत और अश्लील टिप्पणियों की भरमार है। लोग एक दूसरे से अपनी खुंदक में किसी भी हद तक जा रहे हैं। हिंदी साहित्य से जुड़े युवा और नवोदित वृद्ध पीढ़ी के अनेक लेखक व्यक्तिगत कुंठा का सार्वजनिक प्रदर्शन करते हुए स्तरहीन टिप्पणियां कर रहे हैं। इन टिप्पणियों से साहित्य जगत बजबजा रहा है। आभासी दुनिया के इस घटिया वातावरण में जनवादी लेखक संघ (जलेस) से जुड़े संजीव कुमार ने फेसबुक पर बहुत ही चतुराई से एक बहस को आरंभ करने का प्रयास किया। चतुराई इस कारण कि उन्होंने हिटलर और स्टालिन की तुलना करने के लिए एक पुस्तक के अनुदित अंश का हवाला दिया। हिटलर और स्टालिन को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार बहस हो चुकी है और हर बार निष्कर्ष यही निकला था कि दोनों क्रूर तानाशाह थे। परंतु यह माना जाता है कि वैचारिक मुद्दे 20 साल बाद हर पीढ़ी के सामने अपने अपने तरीके से रखे जाने चाहिए। इससे युवाओं के विचारों को प्रभावित करने और उसे गढ़ने में मदद मिलती है। कम्युनिस्ट प्रचारक बहुधा इस प्रविधि का उपयोग करते रहते हैं। अब भी कर रहे हैं। परंतु संजीव की इस बात के लिए प्रशंसा करनी चाहिए कि फेसबुक पर साहित्य को लेकर जिस तरह की गंदगी हो रही है, उसमें उन्होंने एक वैचारिक मुद्दा तो उठाया। संजीव कुमार की इस टिप्पणी पर जैसी प्रतिक्रिया आ रही है, वह भी निराश ही करती है। वामपंथ से जुड़े लेखकों की उनकी पोस्ट पर टिप्पणियों को पढ़कर लगता है कि वे लहालोट हो रहे हैं।

अब हिटलर और स्टालिन की तुलना पर आते हैं। संजीव ने अनुवाद का अंश लगाने के पहले एक टिप्पणी लिखी– एक ही सांस में हिटलर और स्टालिन दोनों का नाम लेना इन दिनों बहुत आम है। कई उदारपंथी बुद्धिजीवियों ने तो बीच में ठीक-ठाक कोशिश की कि नरेन्द्र मोदी के प्रसंग में बार-बार याद किए जाने वाले हिटलर को स्टालिन से रिप्लेस कर दिया जाए। इसे देखते हुए आइजक डाटशर की किताब ''स्टालिन : अ पोलिटिकल बायोग्राफी'' का एक हिस्सा बहुत दिनों से अनुवाद करके साझा करना चाहता था। टलते-टलते आज संयोग बना है। जो लोग आइजक डाटशर से परिचित न हों, उनके लिए इतना जानना काफी होगा कि वे एक पोलिश मार्क्सवादी थे, जो 1932 में वहां की कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित हुए, वर्ष 1939 में इंग्लैंड चले गए और फिर आजीवन आत्मरोपित निर्वासन में ही रहे। वे ट्रोट्स्की के मुरीद थे और तीन खंडों में उन्होंने ट्रोट्स्की की जो जीवनी लिखी है, वह आधुनिक क्लासिक मानी जाती है, उससे पहले, 1949 में उन्होंने स्टालिन की जीवनी लिखी, जो जाहिर है काफी आलोचनात्मक है। यह अंश उसी के आखिरी अध्याय से है। अनुवाद का अंश लंबा है, लेकिन संजीव उसके बहाने यह साबित करना चाहते हैं कि हिटलर की क्रूरता विध्वंस के लिए थी, जबकि स्टालिन की निर्माण के लिए। अनुवाद में कहा गया है कि हिटलर जिस जर्मनी को छोड़कर गया, वह दरिद्र और वहशी था। वहीं स्टालिन के शासनकाल में रूस का विकास हुआ। अब जरा इसकी पड़ताल करनी चाहिए। आगे बढ़ने से पहले यह देख लेते हैं कि हिटलर का कालखंड क्या था और स्टालिन का क्या था। हिटलर वर्ष 1933 से 1939 के दौरान सत्ता में रहा। जबकि स्टालिन ने 1924 से 1953 तक सोवियत रूस पर राज किया। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि संजीव स्टालिन के संबंध में एक मार्क्सवादी लेखक का ही उद्धरण दे रहे हैं।

असली कहानी तो इसी कालखंड में है। स्टालिन और हिटलर में कोई दुश्मनी नहीं थी। बल्कि कहा तो यह जाता है कि हिटलर ने बर्बरता के तरीके जोसेफ स्टालिन से सीखे। जब हिटलर जर्मनी का चांसलर बना, तब तक स्टालिन ने रूस में अपनी सत्ता की जड़ें मजबूत कर ली थीं। दोनों एक दूसरे से बर्बरता व अधिनायकवाद सीख रहे थे। होलोकास्ट ब्रिटानिका से पता चलता है कि 23 अगस्त 1939 को हिटलर और स्टालिन ने एक समझौता किया। इस पर जर्मनी और सोवियत रूस के विदेश मंत्रियों ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते को हिटलर-स्टालिन समझौता कहा जाता है। हिटलर और स्टालिन के बीच हुए इस समझौते के दो भाग थे। एक भाग सार्वजनिक किया गया और दूसरे को गोपनीय रखा गया। जो भाग सार्वजनिक किया गया, उसमें समझौता यह था कि दोनों देश एक दूसरे पर आक्रमण नहीं करेंगे। पर खतरनाक हिस्सा वह था जिसे उस समय गोपनीय रखा गया था। गोपनीय हिस्सा था– पूर्वी यूरोप में दोनों देशों का दबदबा बनाना और पोलैंड का आपस में बंटवारा करना। यह समझौता 10 वर्षों के लिए किया गया था और अगर दोनों में से किसी देश से आपत्ति नहीं आती तो अगले पांच वर्षों तक यह स्वतः बढ़ जाता। समझौते के एक ही सप्ताह बाद जर्मनी ने पोलैंड पर हमला कर दिया। वहीं सोवियत रूस ने पूर्वी दिशा से पोलैंड पर हमला कर दिया। फिर दोनों ने गोपनीय समझौते के अनुसार पोलैंड को आपस में बांट लिया। कई इतिहासकार हिटलर को द्वितीय विश्वयुद्ध के लिए जिम्मेदार मानते हैं, लेकिन कुछ लोग हिटलर-स्टालिन समझौते को विश्वयुद्ध की जमीन तैयार करने वाला बताते हैं, क्योंकि इस समझौते के बाद ही सोवियत रूस ने फिनलैंड, लातविया आदि पर कब्जा किया। इससे यह साबित होता है कि स्टालिन और हिटलर में सहमति थी। दोनों ने पूर्वी यूरोप को आपस में बांटने पर सहमति जताई थी और उसके लिए समझौता भी किया था।

अब रही बात देश के निर्माण और विध्वंस की। जर्मनी के विश्वविद्यालयों और विज्ञानियों को खत्म करने की बात होती है और हिटलर को जिम्मेदार बताया जाता है। यह बताते हुए वामपंथी लेखक इस बात को सुविधानुसार तरीके से भुला देते हैं कि हिटलर यहूदियों को समाप्त कर रहा था। उस समय के जर्मनी में शिक्षा, विज्ञान, साहित्य, मनोरंजन के क्षेत्र में यहूदियों का बोलबाला था। हिटलर को यहूदियों को मारना था तो जो उसके सामने आया, मारा गया। इससे भी खतरनाक और बर्बर कार्रवाई तो स्टालिन ने की। वर्ष 1937 में स्टालिन ने 'द ग्रेट पर्ज' की आड़ में अपने राजनीतिक विरोधियों व किसानों का जो नरसंहार किया, उसे नहीं भूलना चाहिए। स्टालिन ने जातीय नरसंहार किया जिसमें 10 लाख से अधिक लोगों का कत्ल किया गया।

जब भी किसी दो व्यक्ति में तुलना होती है तो उसका पैमाना तय किया जाता है। किसी भी पैमाने पर स्टालिन जर्मन तानाशाह हिटलर से अधिक बर्बर, क्रूर, शातिर और वैश्विक समाज के लिए खतरनाक दिखाई देता है। स्टालिनवादी राजनीति मार्क्सवादियों से अधिक हिंसक है। बार बार इस बात का प्रयास किया जाता है कि हिटलर की तुलना में स्टालिन रचनात्मक दिखे। 25 जून को केंद्र सरकार ने 'संविधान हत्या दिवस' घोषित किया है। उसके बाद से ही यह प्रयास दिखने लगा है कि कैसे आपातकाल को उचित ठहराया जाए। ऐसे तर्क गढ़े जाएं जिससे यह लगे कि इंदिरा गांधी ने परिस्थितियों से मजबूर होकर देश पर इमरजेंसी थोपी।

खरी खरी

बरखा का अद्भुत सौंदर्य

शरद उपाध्याय

कुछ दिन पहले हम पानी की बूंद-बूंद को तरस रहे थे और आज आलम यह है कि पानी की बूंदों ने ही कहर मचा दिया है। चारों ओर बारिश का भरपूर नजारा देखने को मिल रहा है। चंद बूंदों ने सबकुछ बदल दिया है। वातावरण अत्यंत सुहावना लग रहा है। चारों ओर गंदे पानी के भरे हुए गड्ढे कितने सुंदर लग रहे हैं। गर्मी के दिनों में सूखे गड्ढे, जो गहराई दिखने के कारण शर्मिंदा थे, अब लबालब भरे हुए पानी ने उन्हें ढक लिया है।

पहली ही बारिश में भ्रष्टाचार के कारण पुलों की असामयिक मृत्यु होने लगी है। निर्माण मेडिकल रिपोर्ट में सभी पुलों की आयु 50 वर्ष होने की गारंटी दी गई थी। अभी तो पुलों के हाथ की चूने की पोताई रूपी मेंहदी भी नहीं छूटी और वे असमय भगवान को प्यारे हो गए। वैसे इस घटना से सड़क बनाने वाले ठेकेदार प्रसन्न हैं। जो सड़क स्वाभाविक रूप से टूटने के लिए ही निर्मित हुई थी, अब उसका श्रेय वे वर्षा को देकर प्रसन्न हैं। अधिकारीगण भी खुश हैं। टेंडर खुलेंगे तो उनके घर में भी खुशियों की बहार आएगी। पहले जो लोग सड़कों की दुर्दशा से दुखी थे, वे यही सोचकर सुखी हैं कि भविष्य में एक दिन फिर इन पर डामर की महीन चादर फिर चढ़ेगी। और फिर सड़कें, सड़कें न लगकर राजनीति का मैदान प्रतीत हो रही हैं। यहां पर आदमी चल कम रहा है, फिसल अधिक रहा है। इस पर मिट्टी और कीचड़ पर्यावरण चेतना को बढ़ावा दे रहा है। अब पर्यावरणवादी चारों ओर कंक्रीट के जंगल का रोना नहीं रो रहे, क्योंकि सभी जगहें कीचड़ और मिट्टी से ढकी हुई हैं। यह भविष्य के प्रति अच्छे संकेत हैं। हम एक सुनहरे कल की ओर बढ़ रहे हैं। हमारी अद्भुत सड़कें कल से न केवल चलने के काम आएंगी, बल्कि इन पर छाई मिट्टी पर हम खेती भी कर सकेंगे।

थोड़ी सी बारिश में ही प्राकृतिक सौंदर्य के अद्भुत नजारे देखने को मिल जाते हैं। जगह-जगह सड़कों पर इतना पानी भर जाता है कि आदमी घर की बालकनी से बाहर झांकता है, तो लगता है कि वह अपने मकान में नहीं, बल्कि किसी झील के किनारे है। यहां समानता के भी दर्शन होते हैं। बरसों से सड़क, नाली से विरह में व्याकुल थी। अब वह उसे पाकर अत्यंत खुश है। नालियां सड़क पर आ गईं या सड़क नाली पर, इस बात के लिए गूढ़ विश्लेषण की आवश्यकता है। कचरा अब स्वतंत्र विचरण कर रहा है। जो कचरा पहले केवल सड़क पर भटककर दम तोड़ देता था, वह अब वर्षा के जल का आभारी है, क्योंकि उसकी वजह से वह हर जगह पहुंचा हुआ है।

शहर में छाए इस अद्भुत नजारे से लोग अत्यंत भावुक हो गए हैं। उनकी आंखें भीगी हुई हैं। उनके आंसू थम नहीं पा रहे हैं। आई फ्लू के दिन आ गए। डाक्टर प्रफुल्लित हैं और क्लीनिक पर भीड़ लगने का मौसम आ गया। डेंगू और स्वाइन फ्लू, जिन्हें लोगों ने बिल्कुल ही भुला दिया था। अब पुनः अपने लोगों के बीच पधारने की तैयारी कर रहे हैं।

पशुओं का सूखा भी अब खत्म हो गया है। नाना प्रकार के पशु, जो प्रायः सड़कों पर बैठे रहते थे, पूर्व में उन्हें गर्मी दूर करने के लिए पोखर व गड्ढों की तलाश में न जाने कितने किलोमीटर घूमना पड़ता था। अब उनकी परेशानियां दूर हो गई हैं। सड़कें ही छोटे-मोटे पोखर व गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। वे इतने मजे में हैं कि वहीं चर लेते हैं और वहीं मल-मूत्र विसर्जन कर लेते हैं। उनके इस कर्म से वातावरण सुगंधमय हो गया है। सड़कों पर जगह-जगह पड़े हुए गोबर व मिट्टी को देखकर गांव के लिपे-पुते आंगन याद आ रहे हैं। वर्षा ने चारों ओर एक अद्भुत माहौल बना दिया है। सब कुछ सुहाना लग रहा है। (लेखक व्यंग्यकार हैं)

X पोस्ट

जो कहते हैं, संविधान खतरे में है, वे अब हर साल 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाएं।
मीनाक्षी जोशी@IMinakshiJoshi

भारत में एक शब्द प्रचलित है 'धूमधाम'। इसके साथ में जो दूसरा शब्द खयाल में आता है, वह है शादी। भारत में हर कोई अपने बच्चों की शादी में अपनी औकात से ज्यादा खर्च करता है, अपने वैभव के प्रदर्शन के लिए।
अनुरंजन झा@anuranjanj

अंबानी के बेटे की शादी में वे सब दौड़े-दौड़े पहुंचे, जो अंबानी-अदाणी को पानी पी पी कर कोसते थे। कथनी-करनी का अंतर इसे ही कहते हैं? सूर्य प्रताप सिंह@suryapsingh_IAS

कुछ लोग तर्क दे रहे हैं कि आज देश की 70 प्रतिशत आबादी 1975 के बाद जन्मी है तो ऐसे में आपातकाल की याद में संविधान हत्या दिवस मनाने का क्या औचित्य? उनके तर्क को मानें तो फिर देश की 90 प्रतिशत आबादी 1947 के बाद जन्मी है, ऐसे में स्वतंत्रता दिवस भी नहीं मनाया जाना चाहिए।
आर जगन्नाथन@TheJaggi

शिक्षा को सुधारने की जरूरत नहीं है, बल्कि शिक्षा को मुक्त करने की आवश्यकता है। एक छात्र को बस परिवेश दीजिए। क्लासरूम और आयातित बौद्धिक बोझ से हल्का कीजिए। बाकी उसकी नैसर्गिक प्रतिभा पर छोड़ दीजिए। वह मुक्त होते ही अपना कार्य करेगा। डरें नहीं, विश्व में लाखों सफल प्रयोग ऐसे ही हो रहे हैं।
सुमंत@sumantkabir

जागरण जनमत

कल का परिणाम

आपातकाल के स्मरण में 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाने का फैसला सही है?

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या विभिन्न राज्यों में विधानसभा उपचुनावों के नतीजे भाजपा के लिए चिंता का विषय हैं?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

मीसा में जो बंद थे कांग्रेस के राज,
पिछलग्गू वे ही बने कांग्रेस के आज।
कांग्रेस के आज उसी की करें वकालत,
लालू जी भी भूल गए अब अपनी हालत!
स्वयं बैठकर जेल पढ़े हनुमान चलीसा,
जब लेकर के जन्म पधारीं बेटी मीसा!!
– ओमप्रकाश तिवारी

रचनाकर्म

भारत के प्राचीन ज्ञान का विश्वकोश

सुकांत सौरभ

भारतीय प्राचीन संस्कृत साहित्य को अध्यायों में समेटते हुए यह पुस्तक वेदों, पुराणों, ब्राह्मण ग्रंथों, उपनिषदों, आरण्यकों, रामायण, महाभारत आदि सनातन ग्रंथों में उल्लिखित आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के संदर्भों की विवेचना करती है...

पुस्तक : कालजयी भारतीय ज्ञान
लेखक : भगवती प्रकाश शर्मा
प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन
मूल्य : 400 रुपये

विश्व की प्राचीनतम संस्कृति यानी भारतीय संस्कृति ज्ञान प्रधान रही है। हमारा प्राचीन साहित्य भी किसी संप्रदाय विशेष के कर्मकांड पर केंद्रित नहीं है, बल्कि मानव के लिए उपयोगी ज्ञान का कोष है। अमेरिकी इतिहासविद मार्क ट्वेन के अनुसार, आज के आधुनिक ज्ञान-विज्ञान की भी कई जानकारियां प्राचीन भारतीय हिंदू साहित्य में मिल जाती हैं और यह भी संभव है कि भविष्य में होने वाले नए अनुसंधानों और आविष्कारों के भी कई संदर्भ प्राचीन भारतीय शास्त्रों में मिल जाएं। इसका उद्देश्य हमेशा से विश्व मंगल और मानव कल्याण रहा है। लेखक भगवती प्रकाश शर्मा ने अपनी पुस्तक 'कालजयी भारतीय ज्ञान' में हमारे प्राचीन साहित्य, वेदों, पुराणों, ब्राह्मण ग्रंथों, उपनिषदों, आरण्यकों, रामायण, महाभारत एवं प्राचीन सनातन हिंदू ग्रंथों में विकसित आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के इन्हीं संदर्भों की विवेचना की है।

संस्कृत भाषा के प्रत्येक शब्द की रचना ही ज्ञान के कोष के रूप में की गई है। उदाहरणतः 'वन' शब्द का अर्थ प्रकृति में वर्षा कराने में सहायक होने वाला होता है। आधुनिक मौसम विज्ञान के अनुसार, वर्षा के लिए आवश्यक 40 प्रतिशत आर्द्रता वन ही प्रदान करते हैं। इसी प्रकार हृदय में चार अक्षर 'ह', 'र', 'द', 'य' का सुनियोजित संयोजन किया गया है जो 'हरते, ददाते, रयते, यमम्' से लिया गया है। इसका अर्थ होता है, शरीर को रक्त देने वाला, रक्त लेने वाला, रक्त का संचार कराने वाला और धड़कनों को नियमित करने वाला। प्राचीन व्याकरण और निरुक्त ऐसे ही अर्थपरक शब्दों के भंडार हैं। पाणिनि की कृति 'अष्टाध्यायी' विश्व का प्राचीनतम ही नहीं, बल्कि पूर्ण वैज्ञानिक व्याकरण है। यही कारण है कि भारत के प्राचीन ग्रंथ व उनके प्रत्येक शब्द विज्ञान आधारित हैं। लेखक ने पुस्तक में इसका ध्यान रखा है और इसे समझाने का सफल प्रयास किया है।

लेखक ने इस पुस्तक को तीन खंडों में बांटकर भारतीय प्राचीन संस्कृत साहित्य को 43 अध्यायों में समेटने का अनूठा प्रयास किया है। प्रथम खंड में उन्होंने प्राचीन भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्रोत और प्रयोग के संदर्भ, वैदिक विमर्श, पौराणिक विमर्श, प्रकाश की गति और हृदय के विद्युत स्पंदनों के वैदिक संदर्भ आदि का आसान विवरण किया है। दूसरे खंड में उन्होंने विश्वव्यापी एकता का वर्णन किया है। इसमें तिब्बत का वैदिक विमर्श, पवित्र कैलास पर्वत केंद्रित एकता, संक्रांति की वैश्विक परंपराएं, वैदिक सूर्योपसना का वैश्विक प्रसार और अमेरिकी पुरावशेषों पर भारतीय संस्कृति के प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की गई है। वहीं, तृतीय व अंतिम खंड में लेखक शर्मा ने भारतीय प्राचीन साहित्य में वर्णित विकसित राजनीतिक और आर्थिक चिंतन, शास्त्र विमर्श, शासन पद्धतियों की अवधारणा, व्यावसायिक शब्दावली के संदर्भ, प्राचीन भारत के क्रय-विक्रय के विधान आदि का विश्लेषण भी किया है।

आज वैश्विक समस्याओं का निदान सभी देश एकजुट होकर निकालने के प्रयास में जुटे हैं। यह विचार हजारों वर्ष पूर्व हमारे ग्रंथों में भी मिलते हैं। हमारे ये प्राचीन शास्त्र व उनका अध्ययन समूची मानव जाति की साझी व अनादि संस्कृति के अंग रहे हैं। भारतीय संस्कृति का प्रभाव आज भी साइबेरिया से श्रीलंका और मेडागास्कर से अफगानिस्तान तक और प्रशांत महासागरीय दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से लेकर यूरोप तक स्पष्ट दिखाई देता है, परंतु हमारे साहित्य को हम ही निषिद्ध किए हुए हैं। दुख की बात यह है कि प्राचीन भारत के इस विकसित ज्ञान को पढ़ने, पढ़ाने और इन पर अनुसंधान को विद्यालयों के औपचारिक शिक्षण से बाहर करने से ये निष्प्राण हो रहे हैं। लेखक ने इस पुस्तक से इन संबंधों को उजागर कर हमारी वृहद संस्कृति और इसके ज्ञानकोश से रूबरू कराया है।

सपने और संघर्ष की सच्ची कथा

कन्हैया झा

पुस्तक : द एवरेस्ट गर्ल
लेखक : ब्रजेश राजपूत
प्रकाशक : मंजुल पब्लिशिंग हाउस
मूल्य : 350 रुपये

हमारे समाज में जब कोई लड़की लीक से हटकर कुछ ऐसा कार्य करने के बारे में सोचती है, जो उसे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिला सके, तो सबसे पहले उसे परिवार-समाज में ही कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। परंतु कुछ होनहार किशोर-युवा ऐसे भी होते हैं, जो यदि कुछ ठान लेते हैं तो उसे पूरा करके ही दिखाते हैं। ऐसे कई किस्से हमारे आसपास भी दिख जाते हैं, जिनमें किसी किशोर या युवा द्वारा ठाने गए अभियान को सच कर दिखाया जाता है।

ऐसा ही एक किस्सा है मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के सुदूर क्षेत्र में बसे भोजनगर गांव की रहने वाली एक लड़की मेघा परमार का, जिसने पहाड़ जैसे दिखने वाले लक्ष्य को भी आसानी से हासिल कर लिया। वस्तुतः मेघा परमार ने शहर से काफी दूर बसे अपने गांव में एक सपना देखा कि उसे माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई करनी है और 22 मई, 2019 को उसने वास्तव में ऐसा करके दिखा दिया। वस्तुतः मेघा मध्य प्रदेश की पहली महिला पर्वतारोही हैं, जो एवरेस्ट पर पहुंचने में सफल रही हैं। पर्वतारोही के अलावा मेघा प्रशिक्षित स्कूबा डाइवर भी हैं। पर्वतारोहण में उन्हें अनेक सम्मान और पुरस्कार भी मिल चुके हैं।

यह पुस्तक इसी लड़की की कहानी है, जिसे ब्रजेश राजपूत ने एक रोचक उपन्यास में परिवर्तित कर दिया है। एक सत्यकथा और बायोपिक होते हुए भी यह परीकथा जैसी लगती है। यह सच है कि कोई भी व्यक्ति एक दिन में विजेता नहीं बन जाता है। सागर की गहराई चूमने से लेकर एवरेस्ट पर देश का झंडा फहराने वाली एक जुनूनी लड़की का जीवन कैसा था? किन परिस्थितियों से निकलकर वह वहां तक पहुंची? ऐसे में यह एक ग्रामीण लड़की के सपनों, हौसलों और संघर्ष की अविश्वसनीय-सी लगती सच्ची कथा है, जो लेखक की कलम का साथ पाकर रोचक और प्रेरक बन गई है।

यतीन्द्र मिश्र

बांबे टाकीज : हिमांशु राय, जोसेफ विर्शिंग व देविका रानी

पुस्तक में सुधीर महादेवन, प्रिया जयकुमार आदि के निबंध अलग-अलग मुद्दों पर भारत में जोसेफ विर्शिंग के काम का विश्लेषण करते हैं व भारतीय सिनेमा के तमाम पहलुओं पर विचार भी...

पुस्तक : बांबे टाकीज : एन अनसीन हिस्ट्री आफ इंडियन सिनेमा
संपादन : देबाश्री मुखर्जी
प्रकाशक : मैपिन पब्लिशिंग, अहमदाबाद
मूल्य : 3,950 रुपये

वर्ष 1934 में हिमांशु राय द्वारा हिंदी सिनेमा निर्माण के लिए एक व्यवस्थित फिल्म स्टूडियो की स्थापना की गई, जिसे 'बांबे टाकीज' कहते हैं। यह भारत में पहली बार संभव हुआ कि पूरी तरह कंपनियों या निगमों के आधार पर एक बड़े निर्देशक समूह द्वारा इसका निर्माण किया गया था, जिसमें एफ. ई. दिनशा, सर चिमनलाल सीतलवाड़, सर चुन्नीलाल मेहता, सर फिरोज सेठना और सर कवास जी जहांगीर जैसे दर्जनों लोग शामिल थे, जिनका उस दौर में बैंकों, इंश्योरेंस कंपनियों और इनवेस्टमेंट ट्रस्टों पर एकाधिकार था। सिनेमा को समझने और फिल्म निर्माण कंपनियों के बारे में बांबे टाकीज जैसा संस्थान आरंभिक और आदर्श उदाहरण के तौर पर सामने आता है, जिसने भारत में पहली बार विदेशी लोगों के समन्वय से एक बड़ा दौर सृजित किया। यही कारण है कि देबाश्री मुखर्जी द्वारा संपादित 'बांबे टाकीजः एन अनसीन हिस्ट्री आफ इंडियन सिनेमा' एक दुर्लभ और बहुमूल्य संकलन बन जाता है, क्योंकि यह सिनेमैटोग्राफर की नजर से सिनेप्रेमियों को फिल्म निर्माण की झलक प्रदान करता है। यह पुस्तक भारतीय सिनेमा के अग्रणी सिनेमैटोग्राफर जोसेफ विर्शिंग (1903-1967) के निजी संग्रह से पर्दे के पीछे की दुर्लभ तस्वीरों के साथ कुछ अंतर्कथाएं प्रस्तुत करती है। यह संग्रह बांबे टाकीज के बैनर तले बांबे सिनेमा के उन प्रारंभिक वर्षों में जोसेफ विर्शिंग द्वारा सेल्युलाइड पर कैद की गई लगभग 20 से अधिक फिल्मों का आकर्षक विवरण है।

यह दिलचस्प तथ्य है कि हिमांशु राय जर्मनी में जिस स्टूडियो में कार्यरत थे, नाजियों के सत्ता में आने के बाद उसे नाजी प्रोपेगेंडा फैलाने के उद्देश्य से कब्जे में ले लिया गया, परिणामस्वरूप फिल्म निर्माताओं की रचनात्मक स्वतंत्रता सीमित हो गई। इसी के बाद हिमांशु राय और देविका रानी ने बांबे (अब मुंबई) में अपना फिल्म स्टूडियो शुरू करने का फैसला किया। बांबे टाकीज की कुछ सबसे बड़ी हिट फिल्में फ्रैंज औस्टेन (निर्देशक), जोसेफ विर्शिंग (छायाकार), देविका रानी (अभिनेत्री), निरंजन पाल (लेखक) और अशोक कुमार (अभिनेता) सहित बहुभाषी और अंतरराष्ट्रीय कलाकारों के सामूहिक प्रयास द्वारा बनाई गई थीं।

वर्ष 1924 में हिमांशु राय ने एमेल्का फिल्म्स को 'द लाइट आफ एशिया' पर सहयोग करने के लिए आमंत्रित किया, जिसे इंग्लैंड में निरंजन पाल ने लिखा था। निर्देशक फ्रैंज औस्टेन के साथ मिलकर विर्शिंग ने बांबे टाकीज द्वारा निर्मित अगली कुछ फिल्मों पर काम किया, जो दर्शाता है कि इस जोड़ी को भारत में एक सार्थक परियोजना मिली। इस दुर्लभ दस्तावेज को संजोने में पुस्तक के परिचय में देबाश्री मुखर्जी एक महत्वपूर्ण बात लक्ष्य करती हैं, 'बांबे टाकीज की फिल्मों की विषयवस्तु प्रगतिशील सुधार और सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़े लोगों पर जोर देते हुए एक समावेशी भविष्य का सार्थक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती थी, जो नाजी विचार के विपरीत था।' किताब इस मामले में भी प्रकाश डालती है कि भारतीय सिनेमा में विर्शिंग को नायिकाओं के सुंदर चित्रण के साथ भारतीय फिल्मों में जर्मन अभिव्यक्तिवादी शैली लाने का जनक माना जाता है। बांबे टाकीज एक यादगार इतिहास भर रह गया है, क्योंकि स्वाधीनता पूर्व की 90 प्रतिशत से अधिक फिल्में विलुप्त हो गई हैं और उस युग के बारे में अभिलेखीय सामग्री बहुत कम मिलती है।

यह शोध हिंदी सिनेमा के प्रारंभिक इतिहास को समझने में इसीलिए कारगर बनता है, क्योंकि जोसेफ विर्शिंग आर्काइव और अल्काजी फोटो संग्रह की सामग्रियों ने इतिहास की बहुत सारी धूल को साफ किया है। बांबे टाकीज के इतिहास में यह बात स्वर्णाक्षरों में दर्ज है कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से प्रभावित बांबे टाकीज ने कई सुधारवादी फिल्में बनाईं और सामाजिक मूल्यों को बदलने के लिए एक आदर्श के रूप में सामने आया। 'जवानी की हवा' (1935) से शुरू हुई यह यात्रा 1954 के करीब आकर बंद हुई। इस बीच इस स्टूडियो द्वारा निर्मित सुधारवादी महान फिल्मों में 'अछूत कन्या' (1936), 'कंगन' (1947) उल्लेखनीय हैं।

देविका रानी के दबदबे, बेमन से सिनेमा में अशोक कुमार के प्रवेश और हिमांशु राय की मृत्यु के पश्चात देविका रानी का बांबे टाकीज को संभालने जैसे ब्यौरे भी इस टाकीज की कहानी को ऐतिहासिक बनाते हैं। हाल के वर्ष में ओटीटी पर प्रसारित 'जुबली' धारावाहिक में बांबे टाकीज के प्रसंगों को कुछ संदर्भों के साथ फिल्माया गया है। अपनी यात्रा में जोसेफ द्वारा फिल्म सेट पर ली गई तस्वीरें भारतीय सिनेमा के शुरुआती दिनों का दस्तावेजीकरण करती हैं। तस्वीरों में फिल्म निर्माण के सभी तत्व जैसे लाइटमैन, साउंड रिकार्डिस्ट से लेकर फिल्म निर्देशक तक शामिल हैं। इन छवियों को देख ऐसा लगता है जैसे कैमरा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के हाथों में बदल रहा है। इस खजाने को उनके बेटे-पोते ने संभालकर रखा था। फिल्म इतिहासकार वीरचंद धर्मसे के साथ कौशिक भौमिक का साक्षात्कार शानदार है। फिल्मों और इसके इतिहास में रुचि रखने वाले पाठकों के लिए ज्ञानवर्द्धक पाठ।

****

22 स्टार्टअप्स ने 11.6 करोड़ डालर की राशि जुटाई

नई दिल्ली : इस सप्ताह 22 भारतीय स्टार्टअप्स ने 11.62 करोड़ डालर की राशि जुटाई है। इससे पिछले सप्ताह में स्टार्टअप्स ने 16 सौदों के जरिये 17.6 करोड़ डालर की राशि जुटाई थी। इस सप्ताह कुल राशि में से आठ करोड़ डालर केवल चार स्टार्टअप्स ने जुटाई है। इसमें वेल्थ मैनेजमेंट प्लेटफार्म डेजर्व, ई-कामर्स प्लेटफार्म गोट ब्रांड लैब्स, बी2बी ई-कामर्स फर्म इन्फ्रा डाट मार्केट प्रमुख हैं। (आइएएनएस)

भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की अपनी यात्रा पर आगे बढ़ रहा है। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि हमारे पास उचित क्रेडिट रेटिंग हो।
— अमिताभ कांत, जी-20 में भारत के शेरपा

मदद मिले तो ज्यादा रोजगार दे सकता है खेल उत्पाद उद्योग

वैश्विक भागीदारी बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के लिए विशेष निर्यात प्रोत्साहन चाहते हैं मेरठ और जालंधर के कारोबारी

बजट 2024-25 बिगुल 6

5.1 अरब डालर है अभी भारतीय खेल उत्पाद उद्योग का आकार

10 अरब डालर के पार हो सकता है उद्योग का आकार 2030 तक

जीएसटी के केवल दो स्लैब बनाए जाएं

दुनिया के कई देशों में जिस तरह से क्रिकेट ने दस्तक दी है और कोविड महामारी के बाद वैश्विक स्तर पर फिटनेस जिस तरह से एक क्रांति के तौर पर स्थापित हो रहा है, उसे देखते हुए मेरठ के खेल उत्पाद निर्माताओं के लिए अपार संभावनाओं के द्वार खुलते नजर आ रहे हैं। मेरठ के उद्यमियों का कहना है कि खेल उत्पादों के निर्यात में मिलने वाले इंसेंटिव को 15 प्रतिशत किया जाए। अभी इसे घटाकर दो प्रतिशत कर दिया गया है। क्रिकेट बल्ला के लिए मंगाई जाने वाली इंग्लिश विलो पर आयात शुल्क 11 प्रतिशत और उसके हैंडल केन पर 33 प्रतिशत लगता है। इन दोनों को मिलाकर पांच प्रतिशत करने से उद्योग की सेहत सुधरेगी। खेल उत्पाद पर जीएसटी की कई दरों की जगह दो स्लैब बनाने की मांग लंबे समय से उठ रही है।

> भारत सरकार के पास क्रिकेट खेल उत्पाद को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने का बेहतर मौका है। नए देश क्रिकेट में शामिल हो रहे हैं। इसलिए सरकार को क्रिकेट खेल उत्पादों के लिए विशेष सहूलियत देनी चाहिए। नए उद्योगों को पांच साल तक आयकर से छूट का प्रविधान करना चाहिए। जीएसटी से संबंधित रिफंड जल्द मिले तो नकदी उपलब्धता बढ़ेगी।
> — **त्रिलोक आनंद**, वाइस चेयरमैन, एसजी स्पोर्ट्स

> केंद्रीय बजट में अलग से पैकेज दिया जाए तो खेल सामानों का निर्यात बढ़ाकर देश में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित किए जा सकते हैं। इस सेक्टर को मेक इन इंडिया में शामिल किया जाना चाहिए। जालंधर व दूसरे शहरों में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी लगाने का भी फायदा होगा। नई तकनीक अपनाने में भी कुछ वित्तीय प्रोत्साहन मिले।
> **नवनीत भसीन**, प्रमुख, आल इंडिया स्पोर्ट्स गुड्स इंडस्ट्रीज

जागरण टीम, नई दिल्ली: खेल उत्पाद बनाने वाला देश का घरेलू उद्योग एक जबरदस्त दौर में प्रवेश कर चुका है। देश की आबादी में युवा वर्ग की बढ़ती संख्या, खेल व मनोरंजन पर खर्च करने की इच्छाशक्ति और आम जनता की बढ़ती आय, तीन ऐसे कारक हैं जो खेल उद्योग के सुनहरे भविष्य की जमीन तैयार कर रहे हैं। हाल में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय खेल उद्योग का आकार वर्ष 2023 में 5.1 अरब डालर था जो वर्ष 2032 तक 10 अरब डालर को पार कर जाएगा।

भारत में खेल सामान उद्योग की शुरूआत पाकिस्तान से आए कुछ परिवारों ने जालंधर और मेरठ जैसे शहरों से की। हालांकि, 75 वर्ष बीत जाने के बावजूद अभी तक न तो यहां विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर बन पाया है और न ही इस उद्योग को कोई खास वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज मिला है। इसके बावजूद भारत के इन छोटे शहरों में निर्मित खेल उत्पादों की दुनिया कायल हो रही है। जब केंद्र सरकार घरेलू उद्यमियों को आत्मनिर्भर भारत के नारे को आत्मसात करने को कह रही है, तब इस उद्योग से जुड़े उद्यमियों को भी उम्मीद है कि आगामी बजट में उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाने के लिए कुछ खास इंतजाम किए जाएंगे। मैकेंजी की एक रिपोर्ट कहती है कि यह उद्योग वर्ष 2030 तक भारत में दस लाख लोगों को रोजगार देने की क्षमता रखता है। खेल सामान उद्योग के साथ ही स्पोर्ट्स अपैरल (खेलों में पहने जाने वालों कपड़ों) को प्रोत्साहित करने में राज्य सरकार मदद करें तो यहां रोजगार की संभावनाएं और बढ़ जाएंगी।

सबसे पहले बनें स्पेशल इकोनमी जोन : जालंधर और मेरठ ने पिछले वर्ष संयुक्त तौर पर 2,100 करोड़ रुपये की खेल सामग्री का निर्यात किया है। मेरठ की कंपनियों की सबसे बड़ी मांग इस क्षेत्र में एक समर्पित विशेष आर्थिक क्षेत्र के निर्माण की है। इससे उद्योग का आकार बढ़ेगा जो राज्य सरकार को ज्यादा राजस्व देगा और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। मेरठ में 10,000 छोटी व बड़ी कंपनियां हैं जो सीधे या परोक्ष तौर पर 2.50 लाख रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत के ब्रांड को स्थापित करने व वृहद आकार दिलाने के लिए उद्यमी सरकार से विशेष छूट, सब्सिडी भी चाहते हैं। उद्यमियों का कहना है कि इस क्षेत्र की नई कंपनियों को पांच साल तक आयकर में शत-प्रतिशत छूट दी जानी चाहिए। इन शहरों में अंतरराष्ट्रीय स्तर की टेस्टिंग लैब बने जिससे प्रमाण पत्र लेने वाली इकाइयों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में व्यापार का अवसर मिलेगा। खेल उद्यमी आयकर में भी छूट चाहते हैं।

(**इनपुट सहयोग : मेरठ और जालंधर**)

बाजार का पर्सनल इंडीकेटर

धीरेंद्र कुमार, संपादक, धनक डाट काम

मुझे आपको ये बताते हुए अफसोस हो रहा है कि हाल के कुछ सप्ताह में शेयर बाजारों में आए फेन (झाग) को दिखाने वाला इंडीकेटर हरकत में आ गया है। क्या आप ये सुन कर हैरान हुए? मुझे थोड़ा पीछे जाकर इस बात को खुलकर समझाना चाहिए। क्या भारतीय इक्विटी मार्केट अब बीयर के ऐसे मग की तरह दिखने लगे हैं जिसे बहुत तेजी से भरा गया है? क्या ऊपर जमा हुआ फेन या झाग जल्दी ही बैठ जाएगा या यूं ही बना रहेगा? कोई

बोनस

कैसे पता लगाए कि क्या मार्केट के इस व्यवहार का कुछ ठोस और टिकाऊ आधार है?

वैल्यूएशन, लाभ का बढ़ना आदि ऐसे कई सीरियस इंडीकेटर हैं जिनका इस्तेमाल आमतौर पर इन सवालों का जवाब देने के लिए किया जाता है। कुछ हल्के-फुल्के मिजाज वाले इंडीकेटर भी हैं, जो मजाक जैसे लगेंगे पर असलियत में अच्छा करते हैं। मिसाल के तौर पर, जब शेयर मार्केट के इंडीकेटरों के बढ़ने की हेडलाइन गुलाबी अखबारों के बजाय सफेद अखबारों में आने लगती हैं, तो शेयर की कीमतें बढ़ सकती हैं।

मेरे पास एक पर्सनल इंडीकेटर भी है जो शेयर मार्केट में आए इस फेन को दिखाए और ये पिछले दो दशकों में अचूक रहा है। जब इन्वेस्टमेंट बैंकर वैल्यू रिसर्च का आइपीओ लाने के लिए मुझे काल करना शुरू करते हैं, तो मुझे पता चल जाता है कि इक्विटी मार्केट बहुत गर्मा गया है। जैसे-जैसे मार्केट चढ़ता है, आइपीओ की राह आसान हो जाती है और इन्वेस्टमेंट बैंकरों के लिए ये और भी ज्यादा आकर्षक बन जाते हैं। एक वक्त ऐसा आता है, जब इन्वेस्टमेंट बैंकर ऐसे कारोबारों के मालिकों को भी लुभाने के लिए बेचैन हो जाते हैं, जिन्हें मार्केट में उतरने की जरूरत नहीं होती। बेशक, मैं गलत भी हो सकता हूं। हर चीज कभी न कभी पहली बार होती ही है। मैं आपसे अपने सभी स्टाक और इक्विटी म्यूचुअल फंड बेचने की बात नहीं कर रहा हूं क्योंकि इन्वेस्टमेंट बैंकर मुझे काल कर रहे हैं। हालांकि, ये 'मजेदार' किस्म के मार्केट इंडीकेटर चाहे कुछ भी दिखाएं, बावजूद, ये समय सावधान रहने का है।

इसका मतलब ये नहीं कि मार्केट में गिरावट आएगी ही या अभी मिलने वाला हर मुनाफा एक भ्रम है। नहीं, ऐसा कतई नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने गजब का लचीलापन और ग्रोथ की क्षमता दिखाई है। अनुभवी निवेशक जानते हैं, मार्केट शायद ही कभी सीधी रेखा में चलते हों। तेजी के बाद अक्सर मार्केट की परख होती है।

आइए देखें कि इस बात क्या मतलब है। ये बढ़े हुए आशावाद का दौर है जिसमें निवेशकों को अपने एसेट एलोकेशन को लेकर सोचना चाहिए। विविधता पर ध्यान देना चाहिए और बुनियादी बातों के मुताबिक अपना पोर्टफोलियो दुरुस्त कर लेना चाहिए। एक औसत निवेशक के लिए, चाहे वो सीधे स्टाक में निवेश करता हो या इक्विटी म्यूचुअल फंड का मुरीद हो, उसे अपने पोर्टफोलियो में नाटकीय बदलाव करने या एसेट बेचने की जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है। इसके बजाय, ये एसेट एलोकेशन और निवेश के लक्ष्यों पर दोबारा नजर डालने और उनका पुनर्मूल्यांकन करने का एक मौका है। कहीं ऐसा तो नहीं कि आप बड़े रिस्क और बड़े मुनाफे वाले स्टाक या अग्रेसिव इक्विटी फंड्स में बहुत ज्यादा निवेश कर रहे हैं? स्टाक निवेशकों को उनके एलोकेशन को ज्यादा स्थिर रखने वाले और वैल्यू-ओरिएंडेट स्टाक में निवेश के बारे में सोचना चाहिए। म्यूचुअल फंड निवेशक, ज्यादा स्थिरता वाले लार्ज-कैप या बैलेंस्ड फंड पर विचार कर सकते हैं। अपने इमरजेंसी फंड पर भी फिर से सोच-विचार करना सही होगा। मार्केट में उतार-चढ़ाव के समय, कैश ज्यादा होने से वित्तीय और भावनात्मक सुरक्षा मिल सकती है।

एक नजर में

साफ्टबैंक ने पेटीएम में सारी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली : जापान के साफ्टबैंक ने डिजिटल पेमेंट प्लेटफार्म पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड में से अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचकर बाहर निकल गई है। साफ्टबैंक ने 2017 में 1.5 अरब डालर का निवेश किया था। इस निवेश पर साफ्टबैंक को 15 करोड़ डालर का नुकसान हुआ है। (प्रेट्र)

जी-7 देशों के व्यापार मंत्रियों से मिलेंगे गोयल

नई दिल्ली : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल अगले सप्ताह जी-20 देशों के व्यापार मंत्रियों से द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे। एक बयान के मुताबिक, इटली में होने वाली इन बैठकों में व्यापार और निवेश बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी। व्यापार से जुड़ी द्विपक्षीय मुद्दों को सुलझाने व आर्थिक सहयोग को बढ़ाने पर भी चर्चा होगी। जी-7 देशों में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। (प्रेट्र)

म्यूचुअल फंड्स ने एनएफओ से जून में 14,370 करोड़ जुटाए

पिछले महीने म्यूचुअल फंड्स ने 11 नए फंड आफर पेश किए, जनवरी-जून के दौरान एनएफओ में 37,885 करोड़ का निवेश

मुंबई, आइएएनएस : म्यूचुअल फंड्स ने जून के दौरान 11 नए फंड आफर (एनएफओ) पेश किए हैं और इनके जरिये 14,370 करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। यह एनएफओ के जरिये किसी एक महीने में जुटाई गई अब तक की सबसे ज्यादा राशि है। इससे पहले जुलाई 2021 में चार एनएफओ के जरिये 13,709 करोड़ रुपये जुटाए गए थे।

डाटा के अनुसार, 2024 की पहली छमाही यानी जनवरी से जून के दौरान म्यूचुअल फंड्स की ओर से कुल 30 एक्टिव इक्विटी स्कीम लांच की गईं। 2023 में समान अवधि के दौरान इनकी संख्या 51 थी। एनएफओ में जनवरी से जून के दौरान 37,885 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। 2023 में इन आफर्स में 36,657 करोड़ रुपये की राशि निवेश की गई थी। पूरे कैलेंडर वर्ष 2022 के दौरान 27 एनएफओ में 29,586 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था।

लोकसभा चुनावों के परिणामों के बाद भारतीय शेयर बाजारों में लगातार तेजी बनी हुई है। इसी तेजी के चलते बड़ी संख्या में म्यूचुअल फंड्स एनएफओ लांच कर रहे हैं। अभी करीब सात एक्टिव और पैसिव एनएफओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुले हैं।

अधिकांश एनएफओ उच्च जोखिम वाली श्रेणियों जैसे थीमेटिक में आ रहे हैं। इसको लेकर पराग पारेख फाइनेंशियल एडवाइजरी सर्विसेज के चेयरमैन नील पारेख चिंता भी जता चुके हैं। उन्होंने निवेशकों को सतर्क रहने के लिए भी कहा है। जून के दौरान म्यूचुअल फंड्स में 40,608 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है।

चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष कर संग्रह 20% बढ़ा

नई दिल्ली, प्रेट्र : कंपनियों की ओर से ज्यादा अग्रिम कर दिए जाने के चलते चालू वित्त वर्ष में अब तक प्रत्यक्ष कर संग्रह में 19.54 प्रतिशत की वृद्धि रही है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से शनिवार को जारी डाटा के अनुसार, 11 जुलाई तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.74 लाख करोड़ रुपये रहा है।

सीबीडीटी ने बताया कि कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह में कारपोरेट कर 2,10,274 करोड़ रुपये और व्यक्तिगत कर 3,46,036 करोड़ रुपये रहा है। इसके अलावा सिक्युरिटीज लेनदेन कर के रूप में सरकार को 16,634 करोड़ रुपये मिले हैं। पिछले वर्ष समान अवधि तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 4.80 लाख करोड़ रुपये रहा था।

11 जुलाई तक 70,902 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया जा चुका है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 64.4 प्रतिशत ज्यादा है। इस तरह, रिफंड समेत कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 6.45 लाख करोड़ रुपये रहा है।

बीएसएनएल को सौंपा जा सकता है एमटीएनएल का संचालन

- सरकार दोनों दूरसंचार कंपनियों का विलय करने के मूड में नहीं
- एक महीने में लिया जा सकता है संचालन सौंपने का फैसला

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) का विलय करने के मूड में नहीं है। इसके बजाय सरकार एक समझौते के जरिये एमटीएनएल का संचालन बीएसएनएल को सौंपने के विकल्प पर विचार कर रही है। मामले से वाकिफ सूत्रों के अनुसार, इस पर अंतिम फैसला एक महीने में लिए जाने की संभावना है।

सूत्रों का कहना है कि एमटीएनएल के भारी कर्ज को देखते हुए बीएसएनएल के साथ विलय कोई अनुकूल विकल्प नहीं है। एक बार फैसला होने के बाद प्रस्ताव सचिवों की समिति को भेजा जाएगा। उसके बाद यह प्रस्ताव कैबिनेट में रखा जाएगा। नकदी की किल्लत झेल रही एमटीएनएल ने इसी सप्ताह वैधानिक फाइलिंग में कहा है कि वह पर्याप्त फंड उपलब्ध न होने के कारण कुछ बांडधारकों को ब्याज का भुगतान करने में समर्थ नहीं है। एमटीएनएल दिल्ली और मुंबई में सेवाएं देती है, जबकि बीएसएनएल इन दोनों शहरों को छोड़कर पूरे देश में नेटवर्क का संचालन करती है।

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान एमटीएनएस का घाटा 3,267.5 करोड़ रुपये रहा है जो वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 2,915.1 करोड़ रुपये था। वहीं, बीएसएनएल के चेयरमैन और प्रबंधक निदेशक पीके पुरवार ने कार्यकाल में विस्तार लेने से इनकार कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, दूरसंचार विभाग के वरिष्ठ अधिकारी राबर्ट जे रवि को बीएसएनएल का कार्यभार सौंपा जा सकता है।

राष्ट्रीय फलक

साइबर अपराध से पटरी से उतर सकता है विकास : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, प्रेट्र : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को आगाह किया कि साइबर अपराध देश के विकास को पटरी से उतार सकते हैं। उन्होंने इस खतरे से निपटने के लिए संगठनों को साथ मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने लोगों को साइबर अपराधों का शिकार बनने से बचाने के लिए उन्हें डेटा की सुरक्षा के बारे में और अधिक शिक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

यहां एक थिंक टैंक द्वारा साइबर सुरक्षा पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि साइबर ठगी के शिकार लोगों तक कानूनी सहायता पहुंचाने की जरूरत है क्योंकि हो सकता है कि वे साइबर अपराधियों के हाथों अपना सारा पैसा गंवा चुके हों। साइबर सुरक्षा को रेल पटरी से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि यदि एक भी पटरी खराब हो तो दुर्घटना हो सकती है।

छत्तीसगढ़ में स्टील उद्योगों को बिजली का जोर का झटका, तालाबंदी की नौबत आई

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर

15 अगस्त तक राहत नहीं मिली तो कारोबार चलाना मुश्किल

बिजली दर 1.40 रुपये प्रति यूनिट बढ़कर 7.60 रुपये प्रति यूनिट हो गई

पड़ोसी राज्यों से सबसे ज्यादा छत्तीसगढ़ में बिजली दर

छत्तीसगढ़ मिनी स्टील प्लांट एसोसिएशन के महासचिव मनीष धुप्पड़ ने बताया कि पड़ोसी राज्यों की तुलना में भी छत्तीसगढ़ में बिजली दरें काफी ज्यादा है। जून महीने से यहां बिजली दर 1.40 रुपये प्रति यूनिट बढ़कर 7.60 रुपये प्रति यूनिट हो गई है। उन्होंने बताया कि मप्र में 5.70 रुपये प्रति यूनिट, दुर्गापुर में 5.00 रुपये प्रति यूनिट, ओडिशा में 5.10 रुपये प्रति यूनिट, तेलंगाना 7.10 रुपये प्रति यूनिट, महाराष्ट्र 7.25 रुपये प्रति यूनिट और जिंदल पार्क (रायगढ़) 5.45 रुपये प्रति यूनिट है।

छत्तीसगढ़ के उद्योगों को इन दिनों बिजली का जबरदस्त झटका लगा है। इसके चलते स्टील उद्योगों को 25 लाख से लेकर 2.5 करोड़ तक का अतिरिक्त खर्च बैठ गया है। साथ ही 1800 से 2000 रुपये प्रति टन उत्पादन लागत में बढ़ोतरी हो गई है। उद्योगपतियों का कहना है कि 15 अगस्त तक अगर बढ़ी हुई बिजली की दरों से उद्योगों को राहत नहीं मिला तो उद्योगों में ताले लगने शुरू हो जाएंगे।

उद्योगपतियों का कहना है कि छत्तीसगढ़ को सर्वाधिक राजस्व लौह उद्योग से मिलता है। लौह उद्योग जीएसटी टैक्स के माध्यम से राज्य शासन व भारत सरकार को प्रति वर्ष नौ हजार करोड़ से ज्यादा का राजस्व देता है। उद्योगपतियों का कहना है कि बढ़ी हुई बिजली दरों के कारण उद्योग संकटग्रस्त हो गए है। प्रदेश में स्टील उद्योग, स्पंज आयरन और रोलिंग मिल मिलाकर करीब 650 से ज्यादा उद्योग है तथा इनसे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से पांच लाख लोगों को रोजगार मिलता है। महंगी दरों से राहत के लिए उद्योगपतियों ने बिजली कंपनियों के अधिकारियों के साथ ही मंत्री से भी मुलाकात कर चुके है। इन दिनों मंदी के चलते स्टील की कीमतों में भी गिरावट है। छत्तीसगढ़ स्पंज आयरन एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल नचरानी ने बताया कि महंगी बिजली दरों के कारण उद्योगों को चलाना मुश्किल हो गया है। स्टील उद्योग इन दिनों मंदी की मार से जूझ रहा है। ऐसे में महंगी बिजली की दरों ने उद्योगों की कमर तोड़ने लगी है।

शंभू बार्डर पर आज किसान संगठन करेंगे अगली रणनीति का एलान

जागरण संवाददाता, पटियाला : पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की तरफ हरियाणा सरकार को शंभू बार्डर खोलने के दिए आदेश के बाद किसान संगठन भी दिल्ली कूच के लिए अगली रणनीति तैयार करने में जुट गए हैं। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) ने 14 जुलाई को किसान संगठनों की बैठक बुलाई है।

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल, सवरन सिंह पंधेर की अगुआई में शंभू बार्डर पर रविवार दोपहर बाद करीब 2:30 बजे यह बैठक होगी और शाम छह बजे दिल्ली कूच और अगली रणनीति को लेकर बड़ा एलान किया जाएगा। बैठक में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश, राजस्थान के प्रमुख किसान नेता भी पहुंच सकते हैं। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने खनौरी बार्डर पर पहले ही किसानों को तैयारी करने को कह दिया गया है।

रेडियो एक्टिव डिवाइस में पूर्व आयकर आयुक्त श्वेताभ को बनाया आरोपित

जागरण संवाददाता, देहरादून

- जल्द गिरफ्तार कर सकती है पुलिस, सहारनपुर और नोएडा से दो लोग लिए हिरासत में

उत्तराखंड में रेडियो एक्टिव डिवाइस मामले में पुलिस ने पूर्व आयकर आयुक्त श्वेताभ सुमन को भी आरोपित बनाया है। पुलिस उन्हें जल्द गिरफ्तार कर सकती है। वहीं, दो लोगों को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर और नोएडा से हिरासत में लिया है। इनसे पूछताछ की जा रही है। शुक्रवार को पांच लोगों को पुलिस ने रेडियो एक्टिव डिवाइस के साथ राजपुर रोड स्थित ब्रुक एंड वुड्स सोसायटी में पूर्व आयकर आयुक्त श्वेताभ सुमन के फ्लैट से गिरफ्तार किया था। पुलिस की अब तक की जांच में धोखाधड़ी की बात सामने आ रही है।

आरोपित रेडियो एक्टिव डिवाइस को महंगे दाम पर बेचकर करोड़ों रुपये का मुनाफा कमाना चाहते थे। गिरफ्तार आरोपित तबरेज आलम ने सहारनपुर के राशिद उर्फ समीर से पांच लाख रुपये में यह डिवाइस खरीदी थी और वह कार से इसे देहरादून लाया था। यहां पूर्व आयकर आयुक्त श्वेताभ सुमन के फ्लैट में इसका सौदा होना था, जिसके लिए अन्य आरोपित भी बुलाए गए थे। तभी पुलिस को भनक लग गई। शुक्रवार को पुलिस ने सुमित पाठक निवासी आगरा, तबरेज आलम सहारनपुर, सरवर हुसैन निवासी नई दिल्ली, जैद अली निवासी भोपाल और अभिषेक जैन निवासी भोपाल को गिरफ्तार किया था। इनके कब्जे से रेडियो एक्टिव डिवाइस बरामद की थी। आरोपित राजपुर रोड पर जाखन में ब्रुक एंड वुड्स सोसाइटी स्थित फ्लैट में रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, यह फ्लैट पूर्व आयकर आयुक्त श्वेताभ सुमन ने आरोपितों को किराये पर दिया था।

नारनौल में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने की स्काई डाइविंग

हरियाणा के नारनौल हवाई पट्टी पहुंचे केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आसमान में ऊंचाई पर विमान से प्रोफेशनल स्काई डाइवर के साथ छलांग लगाई। उन्होंने इसे एक साहसिक दिन बताया। एएनआइ

जागरण संवाददाता, नारनौल

वर्ल्ड स्काई डाइविंग-डे पर शनिवार को केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने हरियाणा के नारनौल के अंतरराष्ट्रीय स्काई डाइविंग ड्राप जोन से स्काई डाइविंग की। उनके विमान ने बाछौद हवाई पट्टी से उड़ान भरी थी और उन्होंने हजारों फीट की ऊंचाई से छलांग लगाई तो ये नजारा देखने के लिए जमीन पर सैकड़ों लोग मौजूद थे। 2016 में स्थापित स्काईहाई इंडिया, देश का एकमात्र अंतरराष्ट्रीय स्काईडाइविंग ड्राप जोन है। दिल्ली से दो घंटे की दूरी पर इस ड्राप जोन से 7,800 से ज्यादा सफल टेंडम स्काई डाइव की जा चुकी है।

महिला मित्र से मिलने आए युवक ने खुद को मारी गोली

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : उत्तर प्रदेश के बरेली से अपनी महिला मित्र से मिलने आए एक युवक ने सेक्टर-22 स्थित एक होटल में खुद को गोली मार ली। युवक को गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

शिवम नाम का युवक अविवाहित है जबकि उसकी महिला मित्र विवाहित बताई जा रही है। युवक ने खुद को गोली किस वजह से मारी। पुलिस इसका पता लगाने में जुटी है, युवक ने अभी इस बाबत बयान नहीं दिए हैं। महिला मित्र से भी इस बारे में पूछताछ की जा रही है। महिला फरीदाबाद की पर्वतीय कालोनी की रहने वाली है।

बरेली निवासी शिवम दो दिन पहले फरीदाबाद आया था। शनिवार को वह अपनी महिला मित्र से मिलने के लिए यहां पहुंचा और सेक्टर 22 स्थित विद्या इन होटल में बुलाया। बताया जाता है कि वहां दोनों ने खाना खाया। इसके बाद अचानक शिवम ने पिस्तौल निकालकर खुद की कनपटी पर गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर होटल में हड़कंप मच गया। महिला मित्र ने पुलिस को सूचना दी।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार, 14 जुलाई, 2024 से शनिवार 20 जुलाई, 2024 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ) सकारात्मक सोच से युक्त हों, अपनी कार्य शैली में सुधार करें, विदेश कार्य में सार्थक प्रयास, रचनात्मक कार्य में यश, साधनों की पूर्ति, माता-पिता के प्रति सजगता, अध्ययन में रुचि, मित्रों से लाभ, दांपत्य में सुख, वाहन में सावधानी, व्यय अधिक शुभ अंक 4

वृष (इ, ऊ, ए, ओ, पा, वी, वू, वे, वो) व्यापार में लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रयास, अर्थसाधन में सफलता, धन के आवागमन में सावधानी, पारिवारिक कार्यों में प्रयास करें, वाहन, आभूषण योग, संतान से सहयोग, अध्ययन में रुचि, वाद-विवाद से बचें, प्रणय में सुख, अधिकारी से सहयोग, राजनैतिक अपयश शुभ अंक 5

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा) व्यापारिक तथा पारिवारिक व्यवस्था के प्रयास सार्थक, धनागम में सफलता, आत्मबल की वृद्धि, पारिवारिक समस्या का समाधान, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, मित्रों का सहयोग, प्रणय में सुख, अधिकारी से सहयोग, स्थान पद परिवर्तन, आय में सुधार शुभ अंक 6

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) जीवन में विचारों से मन अशांत, अर्थसाधन में प्रयास, निजी मतभेद हो सकते हैं, भवन साज सज्जा का योग, पिता से धन की प्राप्ति, वायु विकार, रक्त विकार प्रभावी, रक्षा साधन कार्य मेंसफलता, वाहन में सावधानी, व्यय अधिक शुभ अंक 7

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) वर्तमान परिस्थिति के अनुरुप कार्य, धनागम में सफलता, दिनचर्या व्यस्ततम, विचारों में दृढ़ता रखें, कल्पना से बचें, भौतिक साधनों की पूर्ति, संतान के लिये योजना, चयन में सफलता, खानपान पर ध्यान दे, मनोरंजन से आनंद योग, जीवनसाथी का मिलन शुभ अंक 8

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार, जीवन में शांति एवं प्रसन्नता होगी, सामाजिक कार्य में यश, स्व :सम्पत्ति की वृद्धि, भूमि, भवन कार्य में अवरोध, अध्ययन में रुचि, वाद विवाद से बचें, जीवन साथी का मिलन, व्यापार में वृद्धि, रक्षा साधन कार्य में सफलता, अधिकारी से सहयोग शुभ अंक 1

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) साझेदारी में सावधानी, कार्य क्षेत्र में श्रम से सफलता, प्रतिस्पर्धा से चिंता, विदेश कार्य में समाचार, पारिवारिक सहयोग, अचानक कार्य में अवरोध, मानसिक चिन्ता, मित्रों से सहयोग, वायु विकार, पाचन क्रिया प्रभावित, अनुबंध की प्राप्ति, स्थान पद परिवर्तन शुभ अंक 9

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) व्यापार में कठिनाइयां, जीवन में निर्णय सलाह से करें, नकारात्मक विचारों से बचें, व्यापार में लक्ष्य की ओर ध्यान दे, निजी मतभेद, सार्थकता पर रहें, पिता के स्वास्थ्य के पति सचेत रहें, वायु व रक्त विकार योग, प्रणय में सुख, राज्यपक्ष से सावधान, पद स्थान परिवर्तन शुभ अंक 2

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) पारिवारिक, व्यापारिक कार्य के मध्य संतुलन रखें, अपनी सार्थक सोंच की सलाह दे, विदेश कार्य में सफलता, चिंता का समाधान, भूमि, भवन संबंधित कार्य में सफलता, शिक्षा, चयन में अवरोध, वाद विवाद से बचें, अधिकारी से सहयोग शुभ अंक 4

मकर (भो, जा, ज, खी, खू, खे, खो, गा, गी) वर्तमान परिस्थिति में भविष्य में सचेत रहें, साझेदारी में सावधानी, जीवन में नकारात्मक विचारों से बचें, दिनचर्या व्यस्ततम, साधनों की पूर्ति, माता-पिता के स्वास्थ्य पर सजग रहें, उनका ध्यान रखें, रक्षा साधन कार्य में सफलता, वाहन में सावधानी, व्यय अधिक शुभ अंक 5

कुम्भ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सा, दा) पूंजी निवेश में सावधानी, धन के आवागमन में सावधानी रखें, भावात्मक विचारों से सावधान, सामाजिक यश की प्राप्ति, वाहन, आभूषण योग, अध्ययन में रुचि, शत्रुपक्ष से सावधान, सिर दर्द, रक्त विकार प्रभावी, प्रणय में मधुरता, धर्म में रुचि शुभ अंक 6

मीन (दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची) जीवन सार्थक सोच से युक्त रहें, अर्थसाधन के प्रति प्रयास, अतिविश्वास से बचें, महिला से सहयोग, विचारों से बदलाव करें, भूमि, भवन संबंधित कार्य में सफलता, मित्रों से सहयोग, महामारी से बचाव, राज्यपक्ष से सावधान, व्यय अधिक शुभ अंक 7

****

19 जुलाई को हेग में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आइसीजे) फलस्तीनी क्षेत्रों पर इजरायल के कब्जे के कानूनी परिणामों के संबंध में एक सलाहकार राय देगा। न्यायाधीश नवाफ सलाम सलाहकार राय पेश करेंगे।

हमास सैन्य प्रमुख को निशाना बनाकर इजरायल ने किया हमला, 71 की मौत

जवाबी हमला ▸ सैन्य प्रमुख दीफ को सात अक्टूबर हमले का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है

इजरायल की ओर से सुरक्षित घोषित क्षेत्र मुवासी में हमला, 289 फलस्तीनी घायल

गाजा पट्टी में शनिवार को इजरायली हमले के बाद राहत-बचाव कार्य में जुटे लोग। रायटर

यरुशलम, एपी : इजरायल की ओर से दक्षिणी गाजा पट्टी में हमास के सैन्य कमांडर को निशाना बनाकर किए गए हमले में 71 लोग मारे गए। यह पता नहीं चल पाया कि मृतकों में मोहम्मद दीफ भी शामिल था या नहीं। लेकिन इजरायली अधिकारियों ने कहा है कि दीफ और हमास का एक अन्य कमांडर रफा सलामा निशाने पर था। दीफ को सात अक्टूबर हमले का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है, जिसमें दक्षिणी इजरायल में 1,200 लोग मारे गए थे।

दीफ के मारे जाने पर संघर्ष विराम वार्ता के पटरी से उतरने का खतरा है और इसे नौ महीने के अभियान में इजरायल की एक बड़ी जीत के रूप में देखा जाएगा। वहीं, हमास ने एक बयान में कहा, "ये झूठे दावे भयावह नरसंहार को छिपाने के लिए किए जा रहे हैं।" मरने वालों में सभी आम नागरिक हैं। हमले में 289 लोग घायल हुए हैं। घायलों को पास के नासिर अस्पताल ले जाया गया है।

इजरायली सेना ने दावा किया कि और भी कई आतंकवादी नागरिकों के बीच छिपे हुए हैं। उन्होंने हमले के स्थान को पेड़ों, इमारतों और शेडों से घिरा हुआ क्षेत्र बताया। इससे जुड़े फुटेज में जले हुए तंबू, जली कारें और जमीन पर बिखरा घरेलू सामान दिख रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि हमला इजरायल द्वारा नामित सुरक्षित क्षेत्र मुवासी के अंदर हुआ, जो उत्तरी रफा से खान यूनिस तक फैला हुआ है।

फलस्तीनियों की सहायता कर रही यूएन एजेंसी का समर्थन जारी रखेगा भारत

भारत ने वित्तीय संकट का सामना कर रही फलस्तीनियों की सहायता करने वाली संयुक्त राष्ट्र एजेंसी का समर्थन जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी की सहायता के लिए आयोजित कांफ्रेंस में भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन के प्रभारी आर. रवींद्र ने कहा कि देश 50 लाख डालर का अपना वार्षिक अंशदान जारी रखेगा और आने वाले दिनों में आधी राशि जारी कर देगा।

अर्जेंटीना ने हमास को आतंकी समूह घोषित किया : अर्जेंटीना ने इजरायल का समर्थन जताते हुए शुक्रवार को हमास को आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। साथ ही फलस्तीनी समूह से जुड़े वित्तीय परिसंपत्तियों को फ्रीज करने का आदेश दिया है।

बाइडन ने कहा-रेस से नहीं हटूंगा, डेलीगेट्स अंतरात्मा से करें मतदान

▸ अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, चुनाव की दौड़ से नहीं हटने जा रहे

▸ डेलीगेट्स चाहें तो अन्य उम्मीदवार को नामांकित कर सकते हैं

अमेरिका के डेट्रायट में चुनावी अभियान के दौरान समर्थकों को संबोधित करते राष्ट्रपति जो बाइडन। एपी

वाशिंगटन, एपी : अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन पर लगातार चुनाव की दौड़ से हटने का दबाव बढ़ता जा रहा है। जिन लोगों ने उनसे हटने का आग्रह किया है, उनमें अधिकांश सांसद हैं। वे उन राज्यों से हैं, जहां राष्ट्रपति ने 2020 में अच्छे अंतर से जीत हासिल की थी। इस बीच, बाइडन ने कहा है कि वह रेस से नहीं हटने वाले। डेलीगेट्स चाहें तो डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में अपने अंतरात्मा के आधार पर मतदान कर सकते हैं। वह जो चाहें करने के लिए स्वतंत्र हैं। किसी अन्य उम्मीदवार को नामांकित भी कर सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि पार्टी का नियम कहता है कि वे ऐसा कर सकते हैं। लेकिन ऐतिहासिक मिसाल, प्रतिनिधि चयन प्रक्रिया, यह संभावना बनाती है कि विशाल बहुमत वैसे भी उनके साथ रहेगा।

इस मामले में बाइडन का आकलन सटीक हो सकता है। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के नियम में तकनीकी रूप से डेलीगेट्स निर्णयों के लिए विवेक को स्थान दिया गया है। फिर भी वे शायद ही कभी समर्थन दिए गए उम्मीदवार को छोड़ते हैं। यह भी संभावना नहीं है कि कई लोग बाइडन से अलग हो जाएंगे, जब तक कि वह दौड़ से बाहर न हो जाएं। बाइडन ने लगभग सभी प्राइमरी में जीत हासिल की है। उन्हें 3896 डेलीगेट्स का समर्थन प्राप्त है, लेकिन यह समर्थन कोई ठोस समझौता नहीं है।

जेलेंस्की बोले, बाइडन ने गलती से उन्हें पुतिन बताया : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उनके अमेरिकी समकक्ष जो बाइडन ने गलती से उन्हें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के रूप में संदर्भित किया था। इस गलती को अमेरिका द्वारा यूक्रेन को प्रदान किए गए सभी समर्थन को देखते हुए भुलाया जा सकता है। नाटो शिखर सम्मेलन में बाइडन ने गुरुवार को उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को ट्रंप और जेलेंस्की को पुतिन कह कर संबोधित कर दिया था।

तिब्बत समाधान अधिनियम पर हस्ताक्षर किए

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने तिब्बत समाधान अधिनियम पर हस्ताक्षर किए हैं, जो तिब्बत के लिए अमेरिकी समर्थन को बढ़ाता है। साथ ही तिब्बत की स्थिति और शासन पर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए चीन और दलाई लामा के बीच बातचीत को बढ़ावा देता है। बाइडन ने शुक्रवार देर रात कहा कि आज मैंने अधिनियम पर हस्ताक्षर किए हैं। मैं तिब्बतियों के मानवाधिकारों को आगे बढ़ाने और उनकी विशिष्ट भाषाई, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए कांग्रेस की द्विदलीय प्रतिबद्धता को साझा करता हूं।

ब्रिटेन में गुरुद्वारे के भीतर हुए हमले में किशोर के खिलाफ मामला दर्ज

लंदन, प्रेट्र: ब्रिटेन में एक गुरुद्वारा में धारदार हथियार से किये गये हमले में दो महिलाओं के घायल होने के बाद गिरफ्तार 17 वर्षीय लड़के पर शनिवार को मामला दर्ज किया गया। किशोर के खिलाफ हिंसा करने, जान से मारने की धमकी देने, धारदार हथियार से किसी व्यक्ति को धमकाने और सार्वजनिक स्थान पर धारदार वस्तु रखने जैसे आरोप लगाये गये हैं। केंट पुलिस ने कहा किशोर ने गुरुवार शाम दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के ग्रेवसेंड स्थित श्री गुरु नानक दरबार गुरुद्वारे में अशांति फैलाने का काम किया है।

नाबालिग होने के कारण लड़के के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। भारत के बाहर सबसे बड़े गुरुद्वारों में से एक इस गुरुद्वारा की ओर से कहा गया है कि वह जांच में सहयोग कर रहा है और घटना के समय गुरु ग्रंथ साहिब जी दरबार हाल में नहीं थे। ब्रिटिश सिख सांसद तन ढेसी ने कहा सरकार को ऐसे सिख विरोधी घृणा अपराधों से निपटने के लिए और अधिक प्रयास करने चाहिए।

इटली में गुलामी से मुक्त कराए गए 33 भारतीय

▸ बिना छुट्टी प्रतिदिन 10-12 घंटे खेतों में काम कराया जाता था

▸ भारतीय है गिरोह का सरगना, बेहतर भविष्य का झांसा देकर फंसाया

रोम, रायटर : इटली में पुलिस ने वेरोना प्रांत में 33 भारतीय खेतिहर मजदूरों को मुक्त करवाया है, जिनसे गुलामों जैसा बर्ताव किया जा रहा था। पुलिस ने शनिवार को कहा कि भारतीयों से गुलाम जैसा काम करवाने वाले दो लोगों से लगभग पांच लाख यूरो जब्त किए हैं। श्रमिकों के उत्पीड़न का मामला तब चर्चा में आया जब पिछले महीने मशीन में हाथ कटने से मजदूर की मौत हो गई थी।

पुलिस ने कहा, भारतीयों को गुलाम बनाने के गिरोह का सरगना भारतीय है। उसने भारतीयों को बेहतर भविष्य का झांसा देकर फंसाया। श्रमिकों को सीजनल वर्क परमिट पर यह कहकर इटली लाया गया कि उनमें से प्रत्येक को 17,000 यूरो मिलेंगे, लेकिन भारतीयों से गुलामों की तरह खेतों में बिना किसी छुट्टी प्रतिदिन 10-12 घंटे काम कराया जाता था। इसके बदले उन्हें केवल चार यूरो प्रतिघंटे की दर से मजदूरी मिलती थी। वास्तव में यह मजदूरी भी नहीं मिलती था, क्योंकि इन मजदूरों को गिरोह ने कर्ज के जाल में फंसा रखा था। कहा गया कि जब तक कि वे अपने सारे कर्ज नहीं चुका देते मजदूरी नहीं मिलेगी।

कुछ भारतीय श्रमिकों से कहा गया कि स्थायी वर्क परमिट के लिए अतिरिक्त 13,000 यूरो का भुगतान करना होगा। इसलिए जब तक यह रकम नहीं चुका देते मुफ्त में काम करें। इसे चुकाना इन श्रमिकों के लिए असंभव था। इस गिरोह पर दासता और श्रम शोषण के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने कहा कि पीड़ितों को सुरक्षा, काम के अवसर और कानूनी निवास के कागजात दिए जाएंगे। गौरतलब है कि अन्य यूरोपीय देशों की तरह, इटली में भी श्रमिकों की कमी बढ़ती जा रही है। इमिग्रेशन के जरिये श्रमिकों की कमी पूरी की जाती है।

नेपाल में नदी में बही बस के एक भारतीय का शव मिला, शेष की तलाश

काठमांडू, प्रेट्र : नेपाल में शुक्रवार तड़के भूस्खलन की चपेट में आकर दो बसों के उफनती नदी में बहने की घटना में शनिवार को 40 वर्षीय एक भारतीय नागरिक सहित तीन लोगों का शव बरामद किया गया। दोनों बसों में सात भारतीय नागरिकों समेत 50 से अधिक लोग सवार थे। नेपाल के चितवन जिले के सिमलताल इलाके में नारायणघाट-मुगलिंग मार्ग पर सात भारतीयों सहित 54 यात्रियों को लेकर जा रही दो बसें भूस्खलन की चपेट में आने के बाद उफनती त्रिशूली नदी में बह गई थीं। इनमें से तीन यात्री तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए थे। पुलिस ने बताया कि दुर्घटनास्थल से 50 किलोमीटर दूर से पहला शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान भारतीय नागरिक ऋषि पाल शाही के रूप में हुई है। इस घटना में लापता हुए अन्य भारतीय नागरिकों की पहचान संतोष ठाकुर, सुरेंद्र शाह, आदित मियां, सुनील, शाहनवाज आलम और अंसारी के रूप में हुई है।

तीसरी बार नेपाल के पीएम बनेंगे ओली, कल लेंगे शपथ

केपी शर्मा ओली।

सीपीएन-यूएमएल और नेपाली कांग्रेस ने तय किए मंत्रियों के नाम, होंगे कुल 21 मंत्री

काठमांडू, प्रेट्र : तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बनने जा रहे केपी शर्मा ओली ने शनिवार को अपने गठबंधन सहयोगी नेपाली कांग्रेस के साथ मंत्रियों के नाम तय किए। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल सोमवार सुबह नए प्रधानमंत्री एवं मंत्रिमंडल के सदस्यों को शपथ दिलाएंगे। राष्ट्रपति रविवार दोपहर तक 72 वर्षीय ओली को प्रधानमंत्री नियुक्त कर देंगे।

नई सरकार में कुल 21 मंत्री होंगे जिनमें से नौ नेपाली कांग्रेस के होंगे और सीपीएन-यूएमएल को आठ मंत्रालयों के अलावा प्रधानमंत्री पद मिलेगा। गृह, वित्त एवं ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण विभाग नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल के बीच बांटे जाएंगे। नेपाली कांग्रेस को गृह मंत्रालय मिल सकता है, जबकि वित्त सीपीएन-यूएमएल के पास रहेगा।

पुष्प कमल दहल प्रचंड के संसद में शुक्रवार को विश्वास मत प्राप्त करने में विफल रहने के बाद नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष ओली का फिर से प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। इससे पहले ओली अक्टूबर 2015 और फरवरी 2018 में प्रधानमंत्री बने थे।

नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के समर्थन से अगली सरकार बनाने का दावा पेश करते हुए ओली ने शुक्रवार रात 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा के 165 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला पत्र राष्ट्रपति को सौंपा। प्रतिनिधिसभा में नेपाली कांग्रेस के 88 और सीपीएन-यूएमएल के 77 सदस्य हैं। दोनों पार्टियों के बीच समझौते के अनुसार, ओली और शेर बहादुर देउबा बारी-बारी से डेढ़-डेढ़ वर्ष के लिए प्रधानमंत्री पद संभालेंगे।

कमला हैरिस और राहुल के बीच फोन पर नहीं हुई बातचीत

नई दिल्ली, आइएएनएस : अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के कार्यालय ने उस खबर को पूरी तरह निराधार और गलत करार दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि हैरिस और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच गुरुवार को फोन पर बातचीत हुई है।

अमेरिका के एक वरिष्ठ पत्रकार ने एक्स पर कहा- "अमेरिकी उपराष्ट्रपति के कार्यालय के अनुसार यह खबर गलत है। कमला हैरिस ने राहुल गांधी से बात नहीं की है।" हालांकि इंटरनेट मीडिया पर राहुल गांधी -कमला हैरिस की टेलीफोन पर बातचीत होने की चर्चा जोरों पर रही। उधर कांग्रेस के हैंडल ने इस खबर की न तो पुष्टि की और न ही कोई खंडन किया। हालांकि, पार्टी के प्रति खास लगाव रखने वाले कुछ इंटरनेट मीडिया अकाउंट द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में राहुल के महत्व को जानबूझकर पेश करना फर्जी खबरों के प्रसार पर सवाल उठाता है और इसे रोकने के लिए एक तंत्र की भी मांग करता है।

भारत ने अमेरिका में खोले दो नए वीजा केंद्र

▸ पांच अन्य भारतीय वाणिज्य दूतावास न्यूयार्क, अटलांटा, शिकागो, ह्यूस्टन, सैन फ्रांसिस्को में

सिएटल में काउंसलर सेंटर का उद्घाटन करते भारतीय महावाणिज्यदूत प्रकाश गुप्ता प्रेट्र

वाशिंगटन, प्रेट्र : भारत ने अमेरिका के वाशिंगटन स्टेट में दो नए वीजा और पासपोर्ट केंद्र शुरू किए हैं। सिएटल और बेलेव्यू में दो केंद्रों का उद्घाटन शुक्रवार को हुआ। यह कदम सिएटल में नवीनतम भारतीय वाणिज्य दूतावास के उद्घाटन के तुरंत बाद उठाया गया है। अन्य पांच मौजूदा भारतीय वाणिज्य दूतावास न्यूयार्क, अटलांटा, शिकागो, ह्यूस्टन और सैन फ्रांसिस्को में हैं। सिएटल में भारत के महावाणिज्यदूत प्रकाश गुप्ता ने उद्घाटन समारोह में कहा कि सिएटल में भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन अमेरिका के साथ हमारे संबंधों को गहरा करने की भारत सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है। केंद्र का संचालन और प्रबंधन भारत सरकार की ओर से वीएफएस ग्लोबल द्वारा किया जा रहा है। वीएफएस ग्लोबल अमेरिका में भारत सरकार के लिए वीजा, ओसीआइ, पासपोर्ट और ग्लोबल एंट्री प्रोग्राम सत्यापन सेवाओं के लिए विशेष सेवा प्रदाता है। गुप्ता ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सिएटल और बेलेव्यू में इन नए वीजा आवेदन केंद्रों पर सभी आवेदकों को बेहतर सुविधा का लाभ मिल सकेगा।

हाइड्रोजन संचालित वाणिज्यिक फेरी...

यह विश्व की पहली हाइड्रोजन संचालित वाणिज्यिक यात्री फेरी है। अमेरिका के कैलिफोर्निया में सैनफ्रांसिस्को की खाड़ी में 19 जुलाई से इसका परिचालन होने जा रहा है। इससे पहले यहां इसका प्रदर्शन हुआ। यह डीजल चालित जहाजों को हटाने तथा कार्बन उत्सर्जन कम करने संबंधी योजना का अंग है। 70 फीट की इस फेरी को एमवी सी चेंज नाम दिया गया है। पायलट प्रोग्राम के अंतर्गत यह सेवा छह माह तक निश्शुल्क होगी। एपी

अवैध निकाह में बरी होने के बाद भी जेल में रहेंगे इमरान-बुशरा

▸ एनएबी ने दंपती को नए तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया

▸ दोनों को गैर-इस्लामिक निकाह मामले में दोषी ठहराया गया था

इमरान खान और बुशरा बीबी

इस्लामाबाद, प्रेट्र: पाकिस्तान की एक अदालत ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को गैर-इस्लामिक निकाह मामले में बरी कर दिया। लेकिन दोनों की जेल से रिहा होने की आशा एक घंटे बाद ही धूमिल हो गई। नेशनल अकाउंटेबलिटी ब्यूरो (एनएबी) के उपनिदेशक मोहसिन हारून ने अदियाला जेल में दंपती को नए तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार कर लिया। लाहौर की आतंक रोधी कोर्ट ने भी गत वर्ष नौ मई को हुए हिंसक प्रदर्शनों से संबंधित तीन मामलों में इमरान को गिरफ्तार करने का अनुरोध स्वीकार कर लिया है।

इस्लामाबाद जिला एवं सत्र कोर्ट ने अवैध निकाह मामले में इमरान-बुशरा को बरी करते हुए अपने फैसले में कहा कि यदि दोनों किसी अन्य मामले में वांछित नहीं हैं तो उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) के संस्थापक इमरान और बुशरा को गैर-इस्लामिक निकाह मामले में गत तीन फरवरी को दोषी ठहराया गया था। दंपती ने इस्लामाबाद जिला एवं सत्र कोर्ट में फैसले को चुनौती दी थी।

बुशरा के पूर्व पति खवार फरीद मानेक ने इस्लामाबाद की एक अदालत में दाखिल मामले में कहा था कि बुशरा ने इद्दत की अवधि में निकाह किया था। इस्लाम में तलाक या पति की मौत के बाद चार महीने पूरे होने से पहले शादी नहीं हो सकती है।

ह्यूस्टन में तूफान के बाद छात्रों की मदद कर रहा भारतीय वाणिज्य दूतावास

ह्यूस्टन, आइएएनएस: ह्यूस्टन में इस सप्ताह आए बेरिल तूफान के बाद मुसीबत में फंसे भारतीयों छात्रों की ह्यूस्टन स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास पूरी मदद कर रहा है। बेरिल तूफान के कारण टेक्सास और लुइसियाना क्षेत्र में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोग बिना बिजली रहने के लिए मजबूर हैं। महावाणिज्य दूतावास ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किया, कोई भी प्रकृति के प्रकोप के प्रभाव से अछूता नहीं है। हमने ह्यूस्टन विश्वविद्यालय में पढ़ रहे भारतीय छात्रों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना तथा उन्हें मदद उपलब्ध कराई। अधिकारी स्थिति को सामान्य बनाने के लिए काम कर रहे हैं, दूतावास ने बैकअप बिजली और अस्थायी इंटरनेट सेवा के सहारे आपातकालीन वाणिज्य दूतावास सेवाएं जारी रखी हैं। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को कहा, हम विभिन्न भारतीय सामुदायिक संगठनों को भी तूफान बेरिल के बाद पूरे समुदाय की मदद करने के लिए उनकी पहल के लिए धन्यवाद देते हैं।

यूक्रेनी ड्रोन हमले में रूसी तेल डिपो में लगी आग

▸ वायु रक्षा प्रणाली की ओर से कई ड्रोन को किया गया नष्ट

▸ रूसी गोलाबारी में खेरसान क्षेत्र में तीन की मौत, 16 घायल

कीव, एपी : यूक्रेन की ओर से शनिवार सुबह ड्रोन से किए गए हमले में रूस के रोस्तोव क्षेत्र में तेल डिपो में आग लग गई। हाल की महीनों में क्रेमलिन हमले को धीमा करने के लिए यूक्रेन रिफाइनरियों और तेल डिपो को निशाना बना रहा है।

इस बीच, यूक्रेन के खेरसान क्षेत्र में रूस ने गोलाबारी की है। गवर्नर आलेक्जेंडर प्रोकुडिन ने कहा, यूक्रेन के खेरसान क्षेत्र में दो लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हुए हैं। उत्तरपूर्वी खार्किव क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक और व्यक्ति की मौत हो गई और 16 घायल हो गए।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रोस्तोव क्षेत्र में दो ड्रोनों को रोके जाने के अलावा, रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने रात भर में देश के पश्चिमी कुर्स्क और बेलगोरोड क्षेत्रों में दो ड्रोनों को नष्ट कर दिया।

वहीं, यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रात भर में रूस द्वारा लांच किए गए पांच ड्रोनों में से चार को रोक दिया गया। वायु सेना के कमांडर मायकोला ओलेशुक ने कहा कि पांचवां ड्रोन बेलारूस की दिशा में आगे बढ़ गया।

अमेरिका, रूस के रक्षा प्रमुखों ने टेलीफोन पर बात की

अमेरिकी रक्षा सचिव लायड आस्टिन ने अपने रूसी समकक्ष एंड्री बेलौसोव से टेलीफोन पर बातचीत की। पेंटागन की उप प्रेस सचिव सबरीना सिंह ने कहा कि आस्टिन ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के चल रहे युद्ध के बीच बातचीत लाइनों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। काल रूसी पक्ष द्वारा शुरू की गई थी और यह आस्टिन और बेलौसोव के बीच दूसरी बातचीत थी।

चिनाब में बहकर पाकिस्तान पहुंचा जम्मू का युवक, सियालकोट में दफनाया शव

दिनेश महाजन ● जागरण

▸ पिता ने पीएम मोदी से शव वापस लाने की लगाई गुहार, कहा-हिंदू परंपरा से करना चाहते हैं अंतिम संस्कार

▸ एक माह से लापता था हर्ष, परिवार ने डुप्लीकेट सिम निकलवाया तो मिस काल अलर्ट से मिली जानकारी

हर्ष नरगोत्रा की फाइल फोटो। सौजन्य : स्वजन

जम्मू : भारत-पाकिस्तान के बीच बहने वाला दरिया चिनाब एक बेटे को इतना दूर ले गया कि अब उसका शव हासिल करने के लिए परिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से गुहार लगानी पड़ रही है। जम्मू से करीब 50 किलोमीटर दूर ज्योड़ियां में रहने वाला हर्ष नरगोत्रा चिनाब में बहकर पाकिस्तान पहुंच गया। वहां एक नहर में उसका शव मिलने पर सियालकोट में पोस्टमार्टम करवाकर उसे वहीं दफना दिया गया। पिछले करीब एक महीने से अपने बेटे की तलाश कर रहे परिवार को अब सियालकोट के एक स्वास्थ्यकर्मी से इसकी जानकारी मिली। परिवार अपने बेटे के के लिए जद्दोजहद कर रहा है और चाहता है कि हर्ष का हिंदू परंपरा के अनुसार अंतिम संस्कार किया जाए।

जम्मू-कश्मीर में इंटरनेट सेवा उपलब्ध करवा रही एक कंपनी में काम करने वाला हर्ष 11 जून को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। इसके अगले दिन हर्ष की मोटरसाइकिल दरिया चिनाब के किनारे मिली थी, लेकिन हर्ष और उसका मोबाइल नहीं मिला। मोबाइल में सिम उसके परिवार के सदस्य के नाम पर थी। इसके बाद परिवार ने डुप्लीकेट सिम निकलवाई तो उसके नंबर पर एक विदेशी नंबर से मिस काल का अलर्ट मिला। परिवार ने जब उस नंबर पर संपर्क किया तो वह फोन नंबर पाकिस्तान के सियालकोट में स्वास्थ्य विभाग के एक कर्मी का निकाला। स्वास्थ्यकर्मी ने बताया कि वहां की एक नहर से हर्ष का शव बरामद हुआ था। उसके गले में अपनी कंपनी का पहचान पत्र था, जिसमें उसका मोबाइल फोन नंबर लिखा था। स्वास्थ्य कर्मी ने बताया कि वह उस फोन नंबर पर संपर्क करता रहा। उसने उसी नंबर पर इंटरनेट मीडिया के जरिये हर्ष की तस्वीरें भी भेजीं। जब कोई जवाब नहीं आया तो शव का पाकिस्तान में पोस्टमार्टम करवाने के बाद उसे वहीं पर दफना दिया गया।

****

पाकिस्तान को सात अरब डालर देगा आइएमएफ

इस्लामाबाद, प्रेट्र: आर्थिक संकट में फंसे पाकिस्तान को आइएमएफ सात अरब डालर देने के लिए सहमत हो गया है। नकदी संकट का सामना कर रहे पाकिस्तान को उसकी दीर्घकालिक आर्थिक समस्याओं से निपटने में सहायता के लिए तीन वर्ष से अधिक समय के लिए यह राशि दी जाएगी। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने शनिवार को कहा कि इस सहायता पैकेज से देश में व्यापक आर्थिक स्थिरता लाई जा सकेगी।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने शुक्रवार देर रात तीन वर्ष से ज्यादा समय के लिए सहायता पैकेज की घोषणा की। इस कार्यक्रम को आइएमएफ के कार्यकारी बोर्ड से स्वीकृत किया जाना है। वाशिंगटन स्थित अंतरराष्ट्रीय ऋण प्रदाता ने कहा है कि इस समझौते से पाकिस्तान को 'आर्थिक स्थिरता को मजबूत करने और शक्तिशाली, अधिक समावेशी और लचीले विकास के लिए परिस्थितियां बनाने में सहायता मिलेगी।'

स्पेन के लिए टूर्नामेंट शानदार रहा है। फाइनल में एक बार फिर उनकी टीम प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी, क्योंकि उनकी टीम बहुत संतुलित है। तकनीकी रूप से भी टीम बहुत अच्छी दिख रही है।
- **वाइचुंग भुटिया**, पूर्व भारतीय फुटबालर

एक नजर में

डी गुकेश और प्रगनानंद ओलिंपियाड टीम में शामिल

चेन्नई : भारत के स्टार खिलाड़ी डी गुकेश और आर प्रगनानंद हंगरी के बुडापेस्ट में सितंबर में होने वाले आगामी शतरंज ओलंपियाड में भाग लेंगे। नवंबर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप में चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को चुनौती देने वाले गुकेश के लिए यह टूर्नामेंट 'ड्रेस रिहर्सल' की तरह होगा। गुकेश ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया है। वह अप्रैल में टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। (प्रेट्र)

अनाहत-टियाना जू. विश्व चैंपियनशिप के तीसरे दौर में

नई दिल्ली : 16 वर्षीय अनाहत सिंह ने ह्यूस्टन में विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप में दक्षिण अफ्रीका की डेने वाल जिल को 11-3, 11-2, 11-6 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। अब अनाहत का सामना अमेरिका की सामंथा जाफी से होगा। भारत की टियाना परसरामपुरिया ने न्यूजीलैंड की एम्मा मेरसोन को 14-12, 11-5, 11-5 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। (प्रेट्र)

आभा का नाम विश्व एथलेटिक्स सूची से गायब

नई दिल्ली : गोला फेंक एथलीट आभा खटुआ का नाम आश्चर्यजनक रूप से विश्व एथलेटिक्स की ओर से जारी ओलिंपिक में भाग लेने वाले एथलीटों की सूची से गायब हो गया है। खटुआ ने ओलिंपिक में विश्व रैंकिंग के आधार पर क्वालीफाई किया था। गुरुवार को वह पोलैंड के स्पाला में प्रशिक्षण लेने के लिए भारत के एथलेटिक्स दल के साथ रवाना हो गई। वहां से 28 जुलाई को सभी एथलीट पेरिस पहुंचेंगे। (प्रेट्र)

इंग्लैंड और पहली ट्राफी के बीच स्पेन की अजेय टीम

यूरो चैंपियनशिप के फाइनल में आज आमने-सामने होंगे थ्री लायंस और ला रोजा

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: एक महीने के दमदार फुटबाल के बाद आज यूरोप को नया फुटबाल चैंपियन मिलने वाला है। तीन वर्ष में दूसरी बार इंग्लिश टीम यूरो फाइनल में पहुंच चुकी है, पर एक बार फिर उनके छह दशक के खिताबी सूखे के सामने अजेय स्पेन की दमदार चुनौती है। टूर्नामेंट की दो दावेदार जर्मनी और फ्रांस को हराकर फाइनल में पहुंची स्पेन ने टूर्नामेंट के सभी मैच जीते हैं। स्लोवाकिया के विरुद्ध अंतिम-16 के मैच में अंतिम मिनट में आए गोल और स्विट्जरलैंड को पेनाल्टी शूटआउट में हराने वाले इंग्लैंड के लिए यह सफर उतना अच्छा नहीं रहा है।

स्पेन की टीम रविवार को जब बर्लिन में यूरो 2024 के फाइनल में उतरेगी तो उसकी कोशिश रिकार्ड चौथी ट्राफी जीतने की होगी जबकि प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड 1966 विश्व कप खिताब के बाद इस खेल में पहली बड़ी ट्राफी जीतने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाएगा। स्पेन और जर्मनी ने तीन तीन यूरो खिताब जीते हैं और रविवार को इंग्लैंड के विरुद्ध मैच में स्पेन का पलड़ा भारी होगा। स्पेन की टीम टूर्नामेंट में अब तक अपने सभी मैच जीतने में सफल रही है। टीम पिछले कुछ समय से शानदार लय में है। उसने पिछले वर्ष जून में यूएफा नेशंस लीग का खिताब भी जीता था। सबसे अधिक प्रभावित 17 वर्षीय यमाल ने किया है, जिनके लिए यह टूर्नामेंट वैसा ही रहा है जैसा कि 2018 विश्व कप में फ्रांस के तब 19 वर्षीय कायलियन एमबाप्पे और 1958 विश्व कप में 17 साल के पेले के लिए था।स्पेन 12 वर्ष के बाद किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है। टीम ने अपना पिछला फाइनल यूरो 2012 में इटली के विरुद्ध खेला था। टीम ने तब इटली को 4-0 से करारी शिकस्त देकर ट्राफी जीती थी। इंग्लैंड की टीम यूरो 2020 के फाइनल में पहुंची थी। कोरोना महामारी के कारण 2021 में हुए इस टूर्नामेंट के फाइनल में उसे इटली ने पेनाल्टी शूटआउट में हराया था। इंग्लैंड के कोच गैरेथ साउथगेट की देखरेख में टीम का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। 2016 में उनके टीम से जुड़ने के बाद इंग्लैंड 2018 में विश्व कप सेमीफाइनल और अब लगातार यूरोपीय चैंपियनशिप फाइनल में पहुंच गया है। स्पेन के कप्तान अलवारो मोराटा चोट से उबर कर अभ्यास करते दिखे जो टीम के लिए अच्छा संकेत है। मोराटा को यह चोट पिछले मैच में जीत का जश्न मनाते हुए लगी थी।

राइट बैक डानी कार्वाहल निलंबन से वापस लौटे हैं, जिससे कोच लुइस डे ला फुएंटे के लिए सेंटर बैक में एकमात्र चयन दुविधा नाचो और राबिन ले नार्मंड और आयमेरिक लापोर्टे में से किसी एक को चुनने की रह गई है। मिडफील्ड में चोटिल पेड्री की जगह दानी ओल्मो मैदान में होंगे।

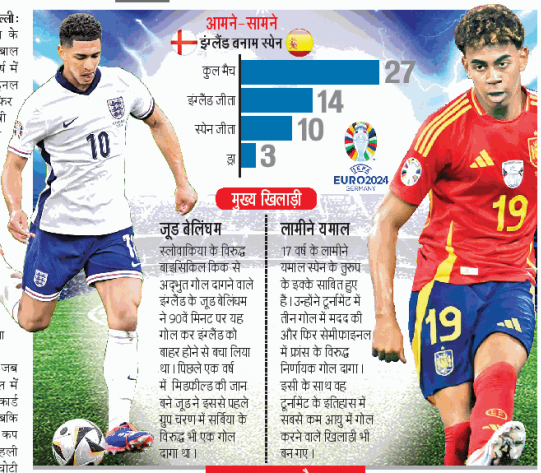

आज का मैच
इंग्लैंड vs स्पेन
रात 12.30 बजे | स्थान : बर्लिन
सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर

कोलंबिया के सामने गत चैंपियन अर्जेंटीना की चुनौती

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: कोलंबिया के कप्तान जेम्स रोड्रिग्ज के लिए कोपा अमेरिका का यह सफर सपने की तरह रहा है। उनकी अगुआई में 23 वर्षों के बाद टीम फाइनल में पहुंची है, परंतु उनके इस स्वप्निल सफर पर दिग्गज फुटबालर लियोन मेसी की अगुआई वाली गत चैंपियन टीम अर्जेंटीना ग्रहण लगाने के लिए तैयार है। संयुक्त रूप से सर्वाधिक 15 बार की चैंपियन अर्जेंटीना अगर यह मैच जीतती है तो वह उरुग्वे को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच जाएगी।

टूर्नामेंट में अजेय रही दोनों टीमें जब अमेरिका के मियामी गार्डेंस में आमने-सामने होंगी, तब कोलंबिया का लक्ष्य 28 मैचों पूर्व मिली अंतिम हार का बदला लेना होगा। 2022 में अंतिम बार अर्जेंटीना से हारने वाली कोलंबिया इतिहास रचने से केवल एक जीत दूर है। दो वर्ष, पांच महीने और 11 दिन पूर्व हुए इस मैच के नायक लाउतारो मार्टिनेज थे। उनके गोल के दम पर ही टीम ने जीत प्राप्त की थी। इस बार कोपा अमेरिका में भी वह शीर्ष फार्म में हैं। टूर्नामेंट में चार गोल दाग चुके लाउतारो मार्टिनेज पर अर्जेंटीना का दारोमदार होगा। कप्तान मेसी के साथ-साथ उन पर भी निगाहें टिकी होंगी। वहीं, अंतिम बार 2001 में जब कोलंबिया फाइनल में पहुंची थी, तब उस टूर्नामेंट की मेजबानी उन्होंने ही की थी। 2021 में कोपा अमेरिका के सेमीफाइनल में भी उन्होंने निर्धारित समय तक अर्जेंटीना को 1-1 से रोके रखा था, परंतु पेनाल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना ने उन्हें 3-2 से हरा दिया था। हालांकि, अर्जेंटीनी कोच नेस्टर लोरेंजो की अगुआई में कोलंबिया की टीम के प्रदर्शन में बहुत सुधार हुआ है। कोच लोरेंजो की अगुआई में कप्तान जेम्स के भी प्रदर्शन में बहुत निखार आया है। जेम्स ने इस दौरान चार गोल दागे हैं, जबकि 19 गोल में मदद की है। वहीं, कोच स्कालोनी की अगुआई वाली अर्जेंटीना भी लगातार तीसरी ट्राफी जीतने के लिए पूरा जोर लगाएगी।

लियोन मेसी | जेम्स रोड्रिग्ज

आज का मैच
अर्जेंटीना vs कोलंबिया
सुबह 5.30 बजे | स्थान: फ्लोरिडा

पहलवान अंतिम पंघाल व अमन को मिली वरीयता

12 दिन शेष पेरिस ओलिंपिक

पेरिस, प्रेट्र : विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अंतिम पंघाल (महिला 53 किग्रा) और बेहद प्रतिभाशाली अमन सहरावत (पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा) को पेरिस ओलिंपिक में कुश्ती प्रतियोगिता के लिए उनके संबंधित भार वर्गों में चौथी और छठी वरीयता दी गई है, जिससे उन्हें शुरुआती मुकाबलों में कठिन प्रतिद्वंद्वियों से बचने में मदद मिलेगी। कुश्ती प्रतियोगिताएं पांच अगस्त को शुरू होंगी और खेलों के अंतिम दिन 11 अगस्त को समाप्त होंगी। यह पहली बार है जब ओलिंपिक में कुश्ती स्पर्धाओं को वरीयता दी जाएगी। ओलिंपिक में वरीयता का निर्णय 2023 विश्व चैंपियनशिप, 2024 महाद्वीपीय चैंपियनशिप के साथ जाग्रेब और बुडापेस्ट में रैंकिंग श्रृंखला में पहलवानों के प्रदर्शन के आधारित है।

महिलाओं के 50 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली स्टार भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को कोई वरीयता नहीं मिली है। इस वरीयता ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि अंतिम को पदक दौर से पहले जापान की शीर्ष दावेदार अकारी फुजिनामी और चीन की कियानयु पांग से मुकाबला नहीं करना पड़ेगा। फुजिनामी दो बार के विश्व चैंपियन हैं जबकि पांग ने टोक्यो ओलिंपिक में रजत पदक हासिल किया था।

अंतिम पंघाल

पदक दौर शुरू होने से पहले अमन को जापान के री हिगुची या आर्मेनिया के आर्सेन हारुत्युन्यान से भिड़ना पड़ सकता है। अमन को हंगरी रैंकिंग सीरीज में हिगुची से हार का सामना करना पड़ा था। हिगुची रियो 2016 की रजत पदक विजेता और 2022 विश्व चैंपियन हैं। ओलिंपिक में अंशू मलिक (महिला 57 किग्रा), निशा दहिया (महिला 68 किग्रा) और रितिका हुडा (महिला 76 किग्रा) भी भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगी।

चौथे टी-20 मैच में जिंबाब्वे को 10 विकेट से रौंदा, भारत पांच मैचों की सीरीज में 3-1 से आगे

यशस्वी-शुभमन की आंधी में उड़ा जिंबाब्वे

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : यशस्वी जायसवाल (93*) की विस्फोटक पारी और कप्तान शुभमन गिल (58*) के संयम की बदौलत भारत की युवा टीम ने जिंबाब्वे को चौथे टी-20 मुकाबले में 10 विकेट से रौंदकर पांच मैचों की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त दिला दी। यह दूसरा अवसर है, जब भारतीय टीम ने जिंब्बावे को 10 विकेट से हराया है। इससे पहले 2016 में इसी मैदान पर भारत ने इसी अंतर से जीत दर्ज की थी। जायसवाल और शुभमन की पारी एकदम विपरीत थी, जहां यशस्वी ने अपनी पारी के दौरान आक्रामक रुख अपनाया तो कप्तान ने दूसरे छोर से उनका पूरा साथ दिया और दोनों की बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने 153 रन का लक्ष्य केवल 15.2 ओवर में हासिल कर लिया।

टी-20 विश्व कप में बेंच पर बैठने वाले यशस्वी ने 53 गेंदों की पारी में 13 चौके और दो छक्के लगाए। गिल ने संयम से खेलते हुए 39 गेंद की नाबाद पारी के दौरान छह चौके और दो छक्के जड़े। यशस्वी का मेहमान टीम के कप्तान सिकंदर रजा पर बैक-ड्राइव शाट बेहद शानदार था और रिचर्ड नगारवा पर लगाया गया छक्का भी उतना ही बेहतरीन था। रजा के पास चौकों छक्कों को रोकने का कोई विकल्प नहीं था। बस सवाल था कि यशस्वी अपना शतक पूरा कर पाएंगे या नहीं या फिर गिल अपना अर्धशतक बना पाएंगे। गिल ने अपना अर्धशतक पूरा किया। इससे यशस्वी के पास शतक पूरा करने के लिए रन नहीं बचे, लेकिन उन्होंने पुल शाट के साथ मैच समाप्त किया।

मैच के दौरान यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ● आइएएनएस

लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी साझेदारी (किसी भी विकेट के लिए)

रन	बल्लेबाज	बनाम	स्थान	वर्ष
165	यशस्वी व गिल	वेस्टइंडीज	लाडरहिल	2023
156*	यशस्वी व गिल	जिंबाब्वे	हरारे	2024
130	शिखर व पंत	वेस्टइंडीज	चेन्नई	2018
123	रोहित व केएल राहुल	इंग्लैंड	ओल्ड ट्रैफर्ड	2018

स्कोर बोर्ड

जिंबाब्वे : 152/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
मधेवेरे का. रिंकू बो. शिवम	25	24	4/0
मरुमानी का. रिंकू बो. अभिषेक	32	31	3/0
बेनेट का. यशस्वी बो. सुंदर	09	14	0/0
सिंकदर का. गिल बो. तुषार	46	28	2/3
जोनाथन रन आउट	03	03	0/0
मेयर्स का. एंड बो. खलील	12	13	0/0
मदांडे का. रिंकू बो. खलील	07	05	1/0
अकरम अविजित	04	03	0/0

अतिरिक्त: 14 (नोबा-1, लेबा-5, वा-8)
विकेटपतन : 1-63 (मरुमनी, 8.4), 2-67 (मधेवेरे, 9.6), 3-92 (बेनेट, 13.4), 4-96 (जोनाथन, 14.4), 5-141 (सिकंदर, 18.3), 6-147 (मेयर्स, 19.1), 7-152 (19.6)
गेंदबाजी: खलील 4-0-32-2, तुषार 3-0-30-1, बिश्नोई 4-0-22-0, वाशिंगटन 4-0-32-1, अभिषेक 3-0-20-1, दुबे 2-0-11-1

भारत : 156/0 (15.2 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
जायसवाल अविजित	93	53	13/2
शुभमन अविजित	58	39	6/2

अतिरिक्त : 5 (वा-5), गेंदबाजी: नगारवा 3-0-27-0, मुजरबानी 3.2-0-25-0, चतारा 2-0-23-0, अकरम 4-0-41-0, रजा 2-0-24-0, बेनेट 1-0-16-0

भारत का श्रीलंका दौरा अब 27 जुलाई से शुरू होगा

क्रिकेट डायरी

मुंबई, प्रेट्र : भारतीय टीम के आगामी श्रीलंका दौरे के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। अब श्रीलंका के विरुद्ध होने वाली तीन मैचों की टी-20 सीरीज का पहला मैच 26 जुलाई की जगह एक दिन बाद 27 को खेला जाएगा। बीसीसीआइ ने शनिवार को यह जानकारी दी। बाकी दोनों टी-20 मुकाबले पहले की तरह ही पल्लेकेले में 28 और 30 जुलाई को खेले जाएंगे।

वहीं तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच अब एक अगस्त की जगह दो अगस्त को खेला जाएगा। बाकी दो मैच चार और सात अगस्त को होंगे। कार्यक्रम के तहत ये तीनों मुकाबले आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाने हैं। भारत का 2021 के बाद यह श्रीलंका का पहला दौरा होगा। दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा होना अभी बाकी है। ये कोच के रूप में गौतम गंभीर का पहला दौरा होगा, वहीं श्रीलंका भी सनथ जयसूर्या की देखरेख में उतरेगी, जिन्हें अंतरिम कोच बनाया गया है।

मार्क वुड दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम में : इंग्लैंड ने तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के संन्यास के बाद ट्रेंट ब्रिज में वेस्टइंडीज के विरुद्ध दूसरे टेस्ट के लिए मार्क वुड को टीम में शामिल किया। एंडरसन ने सीरीज के पहले टेस्ट में इंग्लैंड के लिए अपना 188वां टेस्ट मैच खेलने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वुड (34 वर्ष) मंगलवार को नाटिंघम में टीम से जुड़ेंगे। वह मार्च में भारत दौरे पर इंग्लैंड की टेस्ट टीम में शामिल थे।

कपिल ने गायकवाड़ के लिए बीसीसीआइ से मांगी मदद

नई दिल्ली, जेएनएन: भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव ने रक्त कैंसर से लड़ रहे पूर्व बल्लेबाज व भारतीय टीम के पूर्व कोच अंशुमन गायकवाड़ के लिए बीसीसीआइ से वित्तीय मदद देने का अनुरोध किया है। 71 वर्षीय गायकवाड़ पिछले एक वर्ष से लंदन के किंग्स कालेज अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। कपिल ने कहा कि उनके पूर्व टीम साथी मोहिंदर अमरनाथ, सुनील गावस्कर, संदीप पाटिल, दिलीप वेंगसरकर, मदन लाल, कीर्ति आजाद और रवि शास्त्री इलाज के लिए धन जुटाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं और उन्हें पूरा भरोसा है कि बीसीसीआइ गायकवाड़ की वित्तीय सहायता करेगा।

फाइनल में पाओलिनी को किया पराजित, बारबोरा ने जीता अपना दूसरा ग्रैंडस्लैम खिताब

विंबलडन की नई क्वीन बनीं क्रेजीकोवा

लंदन, एपी : न ही दोस्त, न परिवार यहां तक कि खुद बारबोरा क्रेजीकोवा को विश्वास नहीं हो रहा था कि उन्होंने विंबलडन फाइनल में ट्राफी जीतकर अपना दूसरा ग्रैंडस्लैम खिताब जीत लिया है। तीन वर्ष पहले गैरवरीय खिलाड़ी के रूप में फ्रेंच ओपन खिताब जीतने वाली क्रेजीकोवा खुद हैरान थीं, जब उन्होंने शनिवार को सेंटर कोर्ट पर इटली की जैस्मीन पाओलिनी पर 6-2, 4-6, 6-2 से जीत दर्ज की।

विंबलडन में यह लगातार आठवां वर्ष है, जब आल इंग्लैंड क्लब को नई महिला चैंपियन मिली है। यह लगातार दूसरा वर्ष है, जब चेक गणराज्य की खिलाड़ी ने महिला सिंगल्स का खिताब अपने नाम किया है। 2022 में मार्केता वोंद्रोसोवा ने ट्राफी जीती थी, लेकिन इस वर्ष वह पहले ही दौर में बाहर हो गई थीं। रविवार को क्रेजीकोवा ने पहला सेट आसानी से जीतकर दमदार शुरुआत की, लेकिन इतालवी प्रतिद्वंदी ने भी हार नहीं मानी और दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए मैच को निर्णायक सेट में ले गईं। नर्वस तीसरे सेट में क्रेजीकोवा ने 3-3 के स्कोर पर अपनी सर्विस गंवाई और तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत हासिल कर अपनी दूसरी ग्रैंडस्लैम ट्राफी जीती। क्रेजीकोवा ने इससे पहले 2021 में फ्रेंच ओपन का खिताब अपने नाम किया था। फ्रेंच ओपन में तब उन्हें वरीयता नहीं मिली थी। इस सत्र में पीठ की चोट के कारण आल इंग्लैंड क्लब में भी वह 32 वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों में 31वें नंबर पर थीं।

लगातार दूसरा फाइनल हारीं पाओलिनी : 28 वर्षीय पाओलिनी पिछले महीने फ्रेंच ओपन के फाइनल में भी पहुंची थी, जहां उन्हें इगा स्वियातेक के हाथों हार मिली थी। वह सेरेना विलियमस के बाद ऐसा करने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनी थीं। सेरेना ने 2015 और 2016 में आल इंग्लैंड क्लब और रोला गैरों के फाइनल में जगह बनाई थी। इसके साथ ही वह 2002 में वीनस विलियम्स के बाद दोनों फाइनल गंवाने वाली पहली खिलाड़ी भी बन गईं। वहीं, क्रेजीकोवा विंबलडन महिला सिंगल्स के फाइनल में पहुंचने वाली चेक गणराज्य की पांचवीं खिलाड़ी थीं। डबल्स में उनके नाम सात ग्रैंडस्लैम खिताब हैं।

बारबोरा क्रेजीकोवा ● रायटर

किसी को इस बात पर यकीन नहीं था कि मैं जीत सकती हूं, मुझे भी इस बात पर यकीन नहीं हो रहा है। यह अविश्वसनीय है। ये मेरे टेनिस करियर और जीवन का सर्वश्रेष्ठ दिन है।
- **बारबोरा क्रेजीकोवा**, विजेता

पिछले आठ वर्षों से विंबलडन को मिली है नई चैंपियन

वर्ष	विजेता
2016	सेरेना विलियम्स
2017	गर्बाइन मुरुगुजा
2018	एंजलिक कर्बर
2019	सिमोना हालेप
2021	एश्ले बार्टी
2022	एलिना रिबाकिना
2023	मार्केता वोंद्रोसोवा
2024	बारबोरा क्रेजीकोवा

जोकोविक लेंगे बदला या कायम रहेगा अलकराज का 'राज'

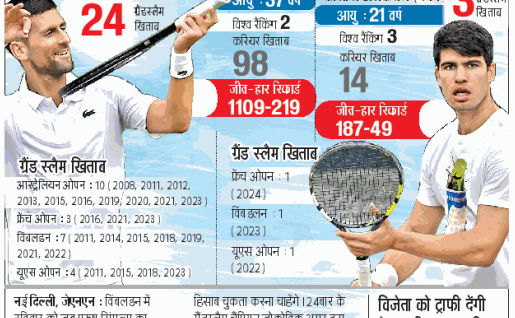

- पुरुष सिंगल्स फाइनल में आज नोवाक के सामने होंगे अलकराज
- पिछले वर्ष भी इन्हीं दोनों खिलाड़ियों के बीच खेला गया था फाइनल

नई दिल्ली, जेएनएन : विंबलडन में रविवार को जब पुरुष सिंगल्स का फाइनल खेला जाएगा तो एक तरफ स्पेन के 21 वर्षीय कार्लोस अलकराज होंगे, तो दूसरी तरफ सर्बिया के 37 वर्षीय नोवाक जोकोविक। इन्हीं दोनों खिलाड़ियों के बीच वर्ष 2023 का विंबलडन फाइनल खेला गया था और उसमें बाजी अलकराज के नाम रही थी। इस बार जहां जोकोविक की नजरें आल इंग्लैंड क्लब पर अपना आठवां खिताब जीतकर महान रोजर फेडरर की बराबरी करने पर तो होंगी ही साथ ही वह पिछले साल फाइनल में मिली हार का भी हिसाब चुकता करना चाहेंगे। 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन जोकोविक अगर इस बार ट्राफी जीत लेते हैं तो वह विंबलडन इतिहास में ऐसा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे। वहीं भविष्य का बड़ा सितारा माने जा रहे अलकराज अपना दूसरा विंबलडन खिताब जीतने उतरेंगे। इसके साथ ही उनकी नजरें भी महान बोरिस बेकर और ब्योन बोर्ग की बराबरी करने पर होंगी, जिन्होंने ओपन युग (1968 के बाद) में 22 वर्ष का होने से पहले दो बार आल इंग्लैंड क्लब पर एक से ज्यादा बार खिताब जीता था।

विजेता को ट्राफी देंगी वेल्स की राजकुमारी

लंदन, प्रेट्र : कैंसर का उपचार करा रही वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन विंबलडन में पुरुष सिंगल्स के फाइनल के विजेता को ट्राफी देंगी। कैंसर के उपचार के लिए कीमोथेरेपी कराने की जानकारी देने के बाद 42 वर्ष की मिडलटन दूसरी बार ही सार्वजनिक तौर पर नजर आएंगी।

दिल्ली कैपिटल्स ने रिकी पोंटिंग को मुख्य कोच पद से हटाया

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिल्ली कैपिटल्स ने सात वर्ष बाद मुख्य कोच रिकी पोंटिंग से अलग होने का निर्णय किया है क्योंकि उनकी उपस्थिति में फ्रेंचाइजी इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) में अपने खिताबी सूखे को समाप्त करने में नाकाम रही है। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को इंटरनेट मीडिया के जरिये यह घोषणा की। पोंटिंग के हटने के बाद इस बात की संभावना है कि टीम के वर्तमान निदेशक सौरव गांगुली अगले सत्र में मुख्य कोच के रूप में काम कर सकते हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने 'एक्स' पर लिखा, 'जैसे-जैसे आप हमारे मुख्य कोच के रूप में आगे बढ़ें, हमें इसे शब्दों में बयां करना अविश्वसनीय रूप से कठिन हो रहा था। आपने हमें देखभाल, प्रतिबद्धता, जज्बा और प्रयास के बारे में बताया। यह हमारे सात वर्षों के साथ-साथ काम करने का सार हैं।' फ्रेंचाइजी ने आस्ट्रेलिया के पूर्व खिलाड़ी के साथ अपने लंबे जुड़ाव को लेकर भावनात्मक पोस्ट किया, लेकिन टीम प्रबंधन सात वर्ष में कोई ट्राफी नहीं जीत पाने के कारण उनके काम से खुश नहीं है। आस्ट्रेलिया के दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान पोंटिंग 2019 में टीम के मुख्य कोच बने थे। टीम 2021 में पहली बार फाइनल में पहुंचने में सफल रही थी।

सच यह भी है कि प्रदूषण अब सरकारों के नियंत्रण से बाहर निकल चुका है। आज सभी के पास मोबाइल है, हर किसी को पता है कि जहां भी वह रहता है, वहां का एक्यूआइ क्या है। मतलब सरकारें जनता को गुमराह नहीं कर सकतीं। इसलिए वह इस दिशा में काम करने के लिए जनआक्रोश के चलते मजबूर हो गई हैं।

आने वाले समय में और तेजी से बढ़ेगा जलवायु परिवर्तन का असर

सप्ताह का साक्षात्कार

देश-दुनिया से लेकर स्थानीय स्तर पर लोग इन दिनों चरम पर मौसमी घटनाओं को करीब से महसूस कर रहे हैं। अब जब यह हमारे-आपके जीवन को सीधे प्रभावित करने लगा है तो 1980 के दौर में, यानी 44 साल पहले पर्यावरण बचाने व जलवायु परिवर्तन की बात करने वाली एक लड़की का चेहरा याद आता है। यह चेहरा देश के उन गिने-चुने पर्यावरणविदों में शामिल था, जो वैश्विक स्तर पर इस मुद्दे को लेकर जागरूकता फैलाने की कोशिश कर रहे थे। इस लंबी अवधि में उन्होंने पर्यावरण बचाव की अपनी मुहिम को न कभी धीमा पड़ने दिया न ही कभी अपने तथ्य-कथ्य से पीछे हटीं। वह आज भी कहती हैं आने वाले समय में और तेजी से बढ़ेगा जलवायु परिवर्तन का असर। सचेत होने की जरूरत है। केंद्र और दिल्ली सरकार को आपसी लड़ाई बंद कर कागजी एक्शन प्लान बनाने के बजाय मैदानी स्तर पर काम करना चाहिए। यह हैं सेंटर फार साइंस एंड एन्वायरमेंट (सीएसई) की महानिदेशक व पद्मश्री से सम्मानित पर्यावरणविद् **सुनीता नारायण**। मौसम की चुनौतियों से कैसे निपटा जाए, भविष्य को लेकर क्या प्लानिंग की जाए, इन्हीं बिंदुओं पर दिल्ली राज्य ब्यूरो के प्रमुख संवाददाता **संजीव गुप्ता** ने उनसे बातचीत की:

● भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है, लेकिन इसकी राजधानी दिल्ली एक दिन की वर्षा भी नहीं झेल पाती। क्या कहेंगी इस पर?

– निश्चित तौर पर यह एक चिंताजनक पहलू है। हर साल मानसून के दौरान दिल्ली की ऐसी ही तस्वीर देखने को मिलती है, लेकिन न कोई पुख्ता एक्शन प्लान बन पाता है और न ही पूर्व वर्षों की पुनरावृत्ति रोकने की दिशा में कुछ ठोस उपाय किए जाते हैं। इस बार भी यही देखने को मिला। न यमुना की गाद निकाली जाती है, न समय पर नाले साफ होते हैं और न जलभराव रोकने की तैयारी होती है। दिल्ली और केंद्र सरकार आपस में लड़ती रहती हैं तो पिसती इन सबमें जनता है।

● दिल्ली सरकार का कहना है कि मानसून के पहले ही दिन रिकार्ड वर्षा हो गई, इसीलिए ऐसी स्थिति बनी?

– यह सब बेकार की बातें हैं। जलवायु परिवर्तन का असर अब ग्लोबल ही नहीं, लोकल लेवल पर भी साफ तौर पर नजर आ रहा है। पिछले साल भी जुलाई में ही दिल्ली में बाढ़ आई थी, लेकिन उससे सबक न लेते हुए इस बार फिर वर्षा से निपटने की तैयारी न होना लापरवाही ज्यादा है। अगर समय से प्लानिंग की गई होती और तैयारी की जाती तो कम से कम ऐसे हालात नहीं बनते। एयरपोर्ट पर भी अव्यवस्था की स्थिति देखने को मिली।

● इस सबसे दुनिया में देश और दिल्ली की छवि पर असर नहीं पड़ेगा?

– बिल्कुल पड़ेगा। हालांकि देश-दुनिया के असर से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि इससे निपटने की दिशा में गंभीरता से प्रयास किए जाएं। आपस में लड़ने की बजाय सरकारों को जनहित में भी कुछ काम करने चाहिए।

● समर एक्शन प्लान इस बार बहुत देरी से बना। हीट एक्शन प्लान कागजी रह गया है और क्लाइमेट एक्शन प्लान तो बना ही नहीं है। इस पर क्या कहेंगी?

– समर एक्शन प्लान आधा-अधूरा है। यह वायु प्रदूषण के तात्कालिक कारणों का शमन करने के लिए, भविष्य के लिए नहीं। केवल धूल विरोधी अभियान सीधे वायु गुणवत्ता में सुधार को लक्षित करता है। बहुत से कार्य बिंदु जैसे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, हरित आवरण बढ़ाना और खुले में जलने से रोकना, पहले से ही राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के अभिन्न अंग हैं और मौसमी क्रियान्वयन के लिए नई रणनीतियां नहीं, बल्कि चल रही प्रथाएं होनी चाहिए। वृक्षारोपण और नगर वनों के विकास जैसी पहल, पर्यावरण की दृष्टि से प्रभावी होते हुए भी तत्काल वायु गुणवत्ता में सुधार नहीं लाती है। इसके चलते दीर्घकालिक पर्यावरणीय लक्ष्यों पर फोकस करना चाहिए।

● क्या हीट एक्शन प्लान कागजी साबित हो रहा है?

– बिलकुल। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा तैयार यह प्लान अभी भी एक कागजी दस्तावेज ही है। मई-जून में भयंकर लू में भी दिल्ली वासियों को राहत देने के लिए कहीं कोई कदम नहीं उठाए गए। यहां तक कि एलजी ने इस प्लान के आधार पर श्रमिकों को दोपहर बारह से तीन बजे तक ब्रेक देने के आदेश का भी ज्यादातर जगहों पर पालन नहीं ही हुआ। हीट एक्शन प्लान बनाने से पहले न इसके प्रभाव का आकलन किया गया, न कोई अलर्ट सिस्टम विकसित हुआ। हाट स्पाट में मुंगेशपुर का नाम तक शामिल नहीं और प्लान के लिए फंड का भी प्रविधान नहीं है।

● इस साल गर्मी कुछ ज्यादा ही नहीं पड़ी? आप इसके पीछे क्या वजह मानती हैं?

– बिल्कुल पड़ी है, लेकिन राजधानी में गर्मी इसी साल एकाएक नहीं बढ़ी है, बल्कि पिछले चार दशकों के दौरान इसमें निरंतर इजाफा हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के चलते मौसम तेजी से बदल रहा है। तापमान ही नहीं, वातावरण में मौजूद नमी में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। जलवायु परिवर्तन ने शहर को पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा गर्म और नम बना दिया है। इसीलिए दिल्ली में गर्मी के सीजन में बदलाव का अनुभव हो रहा है। दरअसल, पिछले चार देशों में दिल्ली में कंक्रीट का जंगल भी बढ़ा है, जो अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव में भी इजाफा कर रहा है। सन 2000 के बाद दिल्ली में तेजी से विकास कार्य हुए हैं। निर्माण कार्यों में इजाफा हुआ। खाली पड़ी जमीन पर फ्लैटों का निर्माण हुआ है तो हरित क्षेत्र बढ़ाने के नाम पर भी झाड़ियां ज्यादा लगाई गईं, वृक्ष कम। सार्वजनिक परिवहन सेवा बेहतर न होने के कारण सड़कों पर वाहनों की संख्या भी काफी बढ़ गई है। शोधकर्ताओं के मुताबिक इसी के चलते शहर की खुद को ठंडा कर पाने की क्षमता में 12 से 21 प्रतिशत की कमी आई है।

● आपके हिसाब से क्या करना चाहिए प्रदूषण की रोकथाम के लिए?

– प्रयास हो रहे हैं, लेकिन उन्हें लगातार करने की जरूरत है। प्रदूषण बढ़ने पर ही नहीं, प्रदूषण न बढ़े, इसके लिए भी कदम उठाए जाने चाहिए। प्रदूषण के स्रोत पता करने के लिए अध्ययन करने या कराने की बात कहना भी बहानेबाजी है। स्रोत सभी का पता हैं, इसमें कोई विज्ञान नहीं है। सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय बनाना होगा। पराली का समाधान इसे राजनीतिक मुददा बनाए बगैर करना होगा। इसके अलावा राजनीतिक दलों को वायु प्रदूषण का मुददा भी अपने एजेंडे में शामिल करना चाहिए।

● क्या घर की बनावट और शहर की डिजाइनिंग में बदलाव भी इस स्थिति में फायदेमंद है?

– शहर की भौगोलिक स्थिति और स्थानीय मौसम को भी ध्यान में रखना जरूरी है। खिड़कियों को ओपन स्पेस की तरफ बनाना चाहिए। बिल्डिंग को इस तरह से डिजाइन किया जाना जाए कि अधिक से अधिक फ्लैटों को ओपन स्पेस की तरफ खिड़कियां मिलें। खिड़कियों के साइज भी कमरों के साइज के हिसाब से तय करने होंगे, ताकि कमरों के अंदर की हवा ताजी हवा से बदल सके।

● दिन तो दिन, अब रातों का तापमान भी तेजी से बढ़ रहा है, क्यों?

– इसमें भी जलवायु परिवर्तन की बड़ी भूमिका है, क्योंकि वैश्विक तापमान में लगातार वृद्धि के चलते हवा का तापमान भी बढ़ा है, जिसका दिन और रात के तापमान पर असर पड़ा है। साफ आसमान से रात ठंडी होने का रास्ता भी साफ होता है, लेकिन प्रदूषण में बढ़ोत्तरी या आसमान में बदली छा जाने के कारण लांग वेव रेडिएशन के रूप में धरती द्वारा निकाली जा रही ऊर्जा बादलों और भूतल के बीच फंस जाती है, जिससे तापमान में और भी वृद्धि होती है।

● आपको नहीं लगता कि मानसून की वर्षा का पैटर्न बदल गया है और मौसम चक्र भी धीरे-धीरे बदल रहा है?

– जलवायु परिवर्तन का असर तेजी से देखने को मिल रहा है। मानसून का पैटर्न भी इसीलिए बदल रहा है। एनसीआर सहित देश भर में लंबे समय से मानसून के मौसम में वर्षा वाले दिनों की संख्या घट रही है। कुछ ही दिनों में रुक-रुक कर भारी से अत्यंत भारी वर्षा हो जाती है। यह पैटर्न बीते कुछ वर्षों से लगातार मजबूत हो रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण हवा में नमी अब अधिक रहने लगी है। महासागर भी गर्म है। दक्षिण-पश्चिम मानसून अपने साथ अतिरिक्त नमी ला रहा है। एक अन्य अहम पहलू यह कि बढ़ते तापमान के साथ, हवा में नमी धारण करने की क्षमता भी बढ़ जाती है। चूंकि गर्म हवा लंबे समय तक नमी को धारण नहीं रख सकती, ऐसे में जब भी वर्षा होती है तो सारी नमी कुछ घंटों या कुछ दिनों के अंतराल में बरस जाती है। यही वजह है कि इतने कम समय में इतनी भारी बरसात हो रही है।

● क्या भविष्य में इन सबमें कमी की उम्मीद की जा सकती है या फिर इसमें और इजाफा होगा?

– जलवायु विसंगतियों के प्रभाव से प्रतिकूल मौसम की ऐसी परिस्थितियां बढ़ ही रही हैं। हम इसका व्यापक असर दिल्ली में भी देख रहे हैं। जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन और तीव्र होगा, बाढ़, लू और चक्रवात जैसी चरम घटनाएं और गंभीर हो जाएंगी। इन घटनाओं से बढ़ते जोखिमों से निपटने के लिए तत्काल जलवायु कार्रवाई, अनुकूलन उपाय और वैश्विक ग्रीनहाउस गैस कटौती पर सहयोग आवश्यक है।

● ऐसे में बिना पुख्ता प्लानिंग के तो वर्षा का जल भी बर्बाद होता जाएगा। क्या करना चाहिए?

– मानसून के पैटर्न में बदलाव को देखते हुए ज्यादा से ज्यादा तालाब और झील विकसित करने चाहिए। इससे दिल्ली और बेंगलुरु जैसे जल संकट वाले शहरों में वर्षा जल संचयन हो सकेगा और वर्षा का पानी नाली और सड़कों पर बहने से भी बचेगा। जलवायु-परिवर्तन के इस दौर में अच्छी वर्षा तो होगी, लेकिन कम दिनों में। इसका मतलब है कि बाढ़ का प्रबंधन करने की क्षमता महत्वपूर्ण होगी। लंबे समय तक सूखे का सामना भी करना पड़ेगा। यह वही है जो आप आज दिल्ली में देख रहे हैं, जिसका मतलब यह कि जल आपूर्ति प्रणाली को ठीक करना होगा। इस बारे में सोचें कि वर्षा कहां और कब होती है, इसके पानी को कैसे बचाएं। वर्षा जल संचयन पर वापस जाएं। हमें जल निकायों, झीलों, टैंकों और पोखरों की कला को फिर से सीखने की जरूरत है। खासकर आज के जलवायु परिवर्तन के समय में। हमें स्थानीय जल प्रणालियों में निवेश करने के लिए अपने काम को बढ़ाने की जरूरत है, ताकि बारिश की हर बूंद को इकट्ठा किया जा सके। हमें अपनी झीलों और पोखरों को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। इसी तरह से जल पुनर्भरण बढ़ेगा।

● क्या कारण है कि देश और दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है?

– ऐसा नहीं कहा जा सकता कि वायु प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है। पहले से कम भी हुआ है। बढ़ वहीं रहा है जहां ईमानदारी से काम नहीं किया जा रहा। समस्या क्या है कि प्रदूषण समाप्त करने के लिए शब्द और चिट्ठियां नहीं, बल्कि सख्ती चाहिए। मसलन, ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) एक अस्थायी व्यवस्था है। सर्दियों में जब मौसमी वजह से प्रदूषण बहुत अधिक हो जाता है तो उस पर नियंत्रण की प्रक्रिया है, लेकिन अगर उस दौरान स्कूल बंद करने की नौबत आती है तो साल भर ऐसे उपाय करने चाहिए, जिससे कि दोबारा वह हालात नहीं बनें।

● क्या प्रदूषण बढ़ने में भी मौसम की भूमिका है?

– वायु प्रदूषण का स्तर वर्ष भर बढ़ा हुआ रहने के लिए दो प्रमुख कारण हैं। बिगड़ती मौसम की स्थिति, जो मानव नियंत्रण से परे है और संकट से निपटने की धीमी रफ्तार। इस सर्दी में दिल्ली सहित उत्तर-पश्चिम भारत में वर्षा नहीं हुई। वर्षा की कमी पश्चिमी विक्षोभ को प्रभावित करने वाले आर्कटिक जेट स्ट्रीम में बदलाव के कारण है, जो अधिक अनियमित हो रही है और उत्तर की ओर बढ़ रही है। इसके कारण पहाड़ों पर कम बर्फबारी हुई और दिल्ली में कम बारिश हुई, जिसके परिणामस्वरूप प्रदूषण का स्तर बढ़ गया। दूसरी बात 2021 तक की गई सभी कार्रवाइयों के बाद, हम उस गति से कार्रवाई नहीं कर रहे हैं जो संकट से निपटने के लिए आवश्यक है। दिल्ली में बस बेड़े का आखिरी बड़ा विस्तार मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कार्यकाल के दौरान राष्ट्रमंडल खेलों के आसपास हुआ था। तब से, कई बसों को प्रतिस्थापित नहीं किया गया है, जिससे बस सवारियों में गिरावट आई है। बस प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए मेट्रो सिस्टम और पार्किंग सुविधाओं के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता है।

● आंकड़ों की बाजीगरी छोड़ दें तो क्या वाकई दिल्ली की स्थिति में सुधार कहा जा सकता है?

– हां, बिल्कुल, सुधार नजर आता है। सर्दी छोड़कर बाकी के दिनों में प्रदूषण कम हो रहा है। संतोषजनक और मध्यम श्रेणी के दिनों की संख्या बढ़ रही है, गंभीर और बहुत खराब श्रेणी वाले दिन घट रहे हैं। अब अगर मौसमी कारणों से एक्यूआइ बढ़ता है तो उसमें वाकई कुछ नहीं किया जा सकता, लेकिन हमें अपनी प्लानिंग इसी तरह बनानी चाहिए कि प्रतिकूल मौसम में हालात अनुकूल ही बने रहें।

● आपको क्या लगता है कि राज्य और केंद्र सरकार वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए वाकई गंभीर हैं?

– बिल्कुल, राज्य और केंद्र सरकार प्रदूषण की रोकथाम के लिए आज गंभीर तो हैं, इसमें कोई शक नहीं। इसी के तहत ई वाहनों पर फोकस किया जा रहा है और पराली प्रबंधन पर भी लगातार काम हो रहा है।

सीए में टाप करने के बाद आइएएस या बिजनेस स्कूल पर है शिवम की नजर

हाल ही में इंस्टीट्यूट आफ चार्टेड एकाउंटेंट्स आफ इंडिया (आइसीएआइ) का परिणाम घोषित हुआ। इसमें टापर्स की सूची में पहले दो स्थानों पर दिल्ली के होनहार विद्यार्थियों ने अपनी जगह बनाई है। पहले स्थान पर हैं रोहिणी के शिवम मिश्रा, जिन्होंने शीर्ष दस में आने का लक्ष्य रखा था, लेकिन मेहनत व योजनाबद्ध तरीके से उन्होंने देशभर में टाप किया। बेशक वह सीए बन गए, लेकिन उनका सफर यहां खत्म नहीं होता है। वह आइएएस या फिर एमबीए के जरिये भविष्य बनाना चाहते हैं। वहीं, दूसरे स्थान पर है दिलशाद कालोनी की वर्षा अरोड़ा। अपनी कमियों से भागने या बचने के बजाय उन्होंने उसे चिह्नित किया और फिर अनुशासनात्मक ढंग से तैयारी शुरू की:

94.6% अंक प्राप्त किए थे 12 वीं में शिवम ने

● सीए फाइनल ग्रुप की दोनों परीक्षा में 35819 में से 7122 उम्मीदवार यानी 19.88 प्रतिशत पास हुए

निहाल सिंह ● जागरण

नई दिल्ली: इंस्टीट्यूट आफ चार्टेड एकाउंटेंट्स आफ इंडिया (आइसीएआइ) की परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले शिवम मिश्रा ने कहा कि अपनी सफलता के लिए आखिरी पांच माह में जो मेहनत की ये उसी का परिणाम है। साढ़े पांच माह की स्टडी लीव में उन्होंने जो कार्ययोजना बनाई, उससे उन्हें पहले ही प्रयास में सफलता मिल गई। शिवम ने हर दिन के लिए अध्याय और विषय तय कर रणनीति के तहत घर में पढ़ाई की।

रोहिणी में रहने वाले शिवम मिश्रा ने केंद्रीय विद्यालय (सैनिक विहार) से 10वीं व 12वीं की पढ़ाई की है। उन्होंने दसवीं में 10 सीजीपीए और 12 वीं में 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। शिवम के पिता नागेंद्र मिश्रा पेशे से ज्योतिषाचार्य हैं और मां राधा मिश्रा गृहिणी हैं। उनकी एक बहन है, जो कि शिक्षिका हैं। शिवम ने बताया कि वह आगे चलकर आइएएस बनना चाहते हैं या फिर एमबीए करके फाइनेंस में ही अपना भविष्य बनाएंगे। वह दोनों में से क्या करेंगे इस पर अभी निर्णय नहीं लिया है। शिवम मिश्रा ने बताया कि कड़ी मेहनत ही सफलता की गारंटी है। अपने इस परिश्रम के दौरान वह परिवार के साथ दादी की बरसी पर भी नहीं जा पाए थे।

परिवार के साथ सीए टापर शिवम मिश्रा। फाइल

शिवम ने बताया कि जब आप लगातार पढ़ाई करते हैं तो एक डर असफलता का भी आपके सामने आता है, लेकिन उससे डरना नहीं है। जब भी नकारात्मक ख्याल आए तो उसे छोड़कर दोस्तों से बात करें या कुछ समय निकालकर ध्यान को सकारात्मक करने के लिए वेबसीरीज देख सकते हैं, लेकिन ध्यान केंद्रित पढ़ाई पर ही रखना है। सबसे ज्यादा अहम है कि अपनी कार्ययोजना इस तरह से बनाएं कि परीक्षा से पहले तैयारी पूरी रहे। माक टेस्ट के जरिये अपनी कमजोरी की पहचान करें। उन्होंने कहा कि सभी को पता है कि इस परीक्षा के परिणाम में दस प्रतिशत ही लोग सफल हो पाते हैं, लेकिन मेरा लक्ष्य शुरू से ही शीर्ष दस में स्थान बनाने का था। यह लक्ष्य पूरा हो गया है तो सभी लोग खुश हैं। पिता ज्योतिषाचार्य हैं और उन्होंने तो पहले ही भविष्य की गणना कर दी होगी, इस सवाल पर शिवम ने बताया कि पिताजी घर के लोगों का भविष्य नहीं बताते हैं।

उपलब्धि

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

आइसीएआइ परीक्षा में दिल्ली की वर्षा अरोड़ा ने दूसरा स्थान पाकर अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणाम आने के बाद से न केवल वर्षा के परिवार में बल्कि पड़ोसी से लेकर नाते-रिश्तेदारों की खुशी का ठिकाना नहीं है। माता-पिता का फोन लगातार बज रहा है और दूर-दूर से बधाई के संदेश आ रहे हैं। परीक्षा उत्तीर्ण करना और उसमें भी अखिल भारतीय स्तर पर दूसरा स्थान पाकर वर्षा भी खुश हैं, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा अपनी तैयारी से ही था। उन्होंने माक टेस्ट रिवीजन में अपनी कमियों को चिह्नित कर उसे दूर कर लिया था। आठ से दस घंटे की प्रतिदिन की पढ़ाई ने उन्हें लक्ष्य प्राप्ति में मदद की।

दिल्ली के विवेक विहार स्थित अर्वाचीन भारती स्कूल से 10वीं और 12 वीं की पढ़ाई करने वाली वर्षा अरोड़ा ने स्नातक की पढ़ाई दिल्ली विश्वविद्यालय के आइपी कालेज से की है। उन्होंने दसवीं कक्षा में 10 सीजीपीए और जबकि 12वीं में 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। वर्षा बताती हैं कि पहले उनका लक्ष्य सिविल सेवा में जाने का था, लेकिन बाद में सीए बनने की बात मन में आई। इसके लिए पहले उन्होंने अपने दोस्तों से इसकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और कुछ वरिष्ठ लोगों से सलाह लेकर तैयारी शुरू की। चरणबद्ध तरीके से सभी परीक्षाएं पास कीं। इसके लिए कुछ विषयों में कोचिंग की सहायता ली और कुछ विषयों की तैयारी स्वयं की। साढ़े पांच माह स्टडी लीव के दौरान उन्होंने अपनी परीक्षा के लिए तैयारी की और माक टेस्ट के जरिये अपनी कमियों की पहचान की। इसे रिविजन के माध्यम से दूर किया और सफलता हासिल की।

'अपनी कमियों की पहचान कर करें तैयारी तो मिलेगी सफलता'

देशभर में दूसरा स्थान पाने वाली वर्षा अरोड़ा ने साझा किए अनुभव

वर्षा अरोड़ा के पिता पेशे से अकाउंटेंट हैं और एक निजी कंपनी में कार्य करते हैं, जबकि एक बहन है, वह पीएचडी कर रही है। माता गृहिणी हैं। वर्षा ने इस परीक्षा की तैयारी करने वालों को सलाह दी है कि घबराएं नहीं, बस तैयारी करें और लक्ष्य हासिल करें। तैयारी के लिए जरूरी है कि जो पाठ्य सामग्री आइसीएआइ द्वारा उपलब्ध कराई जाती है उसे पूरा पढ़ें और जो प्रश्न-पत्र माक टेस्ट के लिए मिलते हैं, उन्हें हल कर अपनी कमजोरी की पहचान करें और उसमें सुधार करें। वर्षा का उद्देश्य अब नौकरी करना है।

सीए की तैयारी कर रहे बच्चों के लिए टिप्स

वर्षा ने बताया की जो बच्चे सीए की तैयारी कर रहे हैं, वो आईसीएआई का स्टडी मटेरियल, माक टेस्ट, पुराने पेपर से अपनी पढ़ाई में मदद ले सकते हैं। उन्होंने भी इसी का सहारा लेकर इस एग्जाम में सफलता पाई है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि परीक्षा की तैयारी करने में आप अपने पढ़ाई में एक दिन का भी गैप ना रखें, क्योंकि किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए एक डिसिप्लिन और टाइम-टेबल बेहद जरूरी होता है।

दादा-दादी को दवाई खिलाएगा 'मेडिटेल'

नवाचार

यदि आपके परिवार में बुजुर्ग हैं और वह अक्सर अपनी दवाइयां भूल जाते हैं तो चिंता की कोई बात नहीं है ... मेडिटेल अब उनकी मदद करेगा। यह एक मिनी रोबोट है, जिसे गुजरात के बड़ोदरा के रहने वाले 15 वर्ष के निखिल लेमोस ने खास तौर पर अपने दादा-दादी के लिए डिजाइन किया है। यूनिसेफ ने उनके इस नवाचार को खूब सराहा और प्रचारित भी किया:

नेशनल डेस्क, जागरण ● नई दिल्ली

हर व्यक्ति के जीवन में एक समय ऐसा आता है, जब उनके परिवार के बुजुर्गों को किसी न किसी सहारे की जरूरत होती है। आज के समय में यह तब और मौजूं हो जाता है जब नौकरी या व्यवसाय के चलते अधिकांश लोग बाहर चले जाते हैं और परिवार के बुजुर्ग अलग रह जाते हैं। ऐसे में यदि उन्हें दवाइयों की याद दिलाने वाला दोस्त मिल जाए तो उनकी जिंदगी कितनी आसान, सुरक्षित व सेहतमंद हो जाएगी। इस कल्पना को साकार किया है गुजरात के बड़ोदरा के रहने वाले निखिल लेमोस ने। उन्होंने एक मिनी रोबोट तैयार किया है, जो बुजुर्गों को उनकी दवाइयों की याद दिलाएगा। यही नहीं, वह उन्हें दवाई लेने के लिए भी प्रेरित करेगा। बड़ोदरा के नवरचना हायर सेकेंडरी स्कूल में 11वीं कक्षा के छात्र निखिल बताते हैं इस रोबोट को बनाने का ख्याल उन्हें अपने दादा-दादी को देखकर आया। वह कहते हैं मैंने देखा कि कैसे वे कभी-कभी अपनी गोलियां लेना भूल जाते थे। यह भी महसूस किया कि दवा की खुराक छूटने से बुजुर्गों को कैसी-कैसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। जब सोचना शुरू किया तो लगा कि अलार्म सिस्टम जैसा कुछ होना चाहिए, लेकिन यह पता था कि सिर्फ इससे काम नहीं होगा।

प्रतिदिन छह अलार्म हो सकते हैं सेट

मेडिटेल में दिनभर के छह अलार्म सेट कर सकते हैं। इसमें खास तौर पर नाश्ते से पहले/बाद, दोपहर के भोजन और रात के खाने जैसे विभिन्न दवाइयों के शेड्यूल को समायोजित किया गया है। समय होते ही अलार्म बज जाता है और रोबोट दवाई और पानी लेकर मौजूद रहता है। इससे बुजुर्ग न तो दवाई खाना भूलते हैं और न ही आलस की वजह से उसे टाल पाते हैं।

2019 में निखिल को पहली बार ऐसा रोबोट बनाने का आया था ख्याल

50 नवाचारों में से एक चुना गया था 2023 में आयोजित विज्ञान मेला में

<< उपकरण के साथ निखिल लेमोस। इंटरनेट मीडिया

^ नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात्रिभोज के पहले व बाद का लगा है अलार्म।

गुरु के सामने रखे थे विचार: निखिल के गुरु मुकेश बिंद ने कहा कि निखिल के साथ उनकी यात्रा विश्व रोबोट ओलंपियाड (2019) के दौरान शुरू हुई जहां वे मिले थे। प्रतियोगिता के बाद, निखिल ने मेरे साथ रोबोटिक्स सीखना शुरू किया। उस समय एक ऐसा रोबोट बनाने की इच्छा व्यक्त की थी, जो उसके दादाजी को दवा लेने में मदद करेगी।

पानी भी लेकर आएगा रोबोट

मेडिटेल सिर्फ दवाई खाने की याद ही नहीं दिलाता है बल्कि वह दवाइयों के नाम याद रखने के साथ-साथ पानी भी लेकर आता है। वह कहते हैं सबसे पहले, मैंने एक अलार्म सिस्टम बनाने का फैसला किया, जो लोगों को तब सचेत करेगा, जब उन्हें अपनी गोलियां लेने की आवश्यकता होगी, लेकिन मैंने अपनी दादी को देखा, तो मुझे एहसास हुआ कि सिर्फ याद दिलाने से काम नहीं चलेगा। उन्हें कई बार दवाई लेना याद रहता था, लेकिन आस-पास पानी नहीं होने की वजह से वह दवाई लेने से बचती थीं। इसके चलते इस डिवाइस में एक पानी की बोतल भी लगा दी। जो समय पर पहुंचकर न सिर्फ दवाइयां देगा बल्कि हाथोंहाथ पानी भी उपलब्ध करवा देगा।

शून्य से शुरू हुआ था रोबोट बनाने का सफर

डिवाइस को एक साथ लगाना एक बात थी, लेकिन अलार्म सिस्टम को सही जगह पर लगाने के लिए कोडिंग एक चुनौती साबित हुई। निखिल कहते हैं, "यह पहला माडल था, जिसके बारे में कल्पना करने से लेकर बनाने तक का काम मुझे अकेले ही करना था। उस समय मैं आर्डिनो (एक ओपन-सोर्स कोडिंग बोर्ड) से परिचित हो गया, जो डिवाइस के अन्य हिस्सों को उनके कामकाज को नियंत्रित करने के लिए सिग्नल भेजता है। लगभग डेढ़-दो साल की मेहनत के बाद निखिल को सफलता मिली। वह कहते हैं मैंने सबसे पहले गुजरात विश्वविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित एक स्पर्धा के लिए आवेदन किया था, वहां से इस प्रोजेक्ट को यूनिसेफ में भेजने के लिए चयनित किया गया। गुजरात यूनिवर्सिटी स्टार्टअप एंड एंटरप्रेन्योरशिप काउंसिल के प्रोग्राम मैनेजर संयम छाजेड़ ने बताया मेरा प्रोजेक्ट यूनिसेफ के लिए चयनित हुआ है। इस में शामिल देश के पांच प्रोजेक्ट्स में से मेरा मेडिटेल भी एक है।

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 14 जुलाई, 2024
आजकल
14
www.jagran.com

भारत में भेजा गया दुनिया का आखिरी टेलीग्राम

2013 में आज ही दुनिया का आखिरी टेलीग्राम भारत में भेजा गया था। इंटरनेट, मोबाइल जैसी नई तकनीकों की वजह से यह अप्रासंगिक हो गया था। पहला औपचारिक टेलीग्राम 24 मई, 1844 को वाशिंगटन से सैमुअल मोर्स ने बाल्टीमोर में अपने बिजनेस पार्टनर अल्फ्रेड वेल को भेजा था।

अमेरिका में मशीन से जमाई गई बर्फ का किया गया प्रदर्शन

1850 में आज ही के दिन पहली बार अमेरिका में रेफ्रिजरेशन से बनाई गई बर्फ का प्रदर्शन किया गया था। डा. जान गोरी ने ईंटों के आकार के बर्फ बनाए थे। इसके बाद उन्होंने यूएस मरीन अस्पताल में अपना सिस्टम स्थापित किया। 1851 में उन्होंने मैकेनिकल फ्रीजर के लिए पहला पेटेंट प्राप्त किया।

प्रसिद्ध समाज सेवकों में लिया जाता है आगरकर का नाम

स्वतंत्रता सेनानी व समाज सुधारक गोपाल गणेश आगरकर का जन्म 1856 में आज ही महाराष्ट्र के सतारा जिले में हुआ था। कालेज के दिनों में ही देश और समाज सेवा का प्रण ले लिया। आजादी की लड़ाई में शिक्षा को शक्तिशाली हथियार मानने वाले आगरकर ने बाल गंगाधर तिलक के साथ मिलकर पुणे में न्यू इंग्लिश स्कूल, दक्कन एजुकेशन सोसाइटी और फर्ग्यूसन कालेज की स्थापना की। वह राष्ट्रवादी अखबार केसरी से भी जुड़े थे। 1888 में सुधारक पत्रिका निकालकर छुआछूत और जाति प्रथा का विरोध किया।

एंटीबाडी को तेज बढ़ाने वाला है सुदर्शन क्रिया योग

अध्ययन ▶ मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज के विज्ञानी ने निम्स जयपुर के संयुक्त शोध में किया प्रमाणित

सुदर्शन क्रिया योग के बाद आइजीजी स्कोर 22 .07 से 77 .3 होने से विज्ञानी चकित

मृत्युंजय मिश्र ● जागरण

प्रयागराज में शोध के दौरान योग क्रिया करते लोग। जागरण

प्रयागराज : योग की शक्ति को प्रमाणित करने के लिए मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज प्रयागराज, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस (निम्स) जयपुर के विज्ञानियों ने आर्ट आफ लिविंग प्रयागराज केंद्र के सहयोग से कोविड-19 टीकाकरण करा चुके लोगों पर हुए सुदर्शन क्रिया योग के प्रभाव को परखा। नतीजे चौंकाने वाले रहे। शोध में यह प्रमाणित हुआ कि कोविड टीकाकरण करा चुके लोगों में सुदर्शन क्रिया योग के प्रभाव से इम्युनोग्लोबुलिन-जी (आइजीजी) एंटीबाडी तेजी से बनी। यह सीधे तौर पर कोविड के प्रभाव से बचाने में महत्वपूर्ण है। यह शोध अंतरराष्ट्रीय जर्नल पापुलेशन थेरेप्यूटिक्स एंड क्लीनिकल फार्माकोलाजी में प्रकाशित हुआ है।

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज में मनोविज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर राकेश कुमार पाठक ने निम्स के मनोविज्ञान विभाग की प्रोफेसर विनीता और आर्ट आफ लिविंग के सीनियर फैकल्टी पंकज मिश्र के साथ मिलकर आइजीजी के स्तर को बढ़ाने में सुदर्शन क्रिया योग की प्रभाव को समझने की कोशिश की। अध्ययन में विज्ञानियों ने एमएनआइएमएस और एसआरएन अस्पताल के वैक्सीनेशन केंद्र और योग केंद्र से डाटा लेकर कोविड वैक्सीन की दूसरी डोज लगा चुके 222 लोगों (25 से 65 वर्ष आयु वर्ग) को अध्ययन के लिए चुना, इसमें 111 महिलाएं थीं। मुख्य शोधकर्ता डा. पाठक के अनुसार टीकाकरण के बाद शरीर में आइजीजी के स्तर का पता लगाकर सुदर्शन क्रिया योग शुरू कराया गया। परीक्षण से पहले और सुदर्शन क्रिया योग के बाद की गई जांच के विश्लेषण से पता चला कि औसत आइजीजी स्कोर 22.07 से बढ़कर 77.3 हो गया था। दूसरे टीकाकरण के बाद लगभग दो महीने तक रहने वाले उच्च आइजीजी स्तर के अवलोकन के साथ विज्ञानियों ने यह निष्कर्ष निकाला कि योग के अभ्यास के साथ आइजीजी स्तर में काफी वृद्धि हुई। इससे शरीर को कोविड के खिलाफ एंटीबाडी बनाने में मदद मिली और दूसरी खुराक के 11 सप्ताह बाद आइजीजी स्तर चरम पर पहुंच गया।

कार्टिसोल को कम कर बढ़ा देता है एंटीबाडी का स्तर : डा. राकेश कुमार पाठक बताते हैं कि एंटीबाडी को इम्युनोग्लोबुलिन भी कहा जाता है। यह शरीर में एंटीजन नामक बाहरी हानिकारक तत्वों से लड़ने में मदद करता है। शरीर में एंटीजन प्रवेश करने के बाद प्रतिरक्षा तंत्र को एंटीबाडीज बनाने के लिए उत्तेजित करते हैं। आइजीजी बढ़ेगा तो प्रतिरक्षा तंत्र भी मजबूत होगा और इससे वायरल संक्रमण का प्रभाव कम होगा। डा. पाठक बताते हैं कि कुछ मरीजों में तनाव से कार्टिसोल का स्तर बढ़ जाता है। कोई भी वैक्सीनेशन करा लें पर यदि कार्टिसोल हार्मोन बढ़ेगा तो एंटीबाडी का स्तर कम होने लगेगा। सुदर्शन क्रिया योग कार्टिसोल हार्मोन का स्तर कम कर देता है और शरीर तेजी से एंटीबाडी बनाने लगता है।

शरीर के वजन और मस्तिष्क के आकार के बीच सीधा संबंध नहीं

▶ **अध्ययन के अनुसार, बहुत बड़े जानवरों का मस्तिष्क अपेक्षा से छोटा होता है**

▶ **चमगादड़ का मस्तिष्क पहले बड़ा था, समय की मांग के अनुरूप वह छोटा हो गया**

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र : एक शोध दल ने दावा किया है कि बड़े शरीर का मतलब हमेशा बड़ा मस्तिष्क नहीं होता है। इस दल ने दोनों के बीच एक असंगत संबंध पाया है। एक सदी से भी अधिक समय से विज्ञानियों ने सोचा था कि जानवर जितना बड़ा होता है, मस्तिष्क आनुपातिक रूप से उतना ही बड़ा होता है।

अध्ययन के लेखकों के अनुसार, यह एक 'रैखिक'' या सीधी रेखा वाला संबंध है। ब्रिटेन के रीडिंग विश्वविद्यालय के प्रमुख लेखक क्रिस वेंडीटी ने कहा कि अब हम जानते हैं कि यह सच नहीं है। मस्तिष्क और शरीर के आकार के बीच संबंध एक वक्र है, जिसका अनिवार्य रूप से अर्थ है कि बहुत बड़े जानवरों का मस्तिष्क अपेक्षा से छोटा होता है। नेचर इकोलाजी एंड इवोल्यूशन नामक पत्रिका में अध्ययन प्रकाशित किया है। इसमें सभी स्तनधारियों में शरीर के आकार और मस्तिष्क के बीच एक ''सरल संबंध'' की जानकारी दी, जिसने शोधकर्ताओं को मानक अलग प्रजातियों की पहचान करने में भी मदद की। अन्य स्तनधारियों की तुलना में 20 गुना अधिक तेजी से विकसित होने वाले मनुष्यों के बारे में जाना जाता है कि उनके शरीर के आकार की तुलना में उनके मस्तिष्क का आकार बहुत बड़ा होता है और इस संबंध में उन्हें अलग माना जाता है। शरीर की तुलना में बड़ा मस्तिष्क बुद्धिमत्ता, सामाजिकता और जटिल व्यवहार से संबंधित है। हालांकि, इस अध्ययन में शोध लेखकों ने इस प्रवृत्ति को तोड़ने वाली अन्य प्रजातियों की पहचान की- प्राइमेट, कृंतक और मांसाहारी।

इन तीन समूहों में, 'मार्श-लार्टेट' नियम के अनुसार, समय के साथ मस्तिष्क के आकार (शरीर के सापेक्ष) में वृद्धि की प्रवृत्ति होती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह सभी स्तनधारियों में सार्वभौमिक प्रवृत्ति नहीं होती है, जैसा कि पहले माना जाता था।

यूनिवर्सिटी आफ रीडिंग के अध्ययन की सह लेखिका जोआना बेकर के अनुसार, भले ही सभी स्तनधारियों में छोटे और बड़े मस्तिष्क दोनों की ओर तेजी से बदलाव दिखाया हो। सबसे बड़े जानवरों में कुछ ऐसा है जो उसके मस्तिष्क को बहुत बड़ा होने से रोकता है। बेकर ने कहा कि क्या यह इसलिए है क्योंकि एक निश्चित आकार से परे बड़े मस्तिष्क को बनाए रखना बहुत महंगा होता है, यह देखना अभी बाकी है। बेकर ने कहा कि जैसा कि हम पक्षियों में भी इसी तरह की घुमाव देखते हैं। यह पैटर्न एक सामान्य घटना प्रतीत होती है, जो इस 'जिज्ञासु छत' का कारण बनता है, वह अलग जीव विज्ञान वाले जानवरों पर लागू होता है। अनुसंधान दल ने कहा कि उदाहरण के लिए, जब चमगादड़ पहली बार उठे तो उनके मस्तिष्क का आकार बहुत तेज़ी से कम हो गया, लेकिन फिर उनके मस्तिष्क के आकार में होने वाले बदलाव धीमे हो गए। इससे पता चलता है कि उड़ान की मांग के कारण उनके मस्तिष्क के आकार के विकास की सीमाएं हो सकती हैं।

विज्ञानियों ने ढूंढी डागफिश शार्क की नई प्रजाति

डागफिश शार्क। फाइल

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता : भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआइ) के विज्ञानियों ने केरल तट पर डागफिश शार्क की एक नई प्रजाति की खोज की है। डागफिश एक छोटी शार्क होती है। इसकी विभिन्न किस्में अपने फिन, यकृत तेल और मांस के लिए मांग में रहती है। नई प्रजाति दांतों की संख्या, धड़ और सिर की ऊंचाई, फिन की संरचना और फिन के रंग के मामले में दूसरों से अलग है। विज्ञानी बिनेश केके ने बताया कि नई प्रजाति स्क्वैलस हिमा की खोज हमने अरब सागर के पास केरल में एक मछली पकड़ने के बंदरगाह से एकत्र किए गए नमूनों से की है।

फिल्म रिव्यू: काकुदा ✪✪

मुख्य कलाकार :रितेशदेशमुख, सोनाक्षी सिन्हा, साकिब सलीम, आसिफ खान,निर्देशक :आदित्य सरपोतदार, अवधि : एक घंटे 56 मिनट, प्रसारण प्लेटफार्म :जी5

न लगता है डर, ना आती है हंसी

चित्र सौ. : फिल्म टीम

पिछले दिनों आदित्य सरपोतदार निर्देशित फिल्म मुंजा ने बाक्स आफिस पर सौ करोड़ रुपये की कमाई की, अब उनकी फिल्म काकुदा भी हारर और कामेडी का मिश्रण है। कहानी शुरू होती है रतौड़ी गांव से, जहां गांववालों को हर मंगलवार सवा सात बजे अपने घर का छोटा दरवाजा खोलना पड़ता है। किसी पुरुष ने ऐसा न किया तो उसका कूबड़ निकल आता है और 13वें दिन उसकी मौत हो जाती है। इस बीच रतौड़ी गांव के सनी (साकिब सलीम) को दूसरे गांव की इंदू (सोनाक्षी सिन्हा) से प्यार हो जाता है। दोनों घर से भागकर शादी करते हैं। शादी में देरी होने की वजह से सनी को दरवाजा खोलने में देरी हो जाती है। उसका कूबड़ निकल आता है। इंदू उसे दिल्ली के अस्पताल ले जाती है, जहां उसकी मुलाकात भूत पकड़ने वाले विक्टर (रितेश देशमुख) से होती है। इंदू क्या सनी को बचा पाएगी? कौन है काकुदा, जिसके लिए गांव वाले दरवाजा खोलते हैं? इस राज से पर्दा उठता है।

इस फिल्म को देखते वक्त स्त्री फिल्म की याद आती है, जिसमें दीवार पर लिखा जाता है-ओ स्त्री कल आना। इस फिल्म में दरवाजा खोला जाता है। लेखक अविनाश द्विवेदी और चिराग गर्ग की यह कहानी शुरू में तो दिलचस्प लगती है, जिज्ञासा उठती है कि छोटा दरवाजा क्यों खोलना है, लेकिन प्यार-प्रसंग के बीच कहानी भटकती जाती है। कुछ अनचाहे दृश्य आते हैं, जैसे इंदू के पिता को अंग्रेजी बोलने वाला ही दामाद चाहिए, जो बेमतलब लगता है। फिल्म में ताजगी रितेश के पात्र विक्टर से आती है। रितेश देशमुख 127 चुड़ैलों, 72 पिशाचों और 37 भूतों को हराने या खुश करने के ट्रैक रिकार्ड वाले एक भूत शिकारी की भूमिका निभा रहे हैं।

किसी तांत्रिक के बजाय अंग्रेजी बोलने वाला एक माडर्न घोस्ट हंटर लाने का एंगल अच्छा है, लेकिन नया नहीं। फिल्म हारर कामेडी है, लेकिन इसका हारर ऐसा नहीं कि डर लगे, कामेडी ऐसी नहीं कि हंसी आए। कुछ सीन अखरते हैं, जैसे बेटे की मौत के 13 दिन बचे हैं, लेकिन पिता के चेहरे पर दुख नहीं है, वह उसकी मौत की तैयारियों में व्यस्त है। इंदू की जुड़वा बहन गोमती की कहानी अधूरी है। बौना भूत काकुदा रामसे ब्रदर्स की फिल्म के भूतों की याद दिलाता है। गुलराज सिंह का बैकग्राउंड स्कोर फिल्म को कमजोर दृश्यों में संभालता है।

अभिनय में रितेश देशमुख कामेडी की जिम्मेदारी खुद संभालते हैं। डबल रोल में दिखीं सोनाक्षी सिन्हा ने दोनों पात्रों के बीच अंतर को अभिनय से दिखाया है। साकिब सलीम स्क्रिप्ट के दायरे में काम करते हैं। आसिफ खान सनी के दोस्त किलबिस के रोल में हंसाते हैं। उन्हें अधिक स्क्रीनस्पेस मिलना चाहिए था।

-प्रियंका सिंह

✪✪✪✪✪ उत्कृष्ट ✪✪✪✪ बहुत अच्छी ✪✪✪ अच्छी ✪✪ औसत ✪ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

इधर-उधर की

जिसे समझा विस्फोटक, वह निकला बहुमूल्य खजाना

गड्ढा खोद रही महिला मजदूरों को मिला खजाना। इंटरनेट मीडिया

कन्नूर, प्रेट्र : केरल में वर्षा जल संचयन के लिए गड्ढा खोद रही दिहाड़ी महिला मजदूरों के हाथ खजाना लग गया। महिलाओं ने बताया कि गड्ढा खोदते समय उन्हें अंदर कुछ चमकता हुआ दिखा। वह एक पुराना कंटेनर था जिसे पहले उन्होंने बम समझा। वहीं कुछ ने इसे काला जादू बताया। काफी साहस जुटाने के बाद उन्होंने इसे खोलने का फैसला किया। इसमें से बम नहीं बल्कि बहुमूल्य रत्न और पुराने सिक्के निकले। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुरातत्व विभाग को सूचित कर खुदाई में मिली सभी वस्तुएं अदालत के समक्ष पेश की जाएंगी। उनकी जांच से वस्तुओं की प्राचीनता का पता चलेगा।

डायबिटीज को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो सकती हैं दालें

अनुसंधान

विभिन्न किस्म की दालें। फाइल

डायबिटीज और हृदय संबंधी समस्या से बड़ी संख्या में लोग पीड़ित है। शुगर लेवल को नियंत्रित करने में भी लोगों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। एक शोध में सामने आया है कि मटर, मसूर और चना जैसी दालें डायबिटीज को प्रबंधित करने में मदद कर सकती हैं। शोध में बताया गया है कि दालों का आपके कार्डियोवस्कुलर बायोमार्कर पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। इनमें एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्राल और एचडीएल यानी गुड कोलेस्ट्राल शामिल हैं।

यह शोध जर्नल न्यूट्रिएंट्स में प्रकाशित हुआ है। इसमें बेहतर स्वास्थ्य के लिए दालों के प्रयोग और बीमारी से लड़ने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। अध्ययन से जुड़े जार्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर टेलर सी वेलेस ने कहा कि दालों का अगर लगातार प्रयोग किया जाए तो यह लंबे समय तक आपको स्वस्थ रखने में सहायक हो सकती है। खासकर यह उन्हें और अधिक फायदा करती हैं, जो टाइप 2 डायबिटीज और हृदय संबंधी परेशानी से जूझ रहे हों। कम फैट वाली सामग्री होने और स्वस्थ मोनो और पालीअनसेचुरेटेड फैट, आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों और एंटीआक्सीडेंट से भरपूर दालें पोषण का पावरहाउस हैं। दालें प्लांट प्रोटीन का भी उत्कृष्ट स्रोत हैं। यह फाइबर, फोलेट और पोटेशियम से भरपूर होती हैं। यह जिंक, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे खनिजों के समृद्ध स्रोत के रूप में भी काम करती हैं। इसलिए उनके लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है, जो पोषक तत्वों के लिए पौधे आधारित स्रोतों को प्राथमिकता देते हैं। (आइएएनएस)

नार्थ अमेरिका के मानचित्र के स्वरूप में भूलभुलैया...

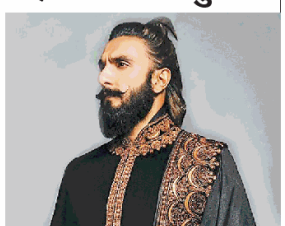

जर्मनी में फ्रैंकफर्ट के निकट वेइसकिर्चेन में मक्के के खेत में बनी इस अद्भुत रचना को देखिए, जो भूलभुलैया जैसी है। किंतु इसकी विशिष्टता इससे भी अधिक है। दरअसल, यह नार्थ अमेरिका के मानचित्र के स्वरूप में है। साथ ही इसमें भालू एवं बाइसन का चित्र भी बना हुआ है। यह आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है। एपी

स्क्रीन शाट

क्या रणवीर के बढ़े हुए बाल व दाढ़ी है नई फिल्म का लुक

डान 3 में शीर्ष भूमिका में होंगे रणवीर सिंह। (@ranveersingh)

जब कलाकार कोई फिल्म करते हैं, तो कई बार उसके पात्र के अनुसार उन्हें अपने लुक में बदलाव करना पड़ता है। जब तक फिल्म खत्म नहीं हो जाती है, उन्हें उसी लुक में रहना होता है। ठीक उसी तरह जिस तरह अभिनेता विक्की कौशल अपनी फिल्म छावा के लुक में काफी समय तक दिखे थे। पिछले दिनों अभिनेता रणवीर सिंह भी लंबे बालों और दाढ़ी में नजर आए हैं।

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में रणवीर इसी लुक में दिखे हैं। लंबे बालों को उन्होंने बांधकर हाई बन (बालों का जूड़ा) बनाया हुआ था। खबरें हैं कि यह रणवीर की नई फिल्म का लुक हो सकता है, तभी उन्होंने कोई और हेयरस्टाइल कराने की बजाय बालों को कटवाया नहीं। खैर, यह डान 3 का लुक है या किसी और फिल्म का, यह फिलहाल कंफर्म नहीं है। क्योंकि इस फिल्म की शूटिंग अभिनेता और निर्देशक फरहान अख्तर अगले साल से शुरू करेंगे।

खबरें थी कि रणवीर की दो फिल्में राक्षस और दक्षिण भारतीय फिल्म अन्नियन की हिंदी रीमेक के साथ ही डान 3 पर भी काम रुक गया है, लेकिन पिछले दिनों फरहान ने इस बात की पुष्टि की थी कि वह डान 3 का निर्देशन अगले साल से शुरू करेंगे। खैर, रणवीर का यह लुक किस फिल्म के लिए यह तो गोपनीय है, लेकिन फिलहाल रणवीर अपनी आगामी किसी भी फिल्म पर काम अपनी पत्नी और अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के प्रसव के बाद ही कर पाएंगे। सितंबर में दीपिका अपने पहले बच्चे को जन्म देंगी। ऐसे में रणवीर तब तक दीपिका के साथ वक्त बिताएंगे।

अब संजय दत्त भी हुए हाउसफुल पार्टी की पांचवी फिल्म में शामिल

कामेडी फिल्मों में खूब दिख रही हैं संजय की दिलचस्पी। फाइल

केजीएफ : चैप्टर 2, लिओ और केडी : द डेविल फिल्मों में खलनायक की भूमिकाएं निभाने के बाद अब अभिनेता संजय दत्त का झुकाव कामेडी की तरफ दिख रहा है। इस क्रम में जहां वह जल्द ही अजय देवगन के साथ फिल्म सन आफ सरदार 2 फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे, वहीं अब उनके हाउसफुल फ्रैंचाइज में भी शामिल होने की खबरें हैं। सूत्रों के अनुसार, तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बन रही हाउसफुल फ्रैंचाइज की पांचवी फिल्म हाउसफुल 5 में संजय एक नई भूमिका में जुड़ेंगे। अक्षय कुमार और रितेश देशमुख के अलावा हाउसफुल 5 में अभिषेक बच्चन, अर्जुन रामपाल, जान अब्राहम और बाबी देओल की पुनः वापसी हो रही है। संजय के अलावा सभी इस फ्रेंचाइजी की किसी न किसी फिल्म का हिस्सा रह चुके हैं। फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक तरुण पटकथा लेखन के स्तर पर ही इस बात को लेकर सुनिश्चित थे कि उन्हें इस फिल्म में संजय को कास्ट करना है। संजय ने एक पंक्ति में ही इस फिल्म की कहानी सुनने के बाद इसे अपनी स्वीकृति दे दी। वह पहले इस महीने के अंत से स्काटलैंड में अजय के साथ फिल्म सन आफ सरदार 2 की शूटिंग शुरू करेंगे। वहां करीब एक महीने की शूटिंग के बाद फिल्म की टीम चंडीगढ़ में दूसरा शेड्यूल शूट करेगी।

श्री श्री रविशंकर के जीवन से प्रेरित फिल्म बनाएंगे सिद्धार्थ आनंद

आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के जीवन पर आधारित होगी फिल्म। (@gurudev)

आर्टिकल 370, चंदू चैंपियन, मैदान और श्रीकांत : आ रहा है सबकी आंखें खोलने फिल्मों को देखें तो अब तक इस साल वास्तविक व्यक्तियों और घटनाओं से प्रेरित फिल्म टिकट खिड़की पर प्रभाव छोड़ने में सफल रही हैं। जिसे देखकर फिल्मकारों में ऐसे विषयों पर फिल्में बनाने का भरोसा बढ़ता दिख रहा है। इस कड़ी में अगला नाम जुड़ गया है वार, पठान और फाइटर फिल्मों के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद का। निर्माता महावीर जैन के साथ मिलकर सिद्धार्थ बतौर निर्माता आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के जीवन से प्रेरित फिल्म बनाएंगे। महावीर जैन की तरफ से शनिवार को इसकी घोषणा की गई। उनकी पत्नी और प्रोड्यूसर नीतू महावीर जैन ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक प्रमोशनल वीडियो साझा किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सिद्धार्थ आनंद और महावीर जैन, गुरुदेव श्री श्री रविशंकर के जीवन की एक सच्ची घटना से प्रेरित अंतरराष्ट्रीय थ्रिलर बनाने के लिए साथ आए हैं। गुरुदेव के हस्तक्षेप से ही कोलंबिया में 52 साल के क्रूर गृहयुद्ध को एक भी गोली चलाए बिना हल करने में मदद मिली थी। मोंटू बस्सी द्वारा लिखित यह फिल्म गुरुदेव की अहिंसा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।'

सरफिरा की धीमी शुरुआत, कल्कि एक हजार करोड़ के पार

प्रभास अभिनीत फिल्म कल्कि 2898 एडी की रफ्तार धीमी हुई। फाइल

कई बार समीक्षकों से अच्छी प्रतिकिया मिलने के बाद भी कुछ फिल्मों की शुरुआत अच्छी नहीं हो पाती है। ऐसा ही कुछ हुआ है अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा के साथ भी। समीक्षकों की अच्छी प्रतिक्रियाओं को बावजूद सरफिरा ने पहले दिन केवल 2.5 करोड़ रुपये बाक्स आफिस पर कमाए हैं। वहीं कमल हासन अभिनीत फिल्म हिंदुस्तानी 2 ने बाक्स आफिस पर 25.6 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। हिंदी में फिल्म ने 1.2 करोड़ रुपये कमाए हैं, वहीं तमिल में फिल्म ने 16.5 करोड़ रुपये और तेलुगु में 7.6 करोड़ रुपये कमाए हैं। फिल्म की वर्ल्डवाइड कमाई 54.60 करोड़ रुपये रही। 27 जून को रिलीज हुई फिल्म प्रभास अभिनीत फिल्म कल्कि 2898 एडी की रफ्तार धीमी हुई है, लेकिन फिल्म ने वर्ल्डवाइड एक हजार करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। भारतीय बाक्स आफिस पर 16वें दिन तक 549.35 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। कल्कि 2898 एडी की एक हजार करोड़ की कमाई को देखते हुए जब एक प्रशसंक ने पोस्ट किया, तो अमिताभ बच्चन ने उस ट्वीट को शेयर करते हुए लिखा कि यह कमाल की बात है। उन्होंने कल्कि के निर्माताओं का ट्वीट भी साझा किया, जिसमें लिखा गया था कि एक हजार करोड़ पार और अब भी गिनती जारी है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा कि मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद।

****